नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 218 | नई दिल्ली, बुधवार 06 नवंबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | वरुण धवन की आने वाली फिल्म की... पेज-12

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी ने छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को छठ महापर्व की शुरूआत पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और इसके सफलतापूर्वक संपन्न होने की कामना की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, महापर्व छठ में आज नहाय-खाय के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी शुभकामनाएं। विशेष रूप से सभी व्रतियों को मेरा अभिनंदन। छठी मइया की कृपा से आप सबका अनुष्ठान सफलतापूर्वक संपन्न हो, यही कामना है।

नहाय-खाय से ही छठ पूजा की शुरूआत होती है। इस दिन छठ व्रती किसी पवित्र नदी या तालाब में स्नान करते हैं और प्रसाद के रूप में चावल के साथ चने और लौकी की सब्जी भोजन के तौर पर ग्रहण करते हैं। अगले दिन खरना पूजा होती है और फिर उसके अगले दिन अस्त होते सूर्य को तथा अगली सुबह उगते सूरज को अर्घ्य दिया जाता है।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

नई दिल्ली। सरकार ने संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित कराने की मंगलवार को घोषणा की। इस दौरान 26 नवंबर को संविधान दिवस पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया जायेगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुये कहा, भारत सरकार की सिफारिश पर माननीय राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों को शीतकालीन सत्र के लिये 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक आहूत करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। संसद की कार्यसूची की आवश्यकता के अनुसार, शीतकालीन सत्र की अवधि में संशोधन भी किया जा सकता है। श्री रिजिजू ने बताया कि 26 नवंबर को संविधान दिवस पर संविधान को अंगीकार किये जाने की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में एक समारोह संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित किया जायेगा।

सलमान को जान से मारने की एक और धमकी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को मंगलवार को जान से मारने की एक और धमकी मिली है जिसमें उन्हें माफी मांगने या जिंदा रहने के लिए पांच करोड़ रुपये देने को कहा गया है।

मुंबई ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर एक महीने में यह चौथा धमकी भरा संदेश है।

मुंबई पुलिस ने कहा कि उन्हें मंगलवार को सुबह करीब 12.30 बजे मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर पर एक संदेश मिला, जिसके बाद वर्ली पुलिस अधिकारियों को सूचित किया गया। उन्होंने कहा, ह्लसंदेश भेजने वाले ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई बताया। उसने अभिनेता को जिंदा रहने के लिए दो विकल्प दिये- या तो मंदिर में माफी मांगें अथवा पांच करोड़ रुपये दें अन्यथा उनके गिरोह के सदस्य उन्हें मार देंगे। पुलिस का मानना ??है कि अज्ञात नंबर से भेजा गया यह संदेश एक धोखा है। उन्होंने कहा , ह्लहम मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में हैं। संदिग्ध का पता लगाने के लिए एक टीम को पहले ही नियुक्त कर दिया गया है।

झारखंड विधानसभा चुनाव: इंडिया ब्लॉक के घोषणा पत्र में 7 गारंटी

सोरेन ने किया 10 लाख नौकरी और सरना धर्मकोड का वादा

द न्यूज 15 ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए इंडिया ब्लॉक ने मंगलवार शाम संयुक्त रूप से अपना घोषणापत्र जारी किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, झारखंड के सीएम और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन सहित गठबंधन की अन्य पार्टियों के नेताओं द्वारा जारी इस घोषणा पत्र को 'एक वोट, सात गारंटी' नाम दिया गया है।

गठबंधन ने सबसे पहली 'गारंटी' के तहत राज्य में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीयता नीति लागू करने और आदिवासियों की धार्मिक पहचान को सुनिश्चित करने के लिए सरना धर्मकोड लागू करने का वादा किया है। दूसरी गारंटी में राज्य में चल रही मईयां सम्मान योजना की तहत दिसंबर 2024 से महिलाओं को 2,500 रुपए हर महीने देने का वादा किया गया है। फिलहाल, इस योजना के तहत 1,000 रुपए हर माह दिए जा रहे हैं।

गठबंधन ने सामाजिक न्याय की तीसरी गारंटी के तहत आरक्षण का दायरा बढ़ाने का वादा किया है। कहा गया है कि आदिवासियों को 28 प्रतिशत, दलितों को 12 प्रतिशत और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा अल्पसंख्यक समुदाय के हितों का संरक्षण और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय के गठन का संकल्प व्यक्त किया गया है।

चौथी गारंटी के तहत राज्य में गरीबों को पांच किलो की जगह हर माह सात किलो अनाज मुफ्त देने और हर परिवार को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा किया गया है।

पांचवीं गारंटी रोजगार से संबंधित है, जिसमें 10 लाख युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने की बात कही गई है।

इसी तरह छठी गारंटी के तहत सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज, सभी जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेज की स्थापना का वादा किया गया है। गठबंधन ने सातवीं गारंटी में किसानों को धान पर प्रति क्विंटल की दर से 3,200 रुपए की एमएसपी देने और वनोत्पादों के समर्थन मूल्य में 50 फीसदी बढ़ोतरी का वादा किया है।

1- गारंटी 1932 आधारित खतियान की

इसके अंतर्गत 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति लाने, सरना धर्म कोड को लागू करवाने के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा-संस्कृति के संरक्षित करने का वादा किया गया है।

2- गारंटी मंईयां सम्मान की

इस गारंटी के तहत अलायंस ने दिसंबर 2024 से ह्यमंईयां सम्मानह्ल योजना के अंतर्गत 2500 रुपए की राशि देने का वादा किया।

3- गारंटी सामाजिक न्याय की

इस गारंटी के अंतर्गत रळ वर्ग को 28%, रउ वर्ग को 12%, ओबीसी को 27% आरक्षण देने एवं अल्पसंख्यक वर्ग के हितों का संरक्षण करने हेतु संकल्पित रहने की गारंटी दी गई है। साथ ही पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय का गठन करने का वादा भी किया गया है।

4- गारंटी खाद्य सुरक्षा की

इस गारंटी के तहत राशन वितरण को बढ़ाकर 7 किलोग्राम प्रति व्यक्ति किया जाएगा। साथ ही राज्य के हर गरीब परिवार को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा भी किया गया है।

5- गारंटी रोजगार एवं स्वास्थ्य सुरक्षा की

इस गारंटी के अंतर्गत झारखंड के 10 लाख युवक-युवतियों को नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराने का वादा किया गया है, साथ ही 15 लाख रुपए तक का पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा देने का वादा भी किया गया है।

6- गारंटी शिक्षा की

इस गारंटी के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज तथा जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी की स्थापना करने का वादा किया गया है। साथ ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वास्ते औद्योगिक प्रोत्साहन नीति लाते हुए राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में 500-500 एकड़ का औद्योगिक पार्क बनाने का वादा किया गया है।

7- गारंटी किसान कल्याण

इस गारंटी के अंतर्गत धान की टरढ (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को 2400 रुपए से बढ़ाकर 3200 रुपए करने के साथ-साथ लाह, तसर, करंज, इमली, महुआ, चिरौंजी, साल बीच आदि के समर्थन मूल्य में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि करने का वादा किया जाएगा।

झारखंड में यूपी के सीएम ने संभाला मोर्चा

झारखंड विस चुनाव में गूंजा बंटेंगे तो कटेंगे नारा

झारखंड चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए अब केवल सात दिन बचे हैं। 13 तारीख को 43 सीटों के लिए वोटिंग होनी है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों की तैयारी तेज हो गईं हैं। 'जुबानी जंग' का दौर जारी है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाईबासा और गढ़वा में जनसभा किए। दोनों जगह की उनकी स्पीच आदिवासियों पर केंद्रित रही। पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। वहीं रविवार को भाजपा ने राज्य में घोषणा पत्र भी जारी कर दिया है। भाजपा ने युवाओं, किसानों, महिलाओं समेत सभी वर्गो को साधने की कोशिश की है। पीएम मोदी ने सोमवार को कहा कि आदिवासियों से रोटी, बेटी और माटी कांग्रेस-झामुमो की सरकार छीन रही है। उन्होंने झारखंड सरकार पर परिवारवाद का आरोप भी लगाया। इस पर झामुमो ने पलटवार किया है। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक मंडल मुर्मू ने भाजपा ज्वॉइन कर लिया था। इसपर सीएम सोरेन ने कहा कि भाजपा के लोग हमें डरा नहीं सके तो हमारे प्रस्तावक को ही चुरा लिया। आज राज्य में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दौरा है। सभी दलों के दिग्गज वोटरों को लुभाने में जुटे हुए हैं।

तुम ही हो बांटने और काटने वाले : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि BJP के विचार सड़े हुये हैं। वह बंटेंगे तो कटेंगे में विश्वास करती है। खरगे ने रांची में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा- यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा- बंटेंगे तो कटेंगे। बांटने वाले भी तुम हो और काटने वाले भी तुम हो। हुकूमत तुम्हारे पास, पैसा तुम्हारे पास... गरीबों को तुमने क्या दिया। यह भाजपा और आरएसएस का एजेंडा है, जिसे नाकाम करना होगा।

वायनाड के लोग मुझसे कहेंगे बार बार ना आऊं : प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल)। कांग्रेस महासचिव एवं वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को कहा कि इस निर्वाचन क्षेत्र के लोग ही अंततः यह फैसला करेंगे कि वह यहां बार बार आएं या दिल्ली में रहें।

प्रियंका ने यह टिप्पणी अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों की टिप्पणियों के जवाब में की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस नेता सीट जीत जाती हैं तो वह वायनाड में शायद ही कभी दिखाई देंगी।

जब उनका बेटा बोर्डिंग स्कूल में पढ़ता था, उस समय को याद करते हुए प्रियंका ने कहा कि वह इतनी बार उससे मिलने जाती थीं कि प्रधानाचार्य ने अंततः उनसे अपने बेटे से कम मिलने को कहा।

उन्होंने कोझिकोड जिले के थिरुवंबडी विधानसभा क्षेत्र के कोडानचेरी में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा, इसलिए, अगर कोई कह रहा है कि मैं नहीं

आऊंगी, तो आप जान लीजिए प्रधानाचार्य की तरह वे कहेंगे अब बहुत हो गया, जाइए और कुछ समय के लिए दिल्ली में रहिए। प्रियंका ने कहा कि उनके लिए वायनाड का प्रत्येक व्यक्ति 'कर्तव्य, जिम्मेदारी, प्रेम और स्नेह के मजबूत बंधन' का प्रतिनिधित्व करता है। कांग्रेस नेता ने आशा व्यक्त की कि वे उन्हें संसद में उनका प्रतिनिधित्व करने का अवसर देंगे। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के उम्मीदवार सत्यन मोकेरी ने दावा किया था कि अपने भाई राहुल गांधी की तरह प्रियंका भी वायनाड को एक संक्षिप्त पड़ाव के रूप में देखती हैं।

यूपी मदरसा एक्ट को सुप्रीम कोर्ट से मान्यता

नई दिल्ली, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने 2004 के उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी जो राज्य के मदरसों के लिए एक बड़ी राहत है।

उच्च न्यायालय ने इस आधार पर इस कानून को खारिज कर दिया था कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह मानकर गलती की कि यह कानून मूल ढांचे यानी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा, हम उत्तर प्रदेश मदरसा कानून की वैधता

बरकरार रखते हैं और दूसरी बात यह कि यदि राज्य के पास विधायी शक्ति नहीं है, केवल तभी किसी कानून को खारिज किया जा सकता है।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उत्तर प्रदेश के मदरसों के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है क्योंकि उच्च न्यायालय ने इन मदरसों को बंद करने तथा उसके विद्यार्थियों को राज्य के अन्य विद्यालयों में दाखिला देने का आदेश दिया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस कानून की विधायी योजना मदरसों में दी जा रही शिक्षा के स्तर के मानकीकरण के लिए है।

शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए दायर की गयी अर्जियों पर 22 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रखने से पहले करीब दो दिनों तक आठ याचिकाकताओं की ओर से अंजुम कादरी, अतिरिक्त सॉलीसीटर जनरल के एम नटराज समेत कई वकीलों की दलीलें सुनीं। नटराज उत्तर प्रदेश सरकार की ओर शीर्ष अदालत में पेश हुए थे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मार्च को इस कानून को 'असंवैधानिक' तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला घोषित किया था। उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से मदरसों के विद्यार्थियों को औपचारिक विद्यालयों में भेजने का निर्देश दिया था।

मदरसों के करीब 17 लाख विद्यार्थियों को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने पांच अप्रैल को उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी।

नहाय-खाय के साथ व्रतियों ने लगाई आस्था की डुबकी

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल है छठ पर्व

द न्यूज 15 ब्यूरो

पटना। लोक आस्था का महापर्व छठ आज (5 नवंबर) से नहाय-खाय के साथ प्रारंभ हो गया है. व्रती महिलाएं गंगा नदी में स्नान कर पूजा कर रही हैं. इसके बाद कद्दू की सब्जी और चावल खाकर व्रत का संकल्प लेंगी. वहीं, कल खरना की पूजा की जाएगी. इसके बाद के दो दिनों में भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा. व्रती 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखकर पूजा-अर्चना करती हैं.

छठ व्रतियों ने राजधानी पटना में एबीपी न्यूज के संवाददाता से बात करते हुए कहा कि बहुत बेहतर व्यवस्था की गई है. साल भर से छठ का हम लोग इंतजार कर रहे थे. आज नहाय खाय के साथ ही इसकी शुरूआत हो गई है. यहां स्नान कर हम लोग पूजा पाठ किए हैं. 36 घंटे का निर्जला उपवास रहेगा.

वहीं, छठ महापर्व में जो अनेकता में एकता है, वह शायद ही किसी अन्य पर्व में देखने को नहीं मिलती है. सूर्य की उपासना का यह महापर्व सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश करता है. छठ पूजा में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बिहार पेश कर रहा है. छठ महापर्व के लिए मुस्लिम महिलाएं मिट्टी के चूल्हे बनाकर बेच रही हैं. सालों से इस महापर्व के लिए मिट्टी के चूल्हे बनाती आ रही हैं. इसे बनाते समय साफ-सफाई का खास ध्यान रखा जाता है. चूल्हे धड़ाधड़ बिक रहे हैं. मिट्टी के नये चूल्हे पर ही छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है.

चूल्हे बनाने वाली मुस्लिम महिलाओं का कहना है कि इसे बनाते समय साफ-सफाई का खास ध्यान रखा जाता है.

शेष पेज 2 पर

व्रतियों में बांटी साड़ी और पूजन सामग्री

समस्तीपुर। महान लोक आस्था के पर्व छठ के अवसर पर समाजसेवी सह युवा राजद जिला महासचिव अशोक यादव ने आज मोहनपुर स्थित अपने आवास पर एक मानवीय पहल करते हुए लगभग दो सौ छठ व्रतियों के बीच साड़ी और पूजन सामग्री का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने छठ पर्व को लोक आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह पर्व हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है, जिसे सभी वर्गों के लोग मिलकर मनाते हैं।

शेष पेज 2 पर

धर्म की दीवारें तोड़ती शायरा बेगम

8 सालों से मुस्लिम महिला रख रहीं छठ व्रत!

मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर की रहने वाली शायरा बेगम, एक मुस्लिम महिला, लगातार 8 सालों से छठ पूजा कर रही हैं। शायरा बेगम का मानना है कि छठ पूजा करने से उनके परिवार को सुख और समृद्धि मिली है। शायरा बेगम का कहना है- ह्यजब तक जिंदा रहूंगी छठ करती रहूंगी। छठ पर्व, जो मुख्य रूप से बिहार, यूपी और झारखंड में मनाया जाता है, अपनी सांप्रदायिक सद्भाव की भावना के लिए जाना जाता है। यह पर्व अब दूसरे राज्यों में भी लोकप्रिय हो रहा है। बिहार में छठ के दौरान, वातावरण भक्तिमय हो जाता है। यह त्योहार सभी धर्मों के लोगों को एक साथ लाता है। इसकी एक मिसाल मुजफ्फरपुर में देखने को मिलती है, जहां शायरा बेगम, हर साल पूरी श्रद्धा और निष्ठा से छठ पूजा करती हैं। शायरा बेगम का कहना है कि उन्होंने 2015 में छठी मैया से मन्नत मांगी थी।

शेष पेज 2 पर

बिहार: जेलों में भी गूंज रहा छठी मइया के गीत

पटना से बक्सर और गोपालगंज से मुंगेर तक माहौल भक्तिमय

दीपक कुमार तिवारी

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ पर पूरा बिहार छठमय हो गया है। शहर के मुहल्लों, गांव की गलियों से लेकर चौक-चौराहों तक में छठी मईया के गीत गूंज रहे हैं। इन सब से दूर सभी मनोकामना पूर्ण करने वाले इस पर्व में बिहार की जेलों में भी छठ के गीत गाए जा रहे हैं। जेलों का माहैल भी भक्तिमय हो गया है। बिहार के विभिन्न जेलों में बंद कई कैदी भी सूयोर्पासना के व्रत श्रद्धापूर्वक कर रहे हैं। इसके लिए जेल प्रशासन ने भी खास तैयारी की है।

पटना के बेउर जेल में महिला और पुरुष सहित 70 बंदी छठ पूजा कर रहे हैं। मौके पर जेल प्रशासन ने सभी छठ व्रतियों के लिये पूरी तैयारी की है। जेल में मौजूद छठव्रतियों को पूजन सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है। मंगलवार को छठ व्रत के पहले दिन नहाय-खाय को लेकर जेल प्रशासन की ओर से सभी कैदियों को प्रसाद के रूप में कद्दू-चावल दिया जाएगा। इसके अलावा खरना के रोज भी कारा प्रशासन बंदियों को प्रसाद उपलब्ध कराएगा। कुल 13 महिलाएं और 57 पुरुष बंदी छठ व्रत करेंगे।

जेल अधीक्षक विधु कुमार ने बताया कि लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जेल में साफ-सफाई की गई है। छठ पूजा करने वाले बंदियों को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि भले ही व्रत 70 बंदी कर रहे हैं परंतु उनकी मदद के सभी कैदी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बेउर जेल में प्रत्येक वर्ष कैदियों द्वारा छठ व्रत किया जाता है।

भागलपुर जिले की जेलों में भी छठ के गीत गूंज रहे हैं और पूरा माहौल भक्तिमय बन गया है। यहां 50 कैदी छठ पर्व में जुटे हुए हैं। शहीद जुब्बा सहनी केंद्रीय जेल में 25 पुरुष, महिला मंडल कारा में 15 और तथा विशेष केन्द्रीय कारा 10 बंदी छठ पर्व किया है। जेल प्रशासन इन व्रतियों के लिए कपड़े, छठ पूजन सामग्री, प्रसाद सहित अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध करा रहा है। छठ पर्व करने वालों में एक मुस्लिम कैदी भी शामिल है। जेल के अंदर बने तालाब की सफाई करा दी गई है जहां व्रती गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को और शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देंगे।

शेष पेज 2 पर

पांच हाथियों के परिवार की मूर्ति से आरएमएल चौक की शोभा बढ़ी

एलजी ने आरएमएल अस्पताल चौराहे पर पांच हाथी परिवार की मूर्तियों का अनावरण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आज यहां राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल के गोल चक्कर पर पांच हाथी परिवार की मूर्तियों का अनावरण किया। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा ये मूर्ति कलाकृति यहां स्थापित की गई है और इस चौराहे का पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण किया गया है। इस अवसर पर नई दिल्ली की सांसद, बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी अध्यक्ष अश्विनी कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पांच हाथी परिवार की मूर्तियों का अनावरण करने के बाद उपराज्यपाल ने सावधानीपूर्वक योजना के माध्यम से शहर के सौंदर्य परिदृश्य को समृद्ध करने के लिए एनडीएमसी की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी ने सोच-समझकर 20 स्थानों पर लगभग 35 मूर्तियां लगाई हैं, जिनमें उत्कृष्ट कृतियों जैसे बुद्ध, संगमरमर के शेर, पोलो घोड़ा, घोड़ा परिवार, रथ और कई अन्य कलाकृतियाँ प्रमुख स्थानों पर स्थापित हैं, जहां हर दिन पर्यटकों सहित बड़ी संख्या में लोग आते या वहां से गुजरते हैं। पिछले ढाई वर्षों में शहर के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए दिल्ली शहर भर में सैकड़ों मूर्तियां और कलाकृतियाँ स्थापित की गई हैं। सक्सेना ने कहा कि आरएमएल अस्पताल चौराहे पर स्थापित हाथी परिवार शहर को सुंदर बनाने के

प्रयासों में एक और योगदान है। उन्होंने कहा कि इस कार्य से यहां से गुजरने वाले लोगों को न केवल देखने में सुखद अनुभव होगा बल्कि स्वच्छ एवं हरे-भरे वातावरण का भी अहसास होगा। यहां लगाए गए फव्वारे न केवल धूल के कणों और वायु प्रदूषण को कम करेंगे बल्कि आसपास के तापमान को भी कम करेंगे। उन्होंने कहा कि चौराहे पर लगे फव्वारों के साथ रंगीन रोशनी इन चौराहों और सड़क के किनारे की मूर्तियों को रात में और भी खूबसूरत बना देगी। एनडीएमसी ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल के सामने स्थित 58 मीटर व्यास वाले आरएमएल गोल चक्कर का पुनर्विकास किया है। इस परिदृश्य योजना में इस स्थान को हरे-भरे, स्वागतयोग्य परिदृश्य और बलुआ पत्थर से बने सुनियोजित मार्गों में बदलने की कल्पना को साकार किया गया है। यहां गोल चक्कर के कार्यक्षमता और सौंदर्य दृश्य को बढ़ाने के लिए एनडीएमसी ने वॉकवे के चारों ओर निचली दीवारों का निर्माण किया, जो सुविधाजनक बैठने की जगह के रूप में दोगुनी हो गई है। एनडीएमसी ने क्षेत्र को इस प्रकार बुद्धिमानी से रोशन करने का प्रावधान किया है कि प्रकाश की व्यवस्था में दृश्यता सुनिश्चित करते हुए चमक प्रदान करने को प्राथमिकता हो। पुनर्विकसित आरएमएल चौराहे के केंद्र में एनडीएमसी ने केंद्र स्तर पर एक राजसी सफेद पत्थर हाथी परिवार स्थापित किया है, जो चारों ओर फव्वारे वाले जल चैनलों से घिरा हुआ है। पानी का हल्का प्रवाह शांति का तत्व जोड़ता है, जिससे यह चौराहा न केवल एक यातायात चौराहा रह जाएगा बल्कि हलचल भरे शहर के भीतर एक विश्राम स्थल बन जाएगा। इस परियोजना की विशेषताओं में गोल चक्कर के केंद्र में पांच सदस्यों (दो बड़े और तीन बच्चे हाथी) के साथ हाथी परिवार है, हाथी परिवार के चारों ओर अष्टकोणीय जल निकाय है, जिसमें 48 फव्वारे नोजल, 80 नग की संख्या में आरजीबी एलईडी लाइटें है और राउंडअबाउट में, 7.5 एचपी मोटर और अन्य सहायक उपकरण से सुसज्जित जलाशय के चारों ओर पौधे लगे हुए हैं।

एक नजर

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा विकसित भारत की पूर्ति में युवा शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज के.डी जाधव कुश्ती स्टेडियम में आयोजित विकसित भारत एंबेसडर, युवा कनेक्ट कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री और युवा मामले व खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ युवा शक्ति को संबोधित किया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना विकसित भारत की पूर्ति में युवा शक्ति की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिसके निर्वहन के लिए हर राष्ट्रप्रेमी युवा समर्पित भाव से तैयार है। उन्होंने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के नेतृत्व में मेरा युवा भारत अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर अग्रसर रहेगा। उल्लेखनीय है कि 'विकसित भारत एंबेसडर, युवा कनेक्ट' के तहत देश के अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित करता है। इस पहल का मकसद विकसित देश बनाने के लिए युवाओं को बढ़ावा देना है।

हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने आरोपित को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम विहार ईस्ट थाना पुलिस टीम ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान साहिल के रूप में हुई है, यह पश्चिम विहार इलाके का ही रहने वाला है। बाहरी जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि दो नवंबर को पुलिस को सूचना मिली थी पीरागढ़ी कैंप में एक महिला को बुरी तरह घायल कर दिया गया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। एसीपी पाटिल स्वागत राजकुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने मामले की छानबीन शुरू की। महिला बयान देने की हालत में नहीं थी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से छापेमारी शुरू की। इसी दौरान घायल महिला के जानकारों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि महिला ने रमेश नगर से पीरागढ़ी आने के लिए एक ऑटो रिक्शा हायर किया था। पुलिस ने 100 से ज्यादा ऑटो की डिटेल निकाली जो पीरागढ़ी चौक के आसपास सर्विस देते हैं। फिर इस छानबीन के बाद साहिल के बारे में पुलिस को जानकारी मिली और इसे पकड़ा गया।

दिल्ली के अली विहार में छठ घाट तोड़ने पर लोगों में रोष

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ओखला विधानसभा क्षेत्र के अली विहार इलाके मंश छठ घाट तोड़ने के खिलाफ विवाद हो गया है। इसको लेकर भक्तों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हम लोग यहां पर 28 साल से छठ पूजा करते आ रहे हैं और हजारों लोग यहां पर छठ पूजा करते हैं। हमारे छठ घाट को तोड़ा गया है। जबकि छठ पूजा करने से किसी जगह पर कब्जा नहीं होता है। हम लोग छठ घाट बनाकर यहां पर सिर्फ सुबह और शाम पूजा करते हैं। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि अली वीहार इलाके में हम लोग 28 सालों से छठ पूजा का आयोजन कर रहे हैं। यहां पूर्वांचल समाज के लोगों ने मिलकर पक्का छठ घाट भी बनवाया था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग में शिकायत की गई कि इस जगह पर कब्जा किया जा रहा है। इस शिकायत के बाद हमारे छठ घाट को तोड़ दिया गया। यहां के लोगों ने मांग की कि हमें यहां पर छठ पूजा करने दी जाए। हमारे पूजा के आयोजन को न रोका जाए। क्योंकि छठ पूजा सुबह और शाम का पर्व है, इसमें जगह का कब्जा नहीं होता है। आप को बता दें कि जिस जगह पर छठ घाट तोड़ने को लेकर विवाद है। वह जगह दिल्ली में उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग की है। शिकायत पर सिंचाई विभाग ने कार्रवाई करते हुए छठ घाट को तोड़ा है। इसी के खिलाफ स्थानीय लोगों में विरोध देखा जा रहा है और लोग उस जगह पर छठ मनाने की बात कर रहे हैं।

जल बोर्ड ने सीईओ पर लगे जुमार्ने को भरा : बोर्ड ने एनजीटी से कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया है कि अधिकरण के समक्ष उपस्थित न होने पर उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पर लगाया गया जुमार्ना अदा कर दिया गया है। एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ को शाहदरा नाले में जमा हो रहे सीवर के अपशिष्ट जल और अन्य ठोस अपशिष्टों से संबंधित मामले में हरित अधिकरण के समक्ष उपस्थित होने और सहायता करने का निर्देश दिया था। उनके उपस्थित न होने पर, न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की एनजीटी पीठ ने चार सितंबर के आदेश में कहा, हमें डीजेबी के सीईओ को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट देने का कोई बेहतर आधार नहीं मिला और जिस कमजोर बहाने के चलते वह आज उपस्थित नहीं हुए, वह मामले में कड़ी कार्रवाई को उचित ठहराता है। इसके बाद एनजीटी ने डीजेबी के सीईओ पर 50,000 रुपये का जुमार्ना लगाया था और कहा था कि इस आचरण को माफ करने का कोई औचित्य नहीं है, लेकिन वह डीजेबी के वकील के अनुरोध पर विचार कर रही है।

नियोक्ता के घर से सोने का ब्रैसलेट चोरी करने का आरोपी रसोइया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में अपने मालिक के घर से कथित तौर पर सोने का ब्रैसलेट चुराने को लेकर 30 वर्षीय एक रसोइया को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले निवासी शिवम राठौड़ के तौर पर हुई है जो महज 10 दिन पहले ही अपने इस मालिक के घर काम पर लगा था। पुलिस ने बताया कि रविवार को डिफेंस कॉलोनी के एक निवासी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके घर से 47 ग्राम के सोने की ब्रैसलेट चोरी हो गई है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान इलाके के सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई और पाया गया कि घटना के समय शिकायतकर्ता के घर में कोई दाखिल नहीं हुआ। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अंकित चौहान ने कहा कि तब पुलिस ने राठौड़ की पहचान प्राथमिक संदिग्ध के तौर पर की। चौहान ने बताया कि 10 दिन पहले ही शिकायतकर्ता ने राठौड़ को नौकरी पर रखा था जो चोरी की इस घटना के बाद घर से भाग गया था और उसका मोबाइल फोन बंद था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सबसे पहले राठौड़ के फरीदाबाद में अपने दोस्त के घर में ठहरे होने का पता लगाया। चौहान ने बताया कि राठौड़ के दोस्त ने बताया कि वह शनिवार रात उसके साथ रुका था औरनई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ट्रेन लेकर वह उन्नाव जाने वाला है।

नियोक्ता के घर से सोने का ब्रैसलेट चोरी करने का आरोपी रसोइया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में अपने मालिक के घर से कथित तौर पर सोने का ब्रैसलेट चुराने को लेकर 30 वर्षीय एक रसोइया को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले निवासी शिवम राठौड़ के तौर पर हुई है जो महज 10 दिन पहले ही अपने इस मालिक के घर काम पर लगा था। पुलिस ने बताया कि रविवार को डिफेंस कॉलोनी के एक निवासी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके घर से 47 ग्राम के सोने की ब्रैसलेट चोरी हो गई है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान इलाके के सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई और पाया गया कि घटना के समय शिकायतकर्ता के घर में कोई दाखिल नहीं हुआ। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अंकित चौहान ने कहा कि तब पुलिस ने राठौड़ की पहचान प्राथमिक संदिग्ध के तौर पर की। चौहान ने बताया कि 10 दिन पहले ही शिकायतकर्ता ने राठौड़ को नौकरी पर रखा था जो चोरी की इस घटना के बाद घर से भाग गया था और उसका मोबाइल फोन बंद था।

आप सरकार ने सुनिश्चित किया कि पूर्वांचली छठ मनाने के लिए दिल्ली नहीं छोड़ें : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने सुनिश्चित किया कि पूर्वांचल के लोगों को छठ पूजा के लिए राष्ट्रीय राजधानी छोड़ना न पड़े। चार दिवसीय छठ महापर्व के पहले दिन यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा कि दिल्ली की आप सरकार ने एक हजार से अधिक घाट बनवाएं हैं ताकि लोग इस महापर्व को मना सकें। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी गत 10 साल से दिल्ली की सत्ता में है और उसने सुनिश्चित किया है कि पूर्वांचल के लोगों को छठ मनाने के लिए शहर को छोड़ना नहीं पड़े। आतिशी ने कहा, ह्यह्यआप सरकार के आने से पहले केवल 60 छठ घाट होते थे लेकिन आज एक हजार से अधिक घाट बनाए जा रहे हैं ताकि लोग इस

त्योहार को मना सकें। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि दिल्ली सरकार ने छठ पूजा के उपलक्ष्य में सात नवंबर को सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख घाटों पर पानी, शौचालय, चिकित्सक और एंबुलेंस सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं ताकि पूर्वांचली इस महापर्व को मना सकें। छह पूजा भगवान सूर्य को समर्पित है और यह चार दिन का पर्व है। इस त्योहार की शुरूआत नहाय-खाय से होती है जिसके तहत व्रती साफ-सफाई के साथ व्रत का संकल्प लेता है और प्रसाद के तौर पर चने की दाल और कद्दू भात ग्रहण करता है। पर्व के पहले दिन मंगलवार को जहरीले झाग की मोटी परत के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यमुना नदी में डुबकी लगाई। दिल्ली में रह रहे पूर्वांचली समुदाय के लिए छठ पूजा एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के भोजपुरी-मैथिली और मगही भाषी निवासी शामिल हैं। यह समुदाय दिल्ली में मतदाताओं के 30-40 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है, जहां अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

प्रदूषण को लेकर 33 विभागों के साथ हुई समीक्षा बैठक

एंटी ओपन बर्निंग कैंपेन भी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रदूषण के मामले पर मंगलवार को 33 विभागों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में विंटर एक्शन प्लान की घोषणा के बाद विभागों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा हुई। इस बैठक में एंटी ओपन बर्निंग कैंपेन भी शुरू करने को कहा गया है। गोपाल राय ने बताया है कि दीपावली के बाद दिल्ली और उत्तर भारत के राज्यों में एक्यूआई का स्तर 300-400 बना हुआ है, लेकिन विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में मौसम प्रतिकूल हो रहा है, तापमान कम हो रहा है। ऐसे में एक्यूआई का स्तर बढ़ने पर विंटर एक्शन प्लान के नियमों को दिल्ली में लागू करने के लिए दिल्ली के 33 विभागों के साथ बैठक की गई। गोपाल राय ने बताया है कि इस बैठक में अभी तक प्रदूषण रोकने के लिए किये गए एक्शन की समीक्षा की गई और आने वाले दिनों में कैसे प्रदूषण पर लगाम लगाकर रखी जाए इस पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया है कि जो लोग दिल्ली में आउटडोर नाइट ड्यूटी करते हैं उन्हें हीटर देने के लिए सभी विभागों और जिम्मेदार संस्थाओं को निर्देश दे दिये गए हैं। एंटी ओपन बर्निंग कैंपेन में हम यह पहल कर रहे हैं ताकि खुले में आग जलाने से होने वाले धुएं से बचा जा सके। गोपाल राय ने कहा है कि दिल्ली में धूल प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए पहले से ही कैंपेन चल रहा है। अभी तक 7,927 साइट्स का निरीक्षण किया गया, जहां नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था, वहां सख्त एक्शन लिया गया है। रोड डस्ट को कंट्रोल करने के लिए 68 एंटी स्मॉग गन अलग अलग जगह लगाई गई हैं और 200 मोबाइल एंटी स्मॉग गन अलग अलग विधानसभाओं में लगाई गई हैं। हमारा प्रयास है कि दिल्ली वालों के साथ मिलकर पूरी सक्रियता से प्रदूषण के खिलाफ अभियान को तेज करें।

डीटीसी ने दो लोगों को कुचला, मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों पर रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन डीटीसी की बस भी अनियंत्रित होकर लोगों को असमय काल का ग्रास बना रही है। ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में सामने आया। जिसमें बस ने एक पुलिसकर्मी सहित दो लोगों को कुचलकर उनकी जान ले ली। बस इतनी अनियंत्रित थी की वह पहले सड़क किनारे होर्डिंग वाले पोल में टक्कर मारकर उसको गिराया फिर सेंट्रल वर्ज से टकराकर रुकी। इस बीच बाइक से पेट्रोलिंग कर रहे पुलिसकर्मी सहित दो लोगों को भी चपेट में ले लिया। यह हादसा 4 नवंबर की रात को हुआ है। जब यह अनियंत्रित डीटीसी बस ने मोनेस्ट्री मार्केट के पास रिंग रोड पर इस हादसे को रात लगभग 10 बजे

से 10:30 बजे के बीच में अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार हादसे के बाद घायलों को तुरंत परमानंद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कॉन्स्टेबल विक्टर पिछले साल जून महीने से सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में तैनात थे। उनके चेहरे, सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं थी। वे नाइट पेट्रोलिंग की ड्यूटी पर बाइक पर सवार थे।

जबकि दूसरे मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। डीटीसी बस के ड्राइवर 57 साल के विनोद कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पता चला की वह 2010 से डीटीसी में ड्राइवर है। जिस बस से यह हादसा हुआ है, वह रूट नंबर 261 पर सराय काले खां आईएसबीटी से नंद नगरी तक चलती है। पता चला की यह हादसा तब हुआ जब बस ब्रेकडाउन की हालत में थी और उसमे कोई भी यात्री सवार नहीं था। बस सड़क पर लगे एक पोल से पहले टकराई, जिसके बाद पोल सहित विज्ञापन वाला बोर्ड सड़क पर गिर गया। उसके बाद एक शख्स को और कांस्टेबल को टक्कर मारती हुई डिवाइडर पर जा चढ़ी। पुलिस केस दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले को लेकर डीसीपी नॉर्थ की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं कारवाई गई थी।

छठ पूजा के पहले दिन श्रद्धालुओं ने प्रदूषित यमुना में स्नान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को छठ पूजा के पहले दिन श्रद्धालुओं ने यमुना नदी की सतह पर जहरीले झाग की मोटी परतों के बावजूद इसमें स्नान किया। कालिंदी कुंज क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने प्रदूषित नदी में स्नान किया, जिससे स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न हो गईं। छठ सूर्य देव की पूजा के लिए समर्पित है और इसे चार दिनों की कठोर दिनचर्या के साथ मनाया जाता है। पहला दिन, जिसे नहाय-खाय के नाम से जाना जाता है, एक शुद्धिकरण अनुष्ठान है जहां भक्त स्नान करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और चना दाल और कद्दू भात जैसा प्रसाद तैयार करते हैं। जहरीले झाग की मौजूदगी यमुना में प्रदूषण के कारण उत्पन्न चुनौतियों को उजागर करती है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ जाती हैं। राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा के लिए घाटों की तैयारी को लेकर सत्तारूढ़ आप और विपक्षी भाजपा के बीच कई दिनों से राजनीतिक लड़ाई चल रही है। दिल्ली के पूर्वांचली समुदाय के लिए छठ पूजा एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के भोजपुरी भाषी निवासी शामिल हैं।

यह समुदाय दिल्ली में मतदाताओं के 30-40 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है, जहां अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पेज एक शेष

नहाय-खाय के साथ व्रतियों...

एक ट्रैक्टर मिट्टी की कीमत 3000 से 4000 रुपये तक होती है. एक से दो ट्रैक्टर मिट्टी खरीदते हैं. उसके बाद चूल्हे तैयार करते हैं. इन चूल्हों की कीमत 150 रुपये है. एक दिन में 20 से 25 चूल्हे बिक जा रहे हैं. छठ मैया में हम लोगों की बहुत आस्था है.

बता दें कि छठ घाटों पर तैयारियां पूरी कर ली गई है. पटना में गंगा समेत अन्य नदियों के करीब 500 घाटों पर छठ मनेगा. तैयरियां पूरी हो गई हैं. गंगा में मोटरबोट से रिवर पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है. घाटों पर अस्थायी शौचालय, रनिंग वाटर-टैप, अस्थायी चेंजिंग रूम, यात्री शेड, नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था की गई है. मेडिकल टीम के साथ एम्बुलेंस तैनात रहेंगी. घाटों पर लाइटिंग की भी व्यवस्था की गई है. सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी. सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गए हैं.

धर्म की दीवारें तोड़ती...

उनके पति की तबियत अक्सर खराब रहती थी और उनके बेटे और बहू को बच्चा नहीं हो रहा था। उन्होंने मन्नत मांगी कि अगर उनके पति स्वस्थ हो जाते हैं और उन्हें पोता-पोती की प्राप्ति होती है, तो वह छठ व्रत रखेंगी।

अगले ही साल छठी मैया की कृपा से उनके पति की तबीयत में सुधार हुआ और उनकी बहू गर्भवती हो गई। तब से, शायरा बेगम हर साल पूरी श्रद्धा के साथ छठ व्रत करती आ रही हैं। वह दशहरा के बाद से ही लहसुन और प्याज का सेवन बंद कर देती हैं और कार्तिक पूर्णिमा के बाद ही इन्हें खाना शुरू करती हैं।

शायरा बेगम छठ के नियमों का पालन पूरी निष्ठा से करती हैं। खरना के दिन, वह आम की लकड़ी पर प्रसाद बनाती हैं। उनकी बेटियाँ इसमें उनकी मदद करती हैं। ठेकुआ और खजूर प्रसाद के रूप में बनाए जाते हैं। अर्घ्य के दिन, वह अपने पूरे परिवार के साथ गाड़ी रिजर्व करके तीनपोखरिया घाट जाती हैं और पूरी विधि-विधान से छठ पूजा करती हैं।

शायरा बेगम की कहानी सांप्रदायिक सद्भाव और आस्था की एक मिसाल है। यह दशार्ता है कि कैसे धार्मिक विश्वास लोगों को एक साथ लाते हैं। शायरा बेगम की तरह, कई अन्य लोग भी हैं जो अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ इस पर्व को खास बनाते हैं।

व्रतियों में बांटी साड़ी और...

उन्होंने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से इस प्रकार के प्रयासों से जरूरतमंद व्रतियों की मदद कर रहे हैं ताकि वे आर्थिक परेशानियों के बिना इस पवित्र पर्व का आनंद ले सकें।

इस अवसर पर समाजसेवी मो. रिज्जू इस्लाम उर्फ टी.टी बाबू, स्थानीय विधायक के प्रेस प्रतिनिधि सह जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, नगर पार्षद चंदन कुमार और छात्र राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश यादव भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में टी.टी बाबू और राकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि छठ पर्व सामाजिक एकता और सद्भावना का प्रतीक है। यह महापर्व लोक मंगलकारी है और समाज में सभी विषमताओं को दूर कर एकता का संदेश देता है। उन्होंने छठ व्रतियों की सहायता को सबसे बड़ा पुनीत कार्य बताया और कहा कि इस तरह के मानवीय प्रयास समाज में सकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं।

बिहार: जेलों में भी गूंज रहा...

इसके अलावे गोपालगंज, बक्सर, मुंगेर जेल में भी कई कैदियों द्वारा छठ पर्व किये जाने की सूचना है। जेल विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक जेल में छठव्रती के किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसका जेल प्रशासन पूरा ख्याल रख रहा है। शुद्धता का पर्याय माने जाने इस पर्व में जेल में भी शुद्धता का ख्याल रखा जा रहा है।

इधर, मुजफ्फरपुर के शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में भी इस साल बड़ी संख्या में कैदी छठ व्रत की तैयारी में जुटे है। बताया जाता है कि इस साल 47 महिला के साथ-साथ 49 पुरुष छठ पर्व कर रहे हैं। छठ व्रत करने वालों में हिन्दू कैदियों के अलावा मुस्लिम समाज के तीन कैदी शामिल हैं।

जेल परिसर स्थित तालाब को चारों तरफ सजाया गया है। तालाब के किनारे रंग रोगन किया गया है तथा रोशनी की व्यवस्था की गई है। आकर्षक रंग-बिरंगी लाइट तालाब के किनारे लगाई गई है। जेल अधीक्षक बृजेश सिंह मेहता ने बताया कि इस बार जेल के अंदर महिलाओं से अधिक पुरुष बंदी लोक आस्था का महापर्व छठ कर रहे है। इसमें तीन मुस्लिम और एक सिख धर्म के मानने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पर्व में उपयोग होने वाली सभी सामग्री छठ व्रत करने वाले बंदियों को उपलब्ध करा दी गई है।

चार दिनों के इस पर्व में व्रती मंगलवार को नहाय-खाय से व्रत की शुरूआत करेंगे। बुधवार को खरना किया जाएगा जबकि गुरुवार को अस्ताचलगामी और शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती अन्न-जल ग्रहण कर 'पारण' करेंगे।

कानूनी लड़ाई में ग्रेनो प्राधिकरण की हुई हार, कर्मचारियों को करना पड़ेगा 46 करोड़ 36 लाख 80 हजार रुपए का भुगतान 'सीटू'

ग्रेटर नोएडा, ग्रेनो प्राधिकरण में माली एवं सफाई का कार्य करने वाले कर्मचारियों के नियमितीकरण हेतु ग्रेटर नोएडा माली एवं सफाई कामगार यूनियन (सम्बंध सी.आइ.टी.यू.) के द्वारा उठाए गए औद्योगिक विवाद का न्यायाधिकरण पंचम उत्तर प्रदेश मेरठ द्वारा अभिनिणत विवाद संख्या 6/ सन 2000 एवं वाद सं. 4/ सन 2007 में दिनांक 27- 05- 2018 को श्रमिकों के पक्ष में एवार्ड पारित कर दिया और ग्रैनो प्राधिकरण को कर्मचारियों को पिछले पूरे वेतन के साथ कार्य पर बहाल करने का आदेश दिया। उक्त पर कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग द्वारा दिनांक 04- 01- 2024 को 46 करोड़ 36 लाख 80 हजार रुपए की वसूली प्रमाण पत्र जारी कर जिलाधिकारी महोदय से ग्रेनो प्राधिकरण से वसूलकर एवार्ड से संबंधित कर्मचारियों को भुगतान करने का अनुरोध किया। उक्त का पत्र ग्रैनो प्राधिकरण को भी भेजा गया। एवार्ड का पालन करने से बचने के लिए ग्रेनो प्राधिकरण ने एवार्ड के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय में 20 रिट याचिकाए दाखिल की गई जिन्हें सुनवाई के बाद माननीय उच्च न्यायालय द्वारा प्राधिकरण द्वारा दायर की गई याचिकाओं को दिनांक 16- 10-2024 को खारिज करते हुए माननीय औद्योगिक न्यायाधिकरण पंचम उत्तर प्रदेश मेरठ के अवार्ड दिनांक 27 व 29- 05- 2018 को बहाल कर दिया और जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर को 90 दिनों के अंदर 46 करोड़ 36 लाख 80 हजार रुपए प्राधिकरण से वसूल कर कर्मचारियों को भुगतान करने व उन्हें कार्य पर बहाली करवाने का आदेश जारी कर दिया उक्त प्रकरण की विस्तृत जानकारी देने के लिए यूनियन द्वारा आज प्रेस क्लब स्वर्ण नगरी ग्रेटर नोएडा पर प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यूनियन के महामंत्री रामकिशन सिंह, मंत्री टीकम सिंह ने बताया कि ग्रेनो प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे आर्थिक शोषण के खिलाफ एवं नियमितीकरण के लिए कर्मचारियों ने संगठित होकर वर्ष 1998 से सीटू के मार्गदर्शन में हक अधिकारियों के लिए आवाज उठाना शुरू किया तो कर्मचारियों की आवाज को दबाने के लिए वर्ष 2003 में ग्रैनो प्राधिकरण द्वारा 240 कर्मचारियों को गैर कानूनी तरीके से नौकरी से हटा दिया गया। जिसके विरोध में काफी आंदोलन किया गया और 24- 25 साल लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद हमें न्याय मिला है। जिसके लिए उन्होंने यूनियन की ओर से मजदूर संगठन सीटू के पदाधिकारियों व सपा नेता राजकुमार भाटी, मेरठ न्यायाधिकरण पंचम में केस में पैरवी करने वाले एडवोकेट श्री नरेश कुमार वर्मा एवं माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में एडवोकेट गोपाल नारायण ने कैसे लड़ा और श्रमिकों को जीत दिलाई जिसके लिए उन्होंने यूनियन की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, किसान सभा जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि प्राधिकरण से जिला प्रशासन ने उक्त आदेश का पालन नहीं कराया गया तो उक्त मुद्दे पर फिर से निर्णायक लड़ी जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूनियन के उपाध्यक्ष ज्ञानचंद, संयुक्त मंत्री धनपाल, कोषाध्यक्ष अमरपाल, कार्यकारिणी सदस्य बादल, वीरेंद्र, साहब राम, धीरज बाली, वीर सिंह आदि मौजूद रहे।

एक नजर

नोएडा में करंट लगने से नौ साल की बच्ची की मौत

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के सफाबांद गांव में रहने वाली नौ साल की एक बच्ची को संदिग्ध परिस्थितियों में सोमवार की रात बिजली का करंट लग गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उसे उपचार के लिए नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वाली बच्ची की पहचान प्रियांशी (नौ) के रूप में की गयी है और वह सफाबांद गांव में रहती थी। पुलिस ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अगर इस मामले में परिजन कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

गाजियाबाद में पुलिस इंस्पेक्टर के घर में चल रहा था देह व्यापार, दो युवक व महिला गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने सोमवार को शालीमार गार्डन एक्सटेंशन 02 प्रथम तल निकट मंगल पांडेय चौक के पास एक मकान में छापा मारकर देह व्यापार का खुलासा किया है। पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार में लिप्त दो युवक व एक महिला को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से आपत्तिजनक सामान, दो मोबाइल फोन तथा 5000 की नकदी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने बताया कि एसीपी शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल को सूचना मिली थी कि शालीमार गार्डन एक्सटेंशन दो के प्रथम तल पर एक मकान में अनैतिक देह व्यापार किया जाता है। उन्होंने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर छापा मारा तो वहां पर देह व्यापार ने लिप्त दो युवक व एक महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि फ्लैट उत्तर प्रदेश पुलिस से सेवानिवत्त इंस्पेक्टर के बेटे साकिब का है।

उसने साढ़े आठ हजार रुपये में देह व्यापार कराने वाली महिला के साथी को किराए पर करीब छह माह पूर्व दिया था। महिला तभी से उसमें देह व्यापार करा रही थी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवकों में मौजपुर दिल्ली निवासी रविकांत शर्मा तथा मंडी सहारनपुर निवासी साकिब है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में इन्होंने देह व्यापार में लिप्त होना कबूल किया है। गिरफ्तार महिला के खिलाफ पहले भी अनैतिक देह व्यापार का मामला दर्ज है।

आईएमटी में कंपनी में लगी भीषण आग

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के आईएमटी में स्थित एक न्यू टेक एंसिलरिस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में भीषण आग लग गई। आग लगने के कारणों के बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन आग लगने के चलते कंपनी में भीषण नुकसान हुआ है। हालांकि मामले में जब मौके पर पहुंची पुलिस से आग लगने के कारण के बारे में पूछा गया तो पुलिस ने कुछ भी बोलने से मना कर दिया। वहीं एक कर्मचारी ने बताया कि मंगलवार सुबह कंपनी में लगी थी। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। दमकल की टीम और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इसमें लगभग 6 से 7 दमकल की गाडि?ां मौके पर पहुंची थी, जिनकी मदद से आग पर काबू पाया जा सका। गौरतलब है कि मामले में कंपनी संचालक भी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं थे, कंपनी संचालक और पुलिस का बयान आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। आग किन कारणों से लगी और कंपनी में आग लगने के चलते कितना नुकसान हुआ है।

नोएडा में मुठभेड़ के दौरान शातिर लुटेरा गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना फेस-1 पुलिस ने सोमवार की रात मुठभेड़ के दौरान एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया और उसके पास से विभिन्न स्थानों से लूटे हुए तीन मोबाइल फोन, अवैध हथियार, मोटरसाइकिल आदि बरामद किया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ लूटपाट समेत विभिन्न धाराओं में तीन दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस उपायुक्त जोन-प्रथम मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि थाना फेस -वन पुलिस चिल्ला बॉर्डर के नाले के पास आज सुबह जांच कर रही थी, तभी मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। मिश्र ने बताया कि शक होने पर पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया। उन्होंने बताया कि बदमाश रुकने की बजाय पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी और भागने लगा। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी। उन्होंने बताया कि उसकी पहचान साजिद के तौर पर की गयी है और वह राष्ट्रीय राजधानी के त्रिलोकपुरी का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि साजिद को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस, मोटरसाइकिल, विभिन्न जगहों से लूटे हुए तीन मोबाइल फोन बरामद किया है। उन्होंने बताया कि बदमाश के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में 30 और नोएडा के विभिन्न स्थानों में छह मुकदमे दर्ज हैं।

पति का अंतिम संस्कार करने गई महिला, पीछे से घर में हुई चोरी

पलवल, एजेंसी। ट्रेन दुर्घटना में भाई की मौत के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिवार के लोग गांव तो चोरों ने पीछे से घर को खंगालकर लाखों रुपये के जेवरात व नकदी को चोरी कर लिया। कैंप थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के गौमत गांव हाल मोहन नगर पलवल निवासी नरेश ने दी शिकायत में कहा कि उसके बड़े भाई नंद किशोर की 24 अक्टूबर की रात को ड्यूटी से घर आते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। भाई की मौत के बाद वह और उसकी भाभी सीमा नंद किशोर के शव को अंतिम संस्कार के लिए जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के गौमत गांव लेकर गए थे। इसी दौरान एक नवंबर की रात को चोरों ने भाभी सीमा के घर में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। उन्हें जब इसका पता चला तो वे पलवल आए और घर आकर देखा तो घर से चोर सोने व चांदी के जेवर तथा दस हजार 830 रुपए नगद को चोरी करके ले गए। उसके भाई ने आभूषण व पैसे अपनी लड़की की शादी के लिए रखे हुए थे। कैंप थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि नरेश की शिकायत पर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि टीम चोरों की तलाश में जुटी हुई है, जल्द ही चोरों का सुराग लगा कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नहाय खाय के साथ छठ महापर्व शुरू

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद जिले में नहाय खाय के साथ मंगलवार से लोक आस्था का महापर्व छठ शुरू हुआ। छठ व्रतियों ने घर में छठ व्रती महिलाओं ने छठ का गीत गाया और कद्दू-भात बनाकर पहला प्रसाद खाया। छठ व्रत करने वाली महिलाओं ने बताया आज से लोक आस्था का पहला दिन कद्दू-भात के साथ छठ पूजा शुरू होता है। वहीं दूसरे दिन खरना किया जाता है, तीसरे दिन संध्या के समय घाट पर जाकर डूबते हुए सूर्य को अर्ध दिया जाता है।

चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अर्ध देकर इसका समापन किया जाता है। पहले दिन नहाय-खाय से इसकी शुरूआत होती है। इस दिन लोग गंगा स्नान करके अपने घर में मिट्टी के चूल्हे पर लौकी की सब्जी, चने की दाल, चावल बनाकर प्रसाद के रूप में खाते हैं। खरना में भी शाम के वक्त गुड़ और चावल की खीर बनाकर प्रसाद के रूप में खाया जाता है। छठ व्रत करने वाली महिलाओं ने कहा यह छठ पर्व चार दिन के लिए किया जाता है। छठ महापर्व को घर में सुख समृद्धि और संतान प्राप्ति के लिए किया जाता है।

गाजियाबाद में दूसरे दिन भी अदालतों में कामकाज ठप, वकीलों की हड़ताल जारी

गाजियाबाद, एजेंसी। जिला जज की कोर्ट में 29 अक्तूबर को किए गए लाठीचार्ज के विरोध में वकील सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। आज मंगलवार को भी वकीलों ने कचहरी गेट पर धरना-प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार किया। गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने एलान कर दिया कि जिला जज अनिल कुमार की बर्खास्तगी होने तक हड़ताल जारी रहेगी। तब तक कचहरी में वकील रोज सुबह से शाम तक धरना-प्रदर्शन भी करेंगे। वकीलों ने लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों पर भी कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वकीलों ने सेल टैक्स कार्यालय के पास चौराहे पर धरना दिया।

यहां बार अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा, वकीलों ने बड़े आंदोलन के लिए कमर कस ली है। जिला जज की बर्खास्तगी होने तक कोई भी वकील न्यायिक कार्य नहीं करेगा। बार सचिव अमित नेहरा ने कहा कि जिला जज ने निहत्थे वकीलों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज कराया। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। यूपी की सभी बार एसोसिएशन आंदोलन में शामिल हैं। हरियाणा, पंजाब और दिल्ली की बार ने भी आंदोलन का समर्थन किया है। मंगलवार सुबह धरना शुरू होने से पहले ही 10 बजे अधिवक्ताओं ने सभी अदालतों में जाने वाले रास्ते बंद करा दिए। इस कारण से कोई भी वादकारी अदालत में तारीख लेने नहीं जा सका। वहीं, दूसरी तरफ हड़ताल के कारण हवालात में बंदी भी नहीं लाए गए। सोमवार का दिन होने से काफी संख्या में वादकारी कचहरी आए थे लेकिन, वह किसी भी अदालत में पेश नहीं हो पाए। केस से संबंधित अधिवक्ताओं ने भी वादकारियों से दो टूक कह दिया कि अगर किसी तरह अदालत में जा सकते हो तो हाजिरी लगाकर तारीख ले लो। कई वादकारी अदालत परिसर की तरफ गए भी लेकिन, गेट पर तालाबंदी होने से लौट गए।

दो दशक में भी नहीं बना समुदायिक केंद्र

-पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी ने विधायक मुकेश शर्मा के समक्ष उठाया यह मुद्दा

-विधायक ने कम्युनिटी सेंटर बनवाने का दिया ठोस आश्वासन

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में समुदायिक केंद्र बनाने के मुद्दे पर विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा निर्माण का ठोस आश्वासन देने के बाद भी एक ईंट तक ना लगना क्षेत्रवासियों के साथ अन्याय है। क्षेत्र के पूर्व पार्षद का कहना है कि वे 20 साल से इस मुद्दे को जनप्रतिनिधियों तक पहुंचा रहे हैं। इसके बाद भी काम नहीं हुआ। अब 21वें साल में एक बार फिर से उन्होंने गुडगांव के नवनिर्वाचित विधायक के समक्ष यह मुद्दा उठाया है। नगर निगम गुरुग्राम अंतर्गत वार्ड-10 (नया घोषित वार्ड-33) में मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत कम्युनिटी सेंटर बनाया जाना था। मनोहर सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इसकी घोषणा की थी। घोषणा के 8 साल बाद भी इस प्रोजेक्ट की फाइल गायब है। वार्ड-10 के पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी बताते हैं कि उन्होंने कांग्रेस सरकार में भी लक्ष्मण विहार में कम्युनिटी सेंटर बनवाने की मांग उठाई थी। कांग्रेस सरकार के 10 साल भी बीत गए। भाजपा सरकार के भी 10 साल बीत चुके हैं। उन्होंने मंगलवार को गुडगांव के विधायक मुकेश शर्मा को मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि कम्युनिटी सेंटर के निर्माण को लेकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को दर्जनों बार मांग पत्र सौंप चुके हैं। इस पर कुछ काम नहीं हुआ। मंगतराम बागड़ी ने विधायक को सौंपे मांग पत्र सौंपने के दौरान पतराम जांगड़ा, ईश्वर अध्यक्ष आरडब्ल्यूए, अजीत साहू, दीपक शर्मा, रमेश जांगड़ा, साहिल बागड़ी आदि ने कहा कि सामुदायिक भवन की मांग कांग्रेस के कार्यकाल में एक दशक से लंबित रही। बीजेपी सरकार में इस पर सुनवाई हुई। अधिकारियों द्वारा मौके का निरीक्षण भी किया गया, लेकिन काम शुरू नहीं किया जा सका। उन्होंने मांग पत्र में कहा है कि सरकारी जमीन एक विभाग से दूसरे विभाग को हस्तांतरित किया जाता है। कम्युनिटी सेंटर के निर्माण के लिए जमीन का हस्तांतरण एक विभाग से दूसरे विभाग को क्यों नहीं किया जा रहा है। पूर्व विधायक सुधीर सिंगला के माध्यम से इस मामले को विधानसभा में भी उठाया गया। इस मामले को नगर निगम की बैठकों में भी कई बार उठाया गया। पंजीरी प्लांट की जमीन महिला एवं बाल विकास विभाग से नगर निगम को हस्तांतरित ना होने के कारण अब तक कम्युनिटी सेंटर का निर्माण लंबित पड़ा है।

फरीदाबाद में पुलिस पर हमला करने वाले दो गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। पुलिस पर हमला करने वाले दो आरोपियों को अपराध शाखा एवीटीएस की टीम ने काबू कर लिया। आरोपी दिल्ली एनसीआर में चोरी की वारदातों को अंजाम देते और गाडियों के साइलेंसर चोरी करते थे। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों में नसीम व जाकिर का नाम शामिल है। जो उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ के गांव रामपुर शाहपुर के रहने वाले है। गाड़ी से भागते समय नसीम को चोट लगी है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दे कि चार नवंबर की रात अपराध शाखा एवीटीएस फरीदाबाद की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान हार्डवेयर चौक पर एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी पर शक हुआ, जैसे ही गाड़ी चालक से पूछताछ की तो चालक ने एकदम से गाड़ी को भगा लिया, गाड़ी में ड्राइवर सहित तीन व्यक्ति थे। जिसकी सूचना कंट्रोल रुम में दी गई। इसके बाद पकड़े के लिए पुलिस ने गाड़ी का पीछा किया, लेकिन गाड़ी पकड़ में नहीं आ सकी। दिल्ली नंबर की गाड़ी होने के कारण अपराध शाखा टीम ने बाइपास रोड बदरपुर बॉर्डर पर नाका बंदी लगाई। नाकाबंदी के दौरान बाइपास रोड़ बदरपुर बॉर्डर पर पल्ला चौक की तरफ से गाड़ी आती हुई दिखाई दी। जिसको पुलिस ने रोकने की कोशिश की। लेकिन चालक ने गाड़ी को ना रोककर पुलिसकर्मियों को टक्कर मारने के लिए गाड़ी को भगा दिया, जिसपर पुलिसकर्मियों ने छलांग लगाकर जान बचाई और गाड़ी चालक ने सरकारी गाड़ी में टक्कर मार दी।इसी दौरान गाड़ी में सवार तीनों व्यक्ति गाडी से उतर कर भागने लगे व चालक ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। इस दौरान पुलिस ने 2 व्यक्तियों को काबू कर लिया।

लुप्त व दुर्लभ लोक कलाओं का संरक्षण करना युवा महोत्सव का उद्देश्य: रविंद्र कुमार

गुरुग्राम, एजेंसी। जिला में आगामी 18 व 19 नवंबर को आयोजित होने वाले जिला युवा महोत्सव के संबंध में गुरुग्राम के एसडीएम रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। युवा मामले एवं कौशल विभाग हरियाणा तथा नेहरू युवा केंद्र के सौजन्य से जिला युवा महोत्सव सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। युवा महोत्सव 15 से 29 आयु वर्ग का कोई भी युवा भाग ले सकता है। इसके लिए युवा अपना आवेदन आईटीआई गुरुग्राम में 12 नवंबर तक कर सकते हैं। वहीं ऑनलाइन माध्यम से माईभारतपोर्टलडॉट जीओवीडॉटइन पर भी आवेदन किया जा सकता है। एसडीएम रविंद्र कुमार ने बैठक में कहा कि राज्य की लुप्त प्राय एवं दुर्लभ लोक कलाओं का संरक्षण-संवर्द्धन करना एवं प्रोत्साहन देना भी इस आयोजन का उद्देश्य है। इसके साथ ही आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की प्रतिभाओं का चयन कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये तैयार करना एवं स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग इस संबंध में जिला के सभी स्कूलों में व्यापक प्रचार प्रसार करे ताकि आयोजन में ज्यादा से ज्यादा बच्चों की सहभागिता रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग यह

भी सुनिश्चित करें कि आयोजन में प्रत्येक राजकीय विद्यालय से किसी ना किसी श्रेणी में आवेदन जरूर आएं। बैठक में आयोजन से जुड़ी विस्तृत जानकारी सांझा करते हुए आईटीआई गुरुग्राम के प्रिंसिपल जयदीप कादयान ने बताया कि आयोजन में आवेदन के लिए प्रतिभागी को रजिस्ट्रेशन फॉर्म के साथ दसवीं की मार्क शीट, आधार कार्ड, फैमिली आईडी, फोटो व बैंक खाता की प्रति लाना अनिवार्य हैं। जिला स्तरीय युवा महोत्सव में लोक गीत ग्रुप, लोक गीत एकल, ग्रुप डांस हरियाणवी व एकल, फाक सांग ग्रुप व एकल, पोस्टर मेकिंग, कहानी लेखन, पोयट्री, भाषण प्रतियोगिता, फोटोग्राफी, साइंस प्रोजेक्ट व मॉडल आदि शामिल हैं। प्रथम आने वाले प्रतिभागी को 2100 रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा।

चुनाव में तय सीमा से अधिक खर्च पाए जाने पर दिया जाएगा नोटिस

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम और सोहना विधानसभा क्षेत्र के चुनाव व्यय पर्यवेक्षक कुंदन यादव ने विश्राम गृह के सभागार में विधानसभा चुनाव के दौरान एक-एक उम्मीदवार द्वारा किए गए खर्चों का आंकलन किया तथा आवश्यक दस्तावेज तैयार करवाए। मंगलवार को विश्रामगृह सभागार में आयोजित हुई इस बैठक में चुनाव व्यय पर्यवेक्षक ने गुडगांव और सोहना के उम्मीदवार द्वारा किए गए चुनाव खर्च का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि किसी उम्मीदवार का चुनाव खर्च तय सीमा से अधिक पाया गया तो उसके खिलाफ निर्वाचन आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवार अपने खर्च रजिस्टर और चुनाव व्यय टीम के पास रखे गए उनके शैडो रजिस्टर से मिलान कर लें। इसमें किसी प्रकार की कोई आपत्ति है तो उसके लिए उचित प्रमाण देकर उसका निवारण करवा लें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव के लिए 40 लाख रूपए की खर्च सीमा तय की हुई है। इससे अधिक खर्च किसी उम्मीदवार का पाया जाता है तो उसे नोटिस जारी किया जा सकता है। बैठक में उम्मीदवारों द्वारा चुनावी रैली, कार्यालय खर्च, प्रचार-प्रसार, जलपान, भोजन, रोड शो, वाहन आदि के खर्च का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। चुनाव व्यय पर्यवेक्षक ने उम्मीदवारों तथा उनके चुनावी एजेंटो को बताया कि किस प्रकार से उन्हें अपने दस्तावेज तैयार करने हैं, जिससे कि भविष्य में उन्हें कोई और फार्म आदि जमा ना करवाने पड़े। उन्होंने कहा कि चुनाव खर्च के लिए सभी बिल, फार्म व रजिस्टर में प्रविष्टि सही दर्ज होनी चाहिए। इसमें किसी प्रकार की त्रुटि ना हो। इस अवसर पर सोहना के एसडीम होशियार सिंह, ईटीओ जगदीप गुलिया, ईटीओ प्रतीक राठी इत्यादि मौजूद रहे।

सोहना, फर्रुखनगर व पटौदी मंडी में बाजरे की आवक जारी

गुरुग्राम, एजेंसी। जिला में बाजरा की खरीद के लिए किसानों का मंडियों में आना जारी है। अभी तक जिला में 32 हजार 630.1 मीट्रिक टन बाजरा हरियाणा वेयरहाउस कापोर्रेशन द्वारा खरीदा जा चुका है और 15 हजार 194 किसान फसल बेचने के लिए मंडियों में आ चुके हैं। गुरुग्राम के अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सोहना मंडी में 6808.5 मीट्रिक टन, फर्रुखनगर मंडी में 5870.5 मीट्रिक टन तथा पटौदी मंडी में 19 हजार 951.1 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि फर्रुखनगर मंडी में 1875, सोहना मंडी में 2517 तथा पटौदी मंडी में 10 हजार 802 किसान बाजरा बेचने के लिए आ चुके हैं। मंडियों से फसल का निरंतर उठान जारी है। 28 हजार 918.35 मीट्रिक टन बाजरा लिफ्ट किया जा चुका है। अभी 3711.75 मीट्रिक टन बाजरा मंडियों में रखा हुआ है। एडीसी ने कहा कि किसान आराम से अपनी फसल को सूखाकर तथा साफ करके मंडी में लेकर आएं।

खाद विक्रेताओं को नोटिस जारी करने के आदेश

पलवल, एजेंसी। पलवल में खाद की किल्लत और प्राइवेट दुकानदारों द्वारा खाद की कालाबाजारी की शिकायतें मिलने पर एसडीएम ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ दुकानों व गोदाम पर मंगलवार को छापेमारी की। एसडीएम द्वारा की गई अचानक छापेमारी से प्राइवेट खाद विक्रेताओं में हड़कंप मच गया।एसडीएम ने छापेमारी की कार्रवाई से पहले अपने कार्यालय में कृषि विभाग के एसडीओ अजीत सिंह एवं होडल व मुंडकटी थाना प्रभारियों की बैठक ली। जिसके बाद एसडीएम ने स्वंय कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बाजार में आधा दर्जन से अधिक दुकानों के अलावा गढी मोड व उमराला रोड स्थित खाद के गोदामों पर छापेमारी की, लेकिन डीएपी खाद उपलब्ध नहीं मिला। छापेमारी के दौरान एसडीएम सिंह ने प्राइवेट दुकानों के बाहर खाद के स्टाक और रेट लिस्ट की भी जांच की, लेकिन कुछ दुकानों पर रेट लिस्ट चस्पा नहीं मिली। जिस पर एसडीएम ने कृषि विभाग के अधिकारी को उक्त दुकानदारों को नोटिस जारी करने के आदेश दिए। एसडीएम रणवीर सिंह ने पिछले दिनों भी लघु सचिवालय स्थित सभागार में निजी खाद विक्रेताओं और विभाग के अधिकारियों की बैठक ली थी। खाद की दुकानों के बाहर रेट लिस्ट और खाद के स्टाक की सूची चस्पा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कुछ निजी खाद बीज के दुकानदारों ने एसडीएम के आदेशों को भी अनदेखा कर दुकानों के बाहर सूची नहीं लगाई। एसडीएम रणबीर सिंह ने लापरवाही बरतने वाले निजी खाद दुकानदारों को तुरंत प्रभाव से रेट लिस्ट लगाने के निर्देश दिए। अगर दुकानदार ने स्टाक की सूची नहीं लगाई, तो उनके खाद बिक्री के लाईसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम रणवीर सिंह ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को खाद उपलब्ध नहीं होने और प्राइवेट दुकानदारों द्वारा कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर उन्होंने विभागीय अधिकारी के साथ दुकानों पर छापेमारी की है। किसी भी दुकान पर डीएपी खाद नहीं मिला है।

महाकुंभ 2025 : आपात स्थितियों से निपटने के लिए भीष्म क्यूब की तैनाती

प्रयागराज, एजेंसी। महाकुंभ-2025 में आपात स्थितियों से निपटने के लिए योगी सरकार ने व्यापक तैयारी की है। महाकुंभ में पहली बार भीष्म क्यूब की तैनाती की जा रही है, जो अत्याधुनिक तकनीक से युक्त क्रांतिकारी मोबाइल अस्पताल है। 22 जनवरी 2024 में अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भी भीष्म क्यूब की तैनाती की गई थी।

संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, प्रयागराज डॉ. वीके. मिश्रा ने बताया कि एक भीष्म (बैटलफील्ड हेल्थ इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर मेडिकल सर्विसेज) क्यूब 200 लोगों का एक साथ उपचार कर सकता है। भीष्म क्यूब में सर्जिकल सुविधाएं, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी की देखभाल से संबंधित सभी सुविधाएं मौजूद हैं।

उन्होंने बताया कि ये बेहद मजबूत, वॉटरप्रूफ और हल्के हैं। इससे तुरंत इलाज की सुविधा शुरू की जा सकती है। यह चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी समन्वय, वास्तविक समय में निगरानी और कुशल प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डाटा एनालिटिक्स को एकीकृत करता है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि भीष्म क्यूब की पूरी यूनिट को आसानी से हाथ, साइकिल या ड्रोन द्वारा भी ले जाया जा सकता है। इस चलते-फिरते अस्पताल की खासियत यह है कि इसे आपातकालीन परिस्थितियों में विमान से एयरड्रॉप किया जा सकता है। भीष्म क्यूब 12 मिनट के भीतर तैनात होने की क्षमता रखता है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स का विकास और परीक्षण भारतीय वायुसेना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और डिफेंस टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने मिलकर किया है।

गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को भीष्म क्यूब की यूनिट्स भेंट स्वरूप दी थी।

महाकुंभ में रोपित किए जायेंगे 2 लाख 71 हजार पौधे

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम तट पर जनवरी 2025 से लगने जा रहे महाकुंभ की तैयारियां पूरी गति से चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ को दिव्य, भव्य, स्वच्छ और हरित स्वरूप देने के लिए कुंभ मेला प्रशासन के सभी विभाग इसमें अपना योगदान कर रहे हैं। महाकुंभ को हरित कुंभ का स्वरूप देने के लिए कुंभ क्षेत्र को पॉलीथिन मुक्त रखा जाएगा तो वहीं कुंभ क्षेत्र के बाहर हरित पट्टिकाओं का विकास किया जा रहा है। इस प्रयास से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी धरातल पर उतर रहा है। सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि महाकुंभ 2025 में प्रयागराज स्वच्छता का मॉडल बने। महाकुंभ स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी एक उदाहरण बने, इसके लिए सामूहिक प्रयास किया जा रहा है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए वन विभाग, नगर निगम और प्रयागराज विकास प्राधिकरण मेगा प्लांटेशन अभियान चला रहे हैं। अभियान के अंतर्गत 2 लाख 71 हजार पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

महाकुंभ : रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे एफआर कैमरे, एआई तकनीक की मदद से करेंगे संदिग्धों की पहचान

प्रयागराज, एजेंसी। महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य के साथ सुरक्षित महाकुंभ बनाने का लक्ष्य डबल इंजन सरकार ने रखा है। इसके तहत न केवल मेला क्षेत्र बल्कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ लोगों का ट्रेन से आने का अनुमान है। इसे लेकर रेलवे सुरक्षा और व्यवस्था के सारे इंतजाम कर रही है। प्रयागराज रेल मंडल द्वारा महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरों के साथ एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं।

एफआर कैमरे एआई की मदद से संदिग्ध गतिविधियों और अराजक तत्वों पर नजर रखने में कारगर हैं। एफआर कैमरे एआई तकनीक से काम करते हैं। प्रयागराज रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए महाकुंभ को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रयागराज रेल मंडल सुरक्षा के सारे इंतजामों के साथ एआई बेस्ड एफआर कैमरे भी लगा रहा है। फेस रिकग्निशन या एफआर कैमरे एआई तकनीक की मदद से चेहरे की पहचान करने में सक्षम होते हैं। ये आसानी से संदिग्धों को भीड़ में भी पहचान कर तलाश लेते हैं। जिससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति को बनने से पहले काबू किया जा सकता है। एफआर कैमरे किसी भी असामान्य घटना को आसानी से पकड़ सकते हैं, उन पर तत्काल प्रतिक्रिया कर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। प्रयागराज रेल मंडल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा के लिए लगभग 650 सीसीटीवी कैमरों के साथ पहली बार 100 एफआर कैमरे भी लगाए जाएंगे। प्रयागराज शहर में आने वाले सभी 9 रेलवे स्टेशनों के आने जाने के मार्गों, आश्रय स्थल, प्लेटफार्म को भी कैमरों की नजर में रखा जाएगा। रेलवे स्टेशनों पर ये सुरक्षा के सभी उपाय के साथ दिसंबर के अंत तक लगा दिए जाएंगे। महाकुंभ की शुरूआत से पहले जनवरी में ये सभी उपकरण कार्य करने लगेंगे।

अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे राहुल : मंदिर में की पूजा, विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नगर निगम द्वारा कराये गये सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया। राहुल चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे पर उतरे और सड़क मार्ग से अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के लिए रवाना हो गए। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने सबसे पहले जिले की सीमा चुरुवा पर स्थित मंदिर में पहुंचकर हनुमान जी की पूजा की। उसके बाद उन्होंने वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। वहां से रवाना होने के बाद उनका काफिला बछरावां में भी कुछ समय के लिये रुका। इस दौरान उन्होंने जनता और कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। सूत्रों ने बताया कि राहुल हरचंदपुर और गंगागंज होते हुए शहर स्थित डिग्री कालेज चौराहे पर पहुंचे और नगर निगम द्वारा कराये गये उसके सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया। उसके बाद वह कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन पहुंचे, जहां वह 'दिशा बैठक' में हिस्सा लेंगे। राहुल अपने इस दौरे पर जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में तथा कई अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। राहुल की मां सोनिया गांधी लगातार पांच बार रायबरेली से सांसद रह चुकी हैं। इस बार उनके लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के फैसले के बाद राहुल इस सीट से चुनाव मैदान में उतरे और बड़े अंतर से जीत हासिल की। पूर्व में अमेठी और वायनाड (केरल) से सांसद रह चुके राहुल का रायबरेली के सांसद के रूप में यह पहला कार्यकाल है। हालांकि अपनी मां के लंबे समय से प्रतिनिधित्व के कारण वह पिछले कुछ वर्षों में अक्सर इस क्षेत्र का दौरा करते रहे हैं। आधिकारिक कार्यक्रम के मुताबिक, राहुल रायबरेली में नगर निगम द्वारा डिग्री कॉलेज चौराहे पर किए गए सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन करने के बाद वह पीएमजीएसवाई (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना) के तहत सड़कों की आधारशिला रखेंगे और फिर 'दिशा बैठक' में शामिल होंगे।

उपचुनाव की तारीख बदलने पर सपा-भाजपा के बीच वार-पलटवार; जयवीर सिंह ने कहा, 'ये लोग हर बात को मुद्दा बना देते हैं'

मैनपुरी, एजेंसी। भारतीय निर्वाचन आयोग ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों की तारीख 13 नवंबर से बदलकर 20 नवंबर कर दी है। इसके बाद से ही समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वार-पलटवार जारी है। इस बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह ने मैनपुरी में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा।

सपा के लोग हर बात को मुद्दा बना देते हैं। पश्चिम की दो सीटों पर भी चुनाव है। यहां एक बहुत बड़ा उत्सव है। लोग उपवास के लिए 15 दिन का समय व्यतीत करते हैं। लाखों की संख्या में उन विधानसभा क्षेत्र के लोग मतदान से वंचित हो जाते हैं। उन लोगों के अनुरोध पर ही एक सप्ताह के लिए चुनाव आगे बढ़ाया गया है। पत्रकारों के एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय स्तर का उत्सव नहीं है। स्थानीय स्तर के उत्सव के दौरान इस तरह के कई संशोधन पहले भी होते रहे हैं। धर्मेंद्र यादव का कहना है कि भाजपा ईवीएम में तिगड़म नहीं कर पाई है, इसलिए चुनाव आगे बढ़ दिया गया। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ये आरोप बेबुनियाद हैं। समाजवादी पार्टी और विपक्ष के लोग जब-जब चुनाव हारते हैं ये तब-तब हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ते हैं। जब-जब चुनाव जीत जाते हैं तो श्रेय खुद को देने का काम करते हैं, यह इनका चरित्र बन गया है।

हिन्दुओं को जातियों में बांटने की अखिलेश की कोशिश होगी नाकाम : भाजपा

देवरिया, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह ने मंगलवार को कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की हिन्दू समुदाय को जाति में बांटने की कोशिश सफल नहीं हो पायेगी। श्री सिंह ने कहा कि 'एक रहेंगे तो नेक रहेंगे' के नारे ने अखिलेश यादव की नींद उड़ा दी है।

उनकी बैचैनी का आलम यह हैं कि अब तो उनके 'नवरत्न' भी उनको सुझाव नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सब लोग जानते थे कि अखिलेश की पार्टी का नाम समाजवादी और काम समाजबाटी का है। जब जनता के बीच भेद खुल गया तो अब वे अब हिन्दुओं को जाति में बांटने का काम करने लगे। वे जनता को भ्रमित करने के लिए रोज नये नारे गढ रहे हैं, लेकिन उनकी यह कोशिश निरर्थक साबित हो रही है।'

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि एक विशेष वर्ग को खुश करने के लिए सपा के राम चरित मानस की प्रतियां जलाना, साधु सन्यासियों का अपमान, राम भक्तों पर गोली, भगवान्श्री राम को हवा में उड़ाने और मठ माफियाओं को जोड़ने के प्रयास को जनता अब जान चुकी है। उन्होंने अखिलेश पर तंज कसते हुए कहा कि जिसके लिए वो कर रहे हैं, वे भी आपके होने वाले नहीं है।

मुस्लिम धर्म गुरुओं ने मदरसा बोर्ड अधिनियम की वैधता बरकरार रखने के फैसले का स्वागत किया

लखनऊ, एजेंसी। मुस्लिम धर्म गुरुओं ने मंगलवार को वर्ष 2004 के 'उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम' की वैधता बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है। न्यायालय ने वर्ष 2004 के 'उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम' की वैधता बरकरार रखते हुये कहा कि यह धर्मनिरपक्षेता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता।

आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने एक मीडिया संस्थान से बातचीत में मदरसा अधिनियम को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हुए कहा, 'उत्तर प्रदेश मदरसा अधिनियम के सिलसिले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत है। न्यायालय ने इस कानून को असंवैधानिक करार देने के (इलाहाबाद उच्च न्यायालय के) आदेश को रद्द कर दिया है। इससे हम सबको खुशी हुई है।' उन्होंने कहा, 'जाहिर सी बात है कि जो कानून खुद सरकार ने बनाया हो वह कैसे असंवैधानिक हो सकता है। बहरहाल, इन मदरसों से हजारों लोग जुड़े हैं। उच्चतम न्यायालय के फैसले से उन्हें बहुत बड़ी राहत मिली है। अब हम लोग पूरी आजादी के साथ अपने मदरसों का संचालन जारी रख सकते हैं।' जमीयत उलमा-ए-हिंद के कानूनी सलाहकार मौलाना काब रशीदी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने संविधान की आत्मा की हिफाजत करते हुए मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम को बरकरार रखा है। यह एक बहुत बड़ा संदेश है। जमीयत उलमा-ए-हिंद इसका स्वागत करती है।

उन्होंने कहा, 'अगर सरकार यह चाहती है कि मदरसों में आधुनिक शिक्षा को लेकर कुछ और बेहतर हो तो उस पर साथ बैठ कर बात की जा सकती है लेकिन अगर वह कोई असंवैधानिक बात थोपती है तो उसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।' आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने भी मदरसा अधनियम के बारे में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'जिस तरीके से उच्चतम न्यायालय ने मदरसा अधिनियम को जायज और सही ठहराया है। हम उसका स्वागत करते हैं। मदरसों का मुल्क की आजादी में अहम किरदार रहा है। मदरसों ने हमें कई आईएएस, आईपीएस, मंत्री और राज्यपाल दिये हैं। मदरसों को शक की निगाह से देखना गलत है।'

उत्तर प्रदेश में 'क्लीन एयर मैनेजमेंट प्राधिकरण' से प्रदूषण पर लगाम

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से एक नई पहल 'उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट परियोजना' की शुरूआत की गई है। यह परियोजना वर्ष 2024-25 से 2029-30 तक चलेगी। योगी सरकार की यह पहल राज्य को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए देश में एक महत्वपूर्ण कदम है। योगी सरकार इसके लिए बाकायदा 'उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्राधिकरण' का गठन करने जा रही है, जो विभिन्न विभागों के समन्वय से वायु गुणवत्ता सुधार के कार्यों को सुनिश्चित करेगा।

इस परियोजना में विश्व बैंक से वित्तीय सहायता भी प्राप्त होगी, जो इसे सफलतापूर्वक लागू करने में सहायक सिद्ध होगी। योगी सरकार का यह कदम न केवल प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सराहनीय है, बल्कि इसे शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता बनाए रखने की दिशा में एक दीर्घकालिक योजना के रूप में भी देखा जा रहा है। पिछले साढ़े सात वर्षों में राज्य के विभिन्न शहरों ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में उच्च स्थान प्राप्त कर उत्तर प्रदेश ने सिद्ध कर दिया है कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार ठोस प्रयास कर रहा है।

'क्लीन एयर मैनेजमेंट परियोजना' का उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करने के लिए एयरशेड आधारित रणनीति अपनाना है। इस परियोजना की शुरूआत करते हुए दो दिन पहले योगी कैबिनेट ने अपनी मुहर लगाई है। इसके तहत प्रदेश के औद्योगिक, परिवहन, कृषि एवं पशुपालन, धूल और अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्रों में विभिन्न रणनीतियों और कार्यवाहियों को लागू किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

इस परियोजना के अंतर्गत वायु गुणवत्ता पर नियंत्रण रखने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे, जिनमें धूल कम करना, औद्योगिक प्रदूषण घटाना, अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करना, परिवहन क्षेत्र में कम प्रदूषणकारी ईंधन का उपयोग को बढ़ावा देना और कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में प्रदूषण के प्रभाव को कम करना शामिल है।

सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू वायु गुणवत्ता सुधार के लिए सामरिक ज्ञान और निर्णय-सहायता प्रणाली का विकास है। इसके तहत वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी साधनों और डेटा-संचालित निर्णय प्रणाली का विकास किया जाएगा। यह प्रणाली न केवल वायु प्रदूषण के आंकड़ों का संग्रह करेगी बल्कि इनके आधार पर प्रदूषण नियंत्रण के लिए तत्काल निर्णय लेने में भी सहायक होगी।

एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार को इस परियोजना के लिए विश्व बैंक से वित्तीय सहायता मिलेगी। कुल 2,741.53 रुपए करोड़ की धनराशि ऋण और अनुदान के रूप में प्राप्त होगी, जबकि 1,119.00 करोड़ रुपए की राशि कार्बन फाइनेंसिंग के माध्यम से प्राप्त होगी। इस आर्थिक सहायता से परियोजना के सभी पहलुओं का सुचारू क्रियान्वयन संभव हो सकेगा। यह सहयोग न केवल परियोजना के संचालन को आसान बनाएगा बल्कि वायु गुणवत्ता नियंत्रण की दिशा में प्रदेश को आत्मनिर्भर भी बनाएगा।

इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए योगी सरकार ने 'उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्राधिकरण' का गठन करने का निर्णय लिया है। इस प्राधिकरण में एक शासी निकाय और एक कार्यकारी निकाय होगा, जो परियोजना की योजना, क्रियान्वयन और निगरानी का कार्य करेगा। प्राधिकरण विभिन्न विभागों के साथ मिलकर एयरशेड आधारित रणनीति का पालन करते हुए वायु गुणवत्ता सुधार के कार्यों को सुनिश्चित करेगा।

परियोजना के अंतर्गत वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यवाहियां की जाएंगी। औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण घटाने के लिए प्रदूषणकारी उद्योगों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, वहीं परिवहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या को नियंत्रित करने के लिए किसानों को जागरूक किया जाएगा और पशुपालन क्षेत्र में भी प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय किए जाएंगे। धूल नियंत्रण के लिए मुख्यतः निर्माण कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्माण स्थलों पर धूल को नियंत्रित करने के उपाय किए जाएंगे और अपशिष्ट प्रबंधन के तहत कचरे के उचित निपटान के साथ-साथ पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित किया जाएगा।

एक नजर

पत्नी और तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक व्यक्ति ने पत्नी और तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। मंगलवार को मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम पहुंची और मामले की जांच में जुट गयी। पुलिस के मुताबिक भदैनी गांव में रहने वाले राजेन्द्र गुप्ता ने पत्नी नीतू (45), बेटे नवेन्द्र गुप्ता (25), सुबेंद्र गुप्ता (15) और बेटी गौरंगी गुप्ता (16) की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद वह फरार हो गया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। राजेंद्र के घर में 20 किरायेदार रहते हैं, लेकिन किसी को भी भनक नहीं लगी। स्थानीय निवासी शिवम ने बताया कि आरोपित का अपनी पत्नी से आए दिन झगड़ा होता था। वह दूसरी शादी करना चाहता था। राजेंद्र को किसी ज्योतिषि ने बताया था कि उसकी तरक्की में पत्नी नीतू बाधा बन रही है। राजेंद्र दूसरी शादी करना चाहता था लेकिन पत्नी इसका विरोध करती थी। आशंका है कि इसी वजह से उसने अपनी पत्नी और तीनों बच्चों का मारा डाला। राजेंद्र पहले भी अपने पिता और एक गार्ड की हत्या कर चुका है।

डीजीपी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली पर मंत्रिमंडल ने लगाई मुहर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद पर तैनाती के लिए नई नियमावली तैयार की है। राज्य मंत्रिमंडल ने इस पर मुहर भी लगा दी है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को अपनी एक बैठक में 'पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024' को मंजूरी दी। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक इस नियमावली का मकसद पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए एक स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र स्थापित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह चयन 'राजनीतिक या कार्यकारी हस्तक्षेप' से मुक्त हो और उत्तर प्रदेश की विशिष्ट दशाओं तथा पुलिस प्रणाली की आवश्यकताओं के अनुरूप भी हो। बयान के अनुसार डीजीपी के चयन और नियुक्ति के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी। इसमें प्रदेश के मुख्य सचिव के साथ-साथ संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित एक प्रतिनिधि, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या एक नामित प्रतिनिधि, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव और राज्य के एक सेवानिवृत पुलिस महानिदेशक सदस्य होंगे। नियमावली के मुताबिक डीजीपी का कार्यकाल न्यूनतम दो साल का होगा। इस पद पर उसी अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी जिसकी सेवा अवधि कम से कम छह महीने बची हो। नियमावली में यह भी प्रावधान किया गया है कि एक बार नियुक्ति के लिए चुने जाने के बाद डीजीपी को न्यूनतम दो साल का कार्यकाल जरूर दिया जाएगा।

जिस जमीन से लोग ताजमहल के दीदार करते हैं उस पर किसान ने दावा ठोका

आगरा, एजेंसी। आगरा में ताजमहल के निकट स्थित ग्यारह सीढ़ी पार्क को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। कछपुरा के निवासी किसान मुन्ना लाल ने दावा किया है कि इस पार्क में उनकी पुश्तैनी जमीन का एक हिस्सा है, जिस पर उन्होंने 40 वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अधिकार प्राप्त किया है। उनका कहना है कि यह जमीन उनके पूर्वजों द्वारा उपयोग की जाती थी और इसके लिए उनके पास सभी कानूनी दस्तावेज भी मौजूद हैं। मु-?ना लाल के अनुसार, उनकी जमीन पर पहले उनके पिता और चाचा खेती करते थे। लेकिन 1976 में भूमि सीलिंग के कारण यह जमीन उनके हाथ से निकल गई। इसके बावजूद, उन्होंने न्यायालय में अपने स्वामित्व का दावा किया और 1998 और 2020 में जारी दस्तावेजों में भूमि का ट्रांसफर उनके पक्ष में दर्ज किया गया है। हाल ही में, मु-?ना लाल ने पार्क के अंदर छह बीघा जमीन जोत दी है और इसे चारों ओर तार से घेरकर आम जनता की एंट्री पर बैन लगा दिया है। आगरा की मंडलायुक्त ऋतु महेश्वरी ने बताया कि यह भूमि आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। एडीए का उद्देश्य इस पार्क को एक आकर्षक मनोरंजन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करना है, जिसमें ताज महोत्सव जैसे आयोजन भी शामिल हैं। ग्यारह सीढ़ी पार्क, जो पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है, खासकर सूर्यास्त के समय ताजमहल का दृश्य देखने के लिए, अब विवादों में घिर गया है। स्थानीय पर्यटक गाइड फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव शकील चौहान ने कहा कि इस नए विवाद ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर उस समय जब ताजमहल के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं।

मदरसे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बसपा सुप्रीमो मायावती ने किया स्वागत

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक करार दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने शीर्ष अदालत के इस फैसले का स्वागत किया है। मायावती ने लिखा, मा. सुप्रीम कोर्ट द्वारा आज एक अहम फैसले में यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून-2004 को वैध व संवैधानिक करार दिए जाने के फैसले का स्वागत। इससे यूपी में मदरसा शिक्षा को लेकर उपजे विवाद व हजारों मदरसों की अनिश्चितता को अब निश्चय ही समाप्त होने की संभावना। इस पर सही से अमल जरूरी। बसपा अध्यक्ष के मुताबिक इससे अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की रक्षा होगी। आगे लिखा- मा. सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब खासकर यूपी के मदरसों को मान्यता मिलने और उनके सुचारू संचालन में स्थायित्व आने की संभावना है। अदालत ने कहा कि मदरसा एक्ट के प्रावधान संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं और ये धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं। उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम रही मायावती ने आगे कहा, इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट की 9-जजों की बेंच द्वारा हर निजी सम्पत्ति को संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत सामुदायिक सम्पत्ति का हिस्सा नहीं मानना व इसका अधिग्रहण करने से रोकने के फैसले का भी स्वागत। अब तक सरकार के पास आम भलाई हेतु सभी निजी सम्पत्तियों को अधिगृहित करने का अधिकार था।

सरसावा हवाई अड्डे से नहीं शुरू हुई उड़ानें, यात्रियों में बैचेनी

सहारनपुर, एजेंसी। सहारनपुर जिले के सरसावा हवाई अड्डे से पांच नवंबर को उड़ाने शुरू होने की घोषणा सही साबित नहीं हुई। उद्यमियों और कारोबारियों ने आज कहा कि लगता है कि इस हवाई अड्डे का उद्घाटन बिना तैयारियों के जल्दबाजी में कर दिया गया। 20 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी इस हवाई अड्डे का वर्चुअली उद्घाटन किया। तब घोषणा की गई थी कि वाराणसी, कुशीनगर, गोरखपुर, मुरादाबाद और हिंडन एयरबेस के लिए पांच नवंबर से हवाई सेवाएं शुरू हो जाएंगी। इस संबंध में जब सरसावा एयरपोर्ट के अधिकारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने इस संबंध में कोई भी स्पष्टीकरण नहीं दिया। इस हवाई अड्डे से प्राइवेट एयरलाईंस की कंपनियों के हवाई जहाज यात्रियों को गंतव्यों तक लाने-ले जाने का काम करते। अभी यह भी नहीं बताया गया है कि यहां से उड़ाने कब शुरू होंगी।

एक नजर

गोरौल में चोरों का तांडव, आधा दर्जन घरों से 10 लाख की चोरी

☐महापर्व से पहले दहशत में ग्रामीण

वैशाली,संवाददाता। वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र के रामदासपुर विनटोलिया गांव में सोमवार रात चोरों ने कहर बरपाते हुए लगभग आधा दर्जन घरों में सेंधमारी कर कीमती सामान, सोने के आभूषण और नगदी चुरा ली। इस चोरी से करीब 10 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है, खासकर गृहस्वामी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। चोरी का शिकार हुए नाथू महतो ने बताया कि अगले महीने उसकी बेटी की शादी है और शादी के लिए रखे आभूषण और नगदी भी चोरी हो गए हैं। इस घटना से वे सदमे में हैं और शादी को लेकर चिंता में डूबे हुए हैं। वहीं, ग्रामीण प्रमुख मुन्ना कुमार, विश्वनाथ राय और अन्य जनप्रतिनिधियों ने गाँव की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अब पुलिस पर भरोसा नहीं है, क्योंकि थाने में आवेदन देने के बावजूद इसे नहीं लिया गया। हालांकि, अवर निरीक्षक भृगुनाथ सिंह ने मौके पर पहुँच कर छानबीन शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि अभी आवेदन नहीं मिला है, लेकिन जांच जारी है।

छठ में भी निगम की उदासीनता से आम जनमानस हताश व निराश : जितेन्द्र चौहान

सहरसा। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर नगर निगम वासियों का उमंग-उत्साह चरम पर है।लोगों ने महापर्व में निगम प्रशासन से बेहतर व्यवस्था की आशा की थी लेकिन एक बार फिर छठ पर्व-त्यौहार में भी निराशा हाथ लगी है। निगम प्रशासन ने नगर क्षेत्र की भांति छठ के चिन्हित 63 पोखरों पर छठ घाटों को विहंगम स्वरूप महापर्व प्रदान करने हेतू लगभग 95 लाख रुपये की निविदा प्रदत्त की है। उसके वाबजूद भी सभी छठ घाटों की स्थिति जस की तस बनी हुई हैं। पूर्व महापौर प्रत्याशी जितेन्द्र चौहान ने निगम प्रशासन की नीति रवैया के प्रति घोर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि निकाय चुनाव के लगभग दो वर्ष बीत जाने के वावजूद भी निगम प्रशासन जनभावनाओं एवं जनआंकांक्षाओं को चकनाचूर कर नजर अंदाज कर आमजनों को आहत कर रही है। दि?पावली जैसे प्रमुख पर्व में भी निगम प्रशासन के व्यवस्था से आम लोग आहत है। आस्था का महापर्व छठ में करोड़ो रुपए की राशि वहन करने वावजूद छठ घाट की साफ-सफाई, रौशनी, चुना, सीचिंग पाउडर, चजिंग रूम एवं खेळा, बेरिकेटिंग एवं चेतावनी काले बैनर जैसे मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं किया जा रहा है। जिससे आमलोग आक्रोशित है और निगम प्रशासन पर सवाल खड़ा कर रहे है कि आखिर किस आधार पर निगम प्रशासन ने निविदा को स्वीकृति प्रदान की है और किसके इशारे पर निविदा प्रदत्त एजेंसी सहरसा वासियों के साथ भद्?दा मजाक कर सरकारी एजेंसी के उपयोग करने के फिराक में हैं। अगर निगम प्रशासन अपने अव्यवहारिक व असामाजिक जनविरोधी नीति में सुधार नहीं लाती है तो पूर्व की भांति नगिर निगम के भ्रष्ट्राचार मुक्त समुचित विकास के लिए सहरसा की सड़को पर निगम वासियों के सहयोग से जन कांति की हुंकार भरी जाएगी।

पीएम गति शक्ति योजना के तहत 158 करोड़ की परियोजना मंजूर : दिनेश चंद्र यादव

सहरसा। सहरसा जंक्शन को वर्ल्ड क्लास स्टेशन के रुप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए 44 करोड़ की लागत सें अत्याधुनिक यात्री सुविधा से युक्त नये भवन निमार्णाधीन की प्रक्रिया पूर्ण होने वाला है। छठ के मद्देनजर सभी दिशा में जाने के लिए प्रयाप्त स्पेशल ट्रेन उपलब्ध कराई गई है। वही सहरसा मे दक्षिण भारत सहित लंबी दूरी ट्रेन का परिचालन हेतु वाशिंग पीट निमार्णाधीन है।जिसे पुर्ण होते ही यात्रियों को विशेष सुविधा होगी। उक्त बातें सासंद दिनेश चंद्र यादव ने कही।सहरसा रेलवे जंक्शन में यात्री सुविधाओं सहित अन्य सुविधाओं में बड़ी उपलब्धि हासिल होने पर सांसद दिनेश चंद्र यादव ने मंगलवार को अपने आवास पर संवाददाताओं को इसकी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत सहरसा स्टेशन के मूलभूत सुविधाओं के बढोत्तरी के लिए 158 करोड़ की लागत से विभिन्न परियोजनाओं को मंजूर किया गया है। प्रधानमंत्री के बिहार के कार्यक्रम के दौरान इसका शिलान्यास भी संभव है।उन्होंने कहा कि अब यहां से लंबी दूरी की ट्रेनों के रवाना होने में कठिनाई नहीं होगी।सहरसा स्टेशन से सभी ओर की ट्रेनों का संचालन हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं के पूर्ण होने के बाद यात्री सुविधाओं में काफी बढ़ोतरी होगी एवं समस्याओं का निदान हो जाएगा।वही बंगाली बाजार ढ़ाला पर लगने वाले जाम को काफी कम करने के लिए इस योजना के तहत व्यवस्था की गयी है।उन्होंने बताया कि 20 कोच वाली मेमू, डेमू टर्मिनेटिंग ट्रेनों के लिए दो पूर्ण लंबाई वाले आइलैंड पीएफ एवं दो डोक वाले प्लेटफार्म सह अतिरिक्त लाइन के चालू होने के बाद वर्तमान आवश्यकता एवं अनुमानित यातायात पूरा होगा।

भागलपुर और नालंदा में छठ घाट की सफाई के दौरान डूबने से 5 की मौत

☐परिजनों में मचा कोहराम

पटना/भागलपुर/नालन्दा,संवाददाता। लोकआस्था के महापर्व छठ की मंगलवार को शुरूआत हो चुकी है। इस दौरान भागलपुर में एक दर्दनाक हादसा हो गया जहां छठ घाट की सफाई के दौरान तीन लोगों की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार, यह घटना बड़ी मोहनपुर दियारा क्षेत्र की है जहां एक ही परिवार के चार बच्चे गंगा तट पर छठ की सफाई और स्नान करने गए थे। इसी क्रम में एक बच्चा नदी की तेज धारा में डूबने लगा। इसी क्रम में अन्य तीन बच्चे उसे बचाने के लिए पानी के तेज बहाव में पहुंच गए।

इस घटना में एक बच्चे को तो किसी तरह बचा लिया गया लेकिन तीन बच्चों की मौत हो गयी। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में मौसम कुमारी, जीतन कुमार और आशुतोष कुमार शामिल हैं। पुलिस ने सभी शवों को गंगा से बरामद कर लिया है। कहलगांव के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अर्जुन कुमार गुप्ता ने बताया कि हादसे में कुल चार बच्चे डूबे थे। तीन को अस्पताल लाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। बताया गया कि जीतन कुमार अपनी बुआ के घर छठ पर्व मनाने आया था और मंगलवार को अन्य बच्चों के साथ घाट पर सफाई करने के क्रम में यह हादसा हो गया। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इधर, स्थानीय लोगों ने छठ घाट पर सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। उधर, नालंदा के नूरसराय थाना क्षेत्र के चंडासी गांव में ग्रामीणों के साथ छठ घाट साफ कर रहे एक किशोर स्नान के दौरान तालाब में डूब गया। ग्रामीण बच्चे को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक हिलसा थाना क्षेत्र के इंदौत गांव निवासी राजेश कुमार का 12 वर्षीय पुत्र अनमोल कुमार है। वह अपनी नाली हाल में रहकर पढ़ाई करता था। थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

हिलसा थाना क्षेत्र के पूना गांव में पोखर में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक स्व कृष्ण नयन प्रसाद का 35 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार है। परिजनों ने बताया कि खेत देखने के लिए गए थे इसके बाद वापस घर नहीं लौटे काफी देर को जाने के बाद जब परिजन खोजबीन किया तो पोखर के समीप उनका गमछा रखा हुआ था। इसके बाद गोताखोर की मदद से शव को पोखर से बाहर निकाला गया। हिलसा थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कर कर परिजनों को सौंप दी गई है।

मुख्यमंत्री ने मौलाना अबुल कलाम आजाद स्मृति पार्क का किया निरीक्षण

☐निर्माण जल्द पूर्ण करने का निर्देश

पटना,संवाददाता। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित नेहरू पथ पर निमार्णाधीन भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद स्मृति स्मारक पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 11 नवम्बर से पहले पार्क का निर्माण कार्य पूरा किया जाए, जो मौलाना आजाद की जयंती के साथ मेल खाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पार्क में मौलाना आजाद के आजादी में योगदान, उनके व्यक्तित्व और कार्यों को दशार्ने के लिए जानकारी अंकित की जाएगी ताकि लोगों को उनके योगदान से अवगत कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क के पीछे के रास्ते को सुधारने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, डॉ० सिद्धार्थ, सचिव श्री कुमार रवि और अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

छठ पूजा : दुबई जाने से भी महंगा हुआ बिहार आना

नई दिल्ली/पटना,दीपक कुमार तिवारी। दीपावली के बाद छठ पूजा के लिए लोग अपने घरों को जा रहे हैं, जिससे फ्लाइट के टिकटों की कीमतें आसमान छू रही हैं। बिहार और झारखंड जाने के लिए लोगों को दुबई, मलेशिया जैसे देशों से भी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों से पटना और दरभंगा जाने के लिए टिकट 18,000 रुपये तक बिक रहे हैं। त्योहारों के सीजन में ट्रैवल की मांग बढ़ने से टिकटों की कीमतों में बढ़ोतरी होना आम बात है। लेकिन, इस बार यह बढ़ोतरी सामान्य से कहीं ज्यादा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और सूरत जैसे शहरों से बिहार और झारखंड जाने वाली फ्लाइट्स के टिकटों की कीमतों में भारी उछाल आया है। ट्रैवल एजेंट राकेश अरोड़ा का कहना है, 'त्योहारों के समय किराए बढ़ते हैं, यह सामान्य है, लेकिन इस साल यह बढ़ोतरी बहुत ज्यादा है। दिल्ली और मुंबई से पटना और दरभंगा जाने के लिए हवाई जहाज का टिकट 13 हजार रुपये से 18 हजार रुपये तक बिक रहा है। यही हाल सूरत से पटना जाने वालों का भी है, जहां 4 से 6 नवंबर के बीच यात्रा करने के लिए उन्हें मोटी रकम चुकानी पड़ रही है। हैरानी की बात यह है कि इतनी कीमत में लोग दुबई, मलेशिया, बैंकॉक और सिंगापुर जैसे देशों की यात्रा कर सकते हैं। इन देशों के लिए हवाई टिकट 10 हजार रुपये से 20 हजार रुपये के बीच उपलब्ध हैं। छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। इस त्योहार पर लाखों लोग अपने घर जाते हैं। इस दौरान ट्रेनों में जगह मिलना मुश्किल हो जाता है। कई बार टिकट दलाल भी मोटी कमीशन लेकर भी कन्फर्म टिकट नहीं दिला पाते।

स्वेक्षा से अतिक्रमण हटाने का निर्देश

मोतिहारी,संवाददाता। मोतिझील के किनारे नये सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। इस निर्माण कार्य में बाधक बने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस लिया है। साथ ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी करते हुए अतिक्रमण स्वेक्षा से हटा लेने का निर्देश दिया है।

अगर स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया तो जुमार्ना वसूलने के साथ अतिक्रमण बल पूर्वक हटाया जाएगा। इस संबंध में बताया गया है कि मौजा-बेलबनवा, थाना नं0-167 एवं मौजा म्यूनिसिपिल्टी, थाना नं0-122 में नए सड़क एवं सड़क से मिलने वाली पुरानी लिंक सड़क का पैमाइस कराया गया। पैमाइस के बाद मौजा म्यूनिसिपिल्टी में सम्पर्क पथ खेसरा सं0-974, 975, 976 एवं 977 की भूमि के अतिक्रमणकारियों (1) राजेश्वर प्रसाद सिंह, पिता सुर्य प्रसाद सिंह, (2) संजीव कुमार सिंह, पिता स्व जगत नारायण सिंह तथा सम्पर्क पथ के खेसरा सं0-1191, 1192, 1193 के भूमि के अतिक्रमणकारियों (1) विद्यावती देवी, पति अशोक कुमार सिंह, (2) उषा देवी, पति रत्नेश्वर कुमार, (3) प्रमोद प्रसाद गुप्ता, (4) योगेन्द्र किशोर, पिता स्व० जनक प्रसाद, (5) सत्यनारायण प्रसाद गुप्ता, पिता स्व० रामचन्द्र प्रसाद, (6) सुमन कुमार, पिता स्व० जनक प्रसाद, (7) सुयश कुमार, पिता सुबोध कुमार सिन्हा, (8) हरेन्द्र प्रसाद गुप्ता, पिता स्व० जयकिशोर प्रसाद, (9) राजन कुमार, (10) प्रमोद गुप्ता, पिता स्व० लालजी प्रसाद गुप्ता, (11) प्रमोद केसरी के साथ ही मौजा बेलबनवा, थाना नं0-167 अंतर्गत मोतिझील के खेसरा सं0-859 के अतिक्रमणकारियों-(1) नन्दलाल राय, पिता देवराज राय, (2) संजीव कुमार सिंह, पिता स्व० जगतनारायण सिंह, (3) निलेश रंजन व मनिष रंजन, पिता स्व० नागेन्द्र प्रसाद, (4) सत्यनारायण प्रसाद गुप्ता, पिता स्व० रामचन्द्र प्रसाद, (5) सुमन कुमार, पिता जनक प्रसाद, (6) शैलेन्द्र शरण उर्फ शेठ जी, (7) दिपक जायसवाल (8) शैलेन्द्र चौधरी, पित्रा भारत भूषण चौधरी वगैरह (9) अनील कुमार साह, पिता मथुरा साह, (10) उत्कर्ष राज, पिता स्व० रामकुमार श्रीवास्तव को अतिक्रमण खाली कराने के लिए अंचलाधिकारी, सदर मोतिहारी के द्वारा द्वितीय नोटिस का तामिला कराया जा चुका है। निर्धारित समयावधि में अतिक्रमणकारियों द्वारा स्वयं अतिक्रमण नहीं खाली किया जाता है, तो जिला प्रशासन बल पूर्वक अतिक्रमण खाली करायेगी तथा अतिक्रमणकारियों से नियमानुसार दण्ड की भी वसूली करेंगी।

छठ पर्व के गीतों से घर-घर पहुंची बिहार कोकिला शारदा सिन्हा की आवाज

पटना। लोक गायिका शारदा सिन्हा का आज दिल्ली में देहांत हो गया। लोकगीतों के जरिए पहचान बनाने वाली बिहार की लोकप्रिय गायिका शारदा सिन्हा का जन्म 01 अक्टूबर 1952 को बिहार में सुपौल जिले के हुलास में हुआ था। उनका ससुराल बेगूसराय जिले के सिहामा गांव में है। उन्होंने मैथिली लोकगीत गाकर अपने करियर की शुरूआत की।छठ गीतों की पहचान बनीं शारदा सिन्हा को बिहार की लता मंगेशकर की संज्ञा दी जाती थी। छठ पर्व को उनके गानों के बिना अधूरा सा समझा जाता है। शारदा सिन्हा को बिहार कोकिला, बिहार की कोयल कहा जाता था। शारदा सिन्हा ने "विवाह गीत", "छठ गीत" जैसे कई क्षेत्रीय गीत गाए हैं। 1991 में उन्हें संगीत में उनके योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार मिला। उन्हें 2018 में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

शारदा सिन्हा भोजपुरी, मैथिली, मगही और हिन्दी में गाती हैं। प्रयाग संगीत समिति ने इलाहाबाद में बसंत महोत्सव का आयोजन किया, जहां सिन्हा ने वसंत ऋतु की थीम पर आधारित कई गीत प्रस्तुत किए। जहां लोक गीतों के माध्यम से वसंत के आगमन का वर्णन किया गया। वह छठ पूजा उत्सव के दौरान नियमित रूप से प्रस्तुति देती हैं। जब मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम बिहार आये तो भी उन्होंने प्रस्तुति दी। शारदा सिन्हा ने हिट फिल्म मैंने प्यार किया (1989) में "काहे तोसे सजना", बॉलीवुड फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर पार्ट-2 से "तार बिजली" और बॉलीवुड फिल्म चारफुटिया छोकरे से "कौन सी नगरिया" गाना भी गाया। छठ का पर्याय रहीं लोक गायिका शारदा सिन्हा एक दशक बाद 2016 में छठ पर दो नए गीत लेकर आई थी। भक्ति गीतों का उनका आखिरी एल्बम 2006 में रिलीज हुआ था। सुपावो ना मिले माई और पहिले पहिल छठी मैया जैसे गीतों के साथ, शारदा लोगों से छठ के दौरान बिहार आने का आग्रह कर रही हैं। त्योहार के दौरान बजाए जाने वाले अन्य छठ गीतों में केलवा के पात पर उगलन सूरज मल झाके झुके, हे छठी मईया, हो दीनानाथ, बहंगी लचकत जाए, रोजे रोजे उगेला, सुना छठी माई, जोड़े जोड़े सुपावा और पटना के घाट पर शामिल हैं। हालांकि शारदा जी के ये गीत पुराने हैं लेकिन छठ पर्व आते ही प्रासंगिक हो जाते हैं और भक्तों की जुबान पर छा जाते हैं। छठ पर शारदा सिन्हा के आखिरी एल्बम, आराग में आठ गाने थे। अपने पूरे करियर में उन्होंने टी-सीरीज, एचएमवी और टिप्स द्वारा जारी नौ एल्बमों में 62 छठ गीत गाए हैं।

बांका में ट्रेन के आगे 5 साल के बेटे को लेकर कूदी मां, दोनों की मौत

बांका,संवाददाता। बिहार के बांका में एक महिला अपने पांच साल के बेटे को लेकर ट्रेन के आगे कूद गई. सोमवार (04 नवंबर) को हुई इस घटना में दोनों की मौत हो गई। मंगलवार (05 नवंबर) की सुबह दोनों का शव बरामद किया गया। घटना कटोरिया थाना क्षेत्र के पपरेवा कला जंगल के तेलिया बांध के समीप की है। मृतक महिला और बच्चे की पहचान कटोरिया थाना क्षेत्र के उदयपुरा ग्राम निवासी राजेश यादव की पत्नी सुनीता देवी एवं पांच वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में महिला के पति राजेश यादव ने बताया है कि सोमवार को घर में उसकी मां और पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कुछ कहासुनी हुई थी। इसके बाद वे और उसकी मां खेत पर चले गए थे. इसी बीच उसकी पत्नी बेटे को साथ लेकर घर से निकल गई थी। बहियार से घर आने के बाद जब दोनों को घर पर नहीं पाया तो आसपास काफी खोजबीन की गई, लेकिन दोनों का कहीं कुछ पता नहीं चला। मंगलवार की सुबह जब कुछ ग्रामीणों ने दोनों के शव को रेलवे ट्रैक पर देखा तो शोर मचाया. इसके बाद उन लोगों को इस घटना की जानकारी हुई।

उधर घटना की सूचना के बाद देखते ही देखते आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर कटोरिया थाने की पुलिस पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बांका भेजा। बताया जा रहा है कि महिला अपने पति राजेश यादव की दूसरी पत्नी थी। वहीं राजेश यादव की पहली पत्नी से एक बेटा (22 वर्ष) और एक बेटी (14 वर्ष) है। राजेश यादव की पहली पत्नी का निधन हो गया तो कटोरिया थाना क्षेत्र के सलैया गांव की सुनीता से फिर दूसरी शादी की थी। इस घटना की पुष्टि बेलहर एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने की है। कहा है कि घरेलू विवाद में ही महिला ने अपने पुत्र के साथ आत्महत्या की है। घटना की सूचना के बाद कटोरिया थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं कटोरिया थानाध्यक्ष अरविंद कुमार राय ने बताया कि घटना की सूचना उन्हें मंगलवार की सुबह 7:30 बजे मिली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों ने आवेदन देने की बात कही है।

भतीजे ने चाची को बीच सड़क पर तलवार से काट डाला

अररिया,संवाददाता। भतीजे ने अपनी चाची को बीच सड़क तलवार से काट डाला। नरपतगंज में फतेहपुर पंचायत के झरकाहा गांव की घटना है। इस हत्याकांड में आरोपी पारस कुमार ने मामूली विवाद के बाद अपनी चाची ललिता देवी पर तलवार से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, घटनास्थल पर ही बाइक और हत्या में इस्तेमाल तलवार को छोड़ गया।

मृतका ललिता देवी के पति विनोद यादव पंजाब में मजदूरी करते हैं और परिवार उन्हीं की कमाई पर निर्भर है। मृतका के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। बताया जा रहा है कि ललिता देवी और उनके भतीजे के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। घटना के दिन भी दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद आरोपी पारस कुमार गुस्से में आ गया और उसने अपनी चाची पर हमला कर दिया। आरोपी ने घर के पास ही मुख्य सड़क पर ललिता देवी पर तलवार से ताबड़तोड़ वार किया। हमले के बाद ललिता देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हत्या की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सैकड़ों की तादाद में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर नरपतगंज थानाध्यक्ष कुमार विकास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए ऋछ टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए। थानाध्यक्ष कुमार विकास ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते भतीजे द्वारा चाची की हत्या का मामला आया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

चरण सिंह

विचार

जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश और समाज की चिंता करनी होगी !

जब बीजेपी नेताओं से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के नारे के बारे में पूछा जाता है तो वे लोग हिन्दू मुस्लिम एकता की बात करते हैं। समाज को एकजुट करने की बात करते हैं। जबकि जगजाहिर हो चुका है कि योगी आदित्यनाथ ने यह नारा किस मकसद से दिया है। झारखंड विधानसभा चुनाव में भी योगी आदित्यनाथ ने फिर से यह नारा दोहराया है। उनका कहना था कि जब जब जातियों में बंटे हैं तब तब निर्ममता से कटे हैं। उन्होंने हेमंत सोरेन के मंत्री आलमगीर को झारखंड का लुटेरा बताते हुए कहा कि औरंगजेब देश को लूटता था और आलमगीर ने झारखंड को लूटा है। दरअसल योगी आदित्यनाथ के इस नारे का दूर दूर तक देश और समाज से कुछ लेना देना नहीं है। उनका यह नारा हिन्दुओं एकजुट करने को लेकर है। वह भी वोटबैंक के लिए। वह चाहते हैं कि हिन्दू धर्म के लोग एकजुट होकर बीजेपी को वोट दें। क्या योगी आदित्यनाथ या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धर्म के नाम पर हिन्दुओं का दूसरे धर्मों से हटकर कुछ भला कर सकते हैं ? उत्तर हर जगह न में ही आएगा। क्योंकि संविधान में एक वर्ग की उपेक्षा कर दूसरे पर मेहरबान होना अपराध की श्रेणी में आता है।

दरअसल बीजेपी हिन्दुओं को एकजुट कर उनका वोट हासिल करना चाहती है तो कांग्रेस समेत दूसरे दल जातिगत समीकरण बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पीडीए बना लिया है। वह बात दूसरी है कि पिछड़ों में यादव परिवार के साथ पार्टी के स्थापित नेताओं के बच्चों को बढ़ाया जा रहा है। मतलब पार्टी में ही जो जातियों के नेता हैं उनको ही पीडीए में बांटकर अपने कार्य की इतिश्री कर दी है। एक भी नेता किसी भी वर्ग से आगे नहीं बढ़ाया है। इसमें दो राय नहीं कि जातिगत आंकड़ों के आधार पर चुनाव लड़े जा रहे हैं। कोई दल किसी समाज के लिए कुछ करने के लिए तैयार नहीं। यही वजह है कि जाति और धर्म के आधार पर नेताओं की भरमार है। देश और समाज का नेता बनने को तैयार नहीं।

आज के नेताओं के सामने प्रश्न है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया, लोकनायक जयप्रकाश, आचार्य नरेन्द्र देव, पंडित जवाहर लाल नेहरू, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे सरीखे नेता क्या जाति और धर्म के आधार पर लड़ रहे थे ? क्या सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, खुदीराम बोस, सुभाष चंद्र बोस जैसे क्रांतिकारियों ने कभी इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया था। क्या ये लोग किसी धर्म और जाति के लिए लड़े थे ? क्या देश के आजाद हुए बिना कोई प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बन सकता था ? सांसद और विधायक बन सकता था ? नहीं न। तो फिर इन नेताओं को जाति और धर्म के आधार पर लोगों को बांटने का क्या अधिकार है?

योगी आदित्यनाथ का बटेंगे को कटेंगे का नारा देश के लिए नहीं बल्कि हिन्दुत्व के लिए है। अखिलेश यादव का पीडीए का नारा वोटबैंक के लिए है। ऐसे ही कांग्रेस जातिगत जनगणना की पैरवी वोट के लिए कर रही है। ये सभी नेता और दल जो भी काम कर रहे हैं वह सत्ता और अपनी पार्टी के लिए और अपने लिए कर रहे हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि दल भी जाति और धर्म के आधार पर बंट जाएंगे। लोग भी बांट दिये जाएंगे तो फिर देश और समाज की चिंता कौन करेगा ? भाईचारे की बात कौन करेगा ? हिन्दू मुस्लिम एकता की बात कौन करेगा ? यदि इन नेताओं को सब कुछ वोटबैंक के लिए करना है तो फिर इनके हाथों में सत्ता क्यों सौंपी जाए। देश की सत्ता ऐसे लोगों के हाथों मे आनी चाहिए जो देश और समाज की चिंता करने वाले हों।

डिजिटल अरेस्ट होने का रहस्य?

-डॉ. अनिल कुमार निगम-

आज भारतीय समाज में डिजिटल अरेस्टि बहुत बड़ी समस्यो बन कर उभरी है। यह साइबर क्राइम का नया स्वसरूप है। पिछले कुछ महीनों से लोग बहुत तेजी से इसकी चपेट में आए हैं। हैरानी की बात यह है कि डिजिटल अरेस्टे का सबसे ज्याहदा शिकार पढ़े-लिखे लोग मसलन डॉक्टार, अधिकारी, व्यअवसायी, रिटायर्ड अधिकारी और सेना के अधिकारी हो रहे हैं। यह समस्यार इतनी गंभीर होती जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी डिजिटल अरेस्टे के बारे में लोगों से सावधान रहने का आग्रह करना पड़ा।

इस गंभीर होती समस्या में दो बातें अत्यीत महत्वलपूर्ण हैं। पहला यह कि ज्या दातर पढ़े-लिखे लोग ही इसका शिकार क्योां हो रहे हैं? दूसरा, आखिरकार स्कैमर्स को लोगों का एकदम सटीक डेटा मिल कहां से रहा है? यह मामला इतना गंभीर है कि पिछले तीन महीने में केवल दिल्लीी-एनसीआर में डिजिटल अरेस्टह के 600 से अधिक मामले चुके हैं। इनमें लगभग 400 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी हुई है। ये सभी पंजीकृत मामले हैं। देश भर में रिपोर्टेड और अनरिपोर्टेड मामलों की संख्याड बहुत अधिक है।

हम सभी को यह समझने की जरूरत है कि डिजिटल अरेस्ट होता क्याट है? दरअसल, डिजिटल अरेस्ट एक तरह का साइबर फ्रॉड होता है जिसमें धोखेबाज आपको अज्ञात नंबर से फोन या वीडियो कॉल करके पुलिस या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या आयकर विभाग का अधिकारी बनकर धमकाता है और आपसे पैसे ऐंठने की कोशिश करता है। वह आपको बताता है कि आप किसी अपराध में शामिल हैं अथवा संलिप्तक हैं। वह आपसे पैसे की डिमांड करता है और कहता है कि अगर आप पैसे नहीं देते तो आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्कैआमर इस दौरान फोन कॉल डिसकनेक्टि नहीं करने देता और एक तरीके से वह आपको आपके घर या कार्यालय में ही डिजिटल अरेस्ट् कर लेता है। वह आपको डराता है और कहता है कि आपके खिलाफ वारंट जारी हो चुका है या आपकी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। वह इस तरीके से फोन कॉल पर ही दबाव डालता है कि मामले को रफा-दफा करने के नाम से आपसे ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं।

सबसे अहम सवाल यह है कि फ्रॉड करने वाले इन स्कैतमर्स को आपका सटीक डेटा मिलता कहां से है? ऑनलाइन स्कैमर्स, लोगों का डेटा कई तरीकों से हासिल करते हैं। फिशिंग ई-मेल या वेबसाइट स्कैमर्स, ई-मेल या एसएमएस के जरिए फिशिंग लिंक भेजते हैं। ये लिंक क्लिक करने पर, यूजर फेक वेबसाइट पर पहुंच जाता है। वहां से स्कैमर्स, लोगों की जानकारी चुरा लेते हैं। स्कैमर्स, मोबाइल डिवाइस को मालवेयर से संक्रमित कर सकते हैं। इससे, डिजिटल वॉलेट ऐप से सीधे भुगतान जानकारी चुराई जा सकती है। स्कैमर्स, असली ऐप या वेबसाइट की तरह दिखने वाले नकली ऐप या वेबसाइट बनाते हैं। लोग कई बार ऐसे ऐप को अपने डिवाइस पर अनजाने में डाउनलोड कर लेते हैं। आज सोशल मीडिया का जमाना है और स्कैमर्स, सोशल इंजीनियरिंग हमलों का इस्तेमाल करके, यूजर को भुगतान डेटा साझा करने के लिए धोखा देते हैं। इसके अलावा स्कैमर्स, यूजर के डिवाइस और भुगतान टर्मिनलों के बीच संचार को बाधित करते हैं। उसके साथ ही वे भुगतान डेटा पर कब्जा कर लेते हैं।

कई बार ऐसा होता है कि हम सार्वजनिक स्था नों पर असुरक्षित वाई-फाई का इस्तेमाल कर लेते हैं। फ्राड करने वाले इसी दौरान हमारे डिवाइस पर ऐक्सेसरस लेकर हमारा डाटा चुरा लेते हैं। दूसरा अहम सवाल यह है कि पढ़े लिखे लोग भी स्कैमर्स के जाल में क्यों फंसते हैं?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

जल-घुलनशील उर्वरकों जैसे पर्यावरण के अनुकूल और कुशल उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने वाली नीतियों और सब्सिडी को मजबूत किया जाना चाहिए। जल-घुलनशील उर्वरकों को अन्य टिकाऊ कृषि पद्धतियों, जैसे फसल चक्रण, कार्बनिक पदार्थ समावेशन और जल प्रबंधन तकनीकों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। जल-घुलनशील उर्वरक मक्का चारा उत्पादन में पारंपरिक उर्वरकों के लिए एक टिकाऊ और कुशल विकल्प का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे उर्वरक उपयोग दक्षता में सुधार करते हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य को बहाल करते हैं और गुणवत्ता से समझौता किए बिना उच्च चारा उपज सुनिश्चित करते हैं।

पानी में घुलनशील उर्वरक: पर्यावरण के अनुकूल और फसल उत्पादकता में सुधार की कुंजी

पानी में घुलनशील उर्वरक-उर्वरक का उपयोग दक्षता बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य को बहाल करने और मक्का जैसी चारा फसलों में उच्च पैदावार को बनाए रखने के लिए एक प्रमुख कृषि-अवरोध के रूप में उभरा है। पारंपरिक उर्वरक अक्सर असमान पोषक तत्व वितरण, खराब फसल प्रतिक्रिया और पर्यावरणीय नुकसान का कारण बनते हैं। इसके विपरीत, पानी में घुलनशील उर्वरक एक संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करते हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं और फोरेज में नाइट्रेट संचय जैसे मुद्दों को रोकते हैं, जो पशुधन को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

चारा उत्पादन में उर्वरक आवेदन महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यह चुनौतियों के साथ आता है। मक्का के चारे में बायोमास और कच्चे प्रोटीन को बढ़ाते हुए, नाइट्रोजन-भारी उर्वरकों के परिणामस्वरूप नाइट्रेट संचय हो सकता है, जो पशुधन को नुकसान पहुँचा सकता है। प्रभावी उर्वरक उपयोग संतुलित पोषक तत्वों की आपूर्ति, फसल प्रतिक्रिया में सुधार और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करता है। अंधाधुंध उर्वरक आवेदन के कारण फसल की पैदावार खराब हो सकती है, मिट्टी के स्वास्थ्य का क्षरण और प्रदूषण हो सकता है।

क्षेत्र परीक्षण पोषक तत्वों की आपूर्ति, पोषक तत्वों का उपयोग दक्षता और फसल प्रतिक्रियाओं में पर्याप्त परिवर्तनशीलता को प्रकट करते हैं। क्षेत्रों में इस तरह की विसंगतियाँ समग्र चारा उत्पादकता को प्रभावित करती हैं। इन अक्षमताओं का मुकाबला करने के लिए, विशिष्ट क्षेत्र विशेषताओं के अनुरूप सटीक पोषक तत्व और फसल प्रबंधन आवश्यक है। मिट्टी और उर्वरक वितरण के प्रबंधन के लिए ज्ञान-गहन दृष्टिकोण चारा उत्पादन में परिणामों में काफी सुधार कर सकते हैं।

पानी में घुलनशील उर्वरक पौधों के लिए बेहतर पोषक तत्वों की पेशकश करके एक आशाजनक समाधान प्रदान करते हैं। ये उर्वरक पूरी तरह से पानी में घुलनशील होते हैं और एक कम नमक सूचकांक होता है, जिससे उन्हें पर्ण स्प्रे के रूप में या सिंचाई के माध्यम से आवेदन करना आसान हो जाता है। विभिन्न एनपीके योगों (जैसे, 19-19-19) में उपलब्ध, पानी में घुलनशील उर्वरकों में सल्फर और जस्ता जैसे द्वितीयक पोषक तत्व भी होते हैं। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि पोषक तत्व पर्यावरणीय कारकों जैसे लीचिंग, कटाव या वाष्पीकरण से प्रभावित बिना फसलों के लिए उपलब्ध रहें।

पानी में घुलनशील उर्वरक पोषक तत्वों की अपव्यय को रोककर पोषक तत्वों के उपयोग दक्षता में सुधार करते हैं। उदाहरण के लिए, अनुशंसित उर्वरक खुराक के लगभग 25-30% को पानी में घुलनशील उर्वरकों के माध्यम से बचाया जा सकता है, किसानों के लिए इनपुट लागत को कम करते हुए, इनपुट लागत को कम करते हुए। ये उर्वरक मिट्टी में नमक संचय में योगदान नहीं करते हैं, लंबी अवधि में मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं। पानी में घुलनशील उर्वरकों का उपयोग विभिन्न प्रकार के क्षेत्र की स्थितियों में किया जा सकता है और एक कुशल, संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करता है, जिससे उच्च चारा पैदावार और चारा की पोषण गुणवत्ता में सुधार होता है।

जबकि पानी में घुलनशील उर्वरक कई लाभ प्रदान करते हैं, पोषक तत्व अधिभार का खतरा होता है यदि वे ओवरएप्ड या अनुचित रूप से पतला होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप फाइटोटॉक्सिक चोट (पौधे की क्षति) हो सकती है। यह सही खुराक और अनुप्रयोग तकनीकों को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक निगरानी और प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कृषी विगण केंद्र, बरनाला द्वारा किए गए फील्ड ट्रायल ने मक्का चारा उत्पादन में पानी में घुलनशील उर्वरकों (एनपीके 19-19-19) की प्रभावशीलता का आकलन किया। अध्ययन ने तीन उर्वरक प्रबंधन प्रथाओं की तुलना कीः किसान का अभ्यास, उर्वरक की खुराक (आरडीएफ) और पानी में घुलनशील उर्वरकों पर फोलियर अनुप्रयोग।

परीक्षणों से पता चला कि 75% आरडीएफ के साथ संयुक्त, 1% एकाग्रता में पानी में घुलनशील उर्वरकों के पर्ण आवेदन, मक्का के पौधे की वृद्धि (ताजा और शुष्क वजन) और हरे रंग की चारा की उपज में काफी वृद्धि हुई है। पारंपरिक प्रथाओं की तुलना में चारे की पोषण गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

पानी में घुलनशील उर्वरक लीचिंग को कम करते हैं, प्रमुख पोषक तत्वों (एन, पी, के) और नाइट्रोजन वाष्पशीलकरण के अपवाह हानि को कम करते हैं, जो कम उत्पादन लागत में अनुवाद करता है और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है।

कम पोषक तत्व अपव्यय और बेहतर दक्षता के परिणामस्वरूप किसानों के लिए कम वित्तीय बोझ में, विशेष रूप से उर्वरक लागत के मामले में। इजराइल, जो अपने जल-कुशल कृषि प्रथाओं के लिए जाना जाता है, ने उर्वरक के उपयोग को उर्वरक के उपयोग का उपयोग किया है, जो उर्वरक आवेदन के साथ सिंचाई को एकीकृत करता है। पानी में घुलनशील उर्वरकों को सिंचाई के पानी में भंग कर दिया जाता है और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से सीधे रूट जोन तक पहुँचाया जाता है।

ऑस्ट्रेलियाई किसान एक संतुलित पोषक तत्व प्रोफाइल प्राप्त करने के लिए जैविक और धीमी गति से रिलीज उर्वरकों के साथ पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को जोड़ते हैं। जापान नियंत्रित-रिलीज पानी में घुलनशील उर्वरकों को विकसित करने में सबसे आगे रहा है, जो पोषक तत्वों को धीरे-धीरे लंबी अवधि में जारी करने की अनुमति देते हैं। यूरोप में, विशेष रूप से नीदरलैंड जैसे देशों में, स्थायी कृषि प्रमाणन योजनाएँ पर्यावरण के अनुकूल खेती प्रथाओं के साथ संयोजन में पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करती हैं।

किसानों को पानी में घुलनशील उर्वरकों के लाभों और उचित आवेदन के तरीकों के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है। मिट्टी के परीक्षण और पोषक तत्वों की मानचित्रण जैसी सटीक खेती तकनीकों को पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करता है कि पोषक तत्व प्रबंधन विशिष्ट क्षेत्र की स्थितियों के अनुरूप है, अपव्यय को कम करता है और फसल प्रतिक्रियाओं में सुधार करता है। चल रहे शोध को नए जल-घुलनशील उर्वरकों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो विभिन्न फसलों और पर्यावरणीय परिस्थितियों को पूरा करते हैं।

सूर्य की उपासना का महापर्व - छठ पर्व

■ "छठ महापर्वः सूयोर्पासना का अनोखा पर्व" ■ "प्रकृति और भक्ति का संगमः छठ पूजा" ■ "सूर्य की उपासना से जीवन में सुख और समृद्धि"

दीपक कुमार तिवारी

छठ पर्व, सूयोर्पासना का वह महापर्व है जो श्रद्धा, भक्ति और आस्था के संगम को दशार्ता है। भारतीय सनातन संस्कृति में भगवान सूर्य को विशेष स्थान प्राप्त है, क्योंकि वे ऐसे देवता हैं जिन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। छठ पर्व के दौरान, भगवान सूर्य के साथ-साथ उनकी शक्तियों - ऊषा (प्रातः की पहली किरण) और प्रत्यूषा (सांध्य की अंतिम किरण) की भी आराधना की जाती है। इस पर्व में, भक्तजन सूर्य की ऊर्जा और स्वास्थ्यवर्धक किरणों को समर्पित होकर अपने जीवन में सकारात्मकता और शुद्धता का स्वागत करते हैं।

छठ पूजा का उद्भव ऋग्वेदिक काल में हुआ माना जाता है। पुराणों में इसका उल्लेख विशेष रूप से किया गया है। विष्णु पुराण और भागवत पुराण में सूर्य की महिमा और उनकी आरोग्यकारी शक्तियों का वर्णन किया गया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान सूर्य को रोग निवारण और स्वास्थ्यवर्धन का देवता माना जाता है। इसी कारण, लोग सूर्य की उपासना कर स्वास्थ्य, संतान, सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करते हैं।

छठ पूजा का महत्त्व और पौराणिक कथाः

छठ पर्व को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें से एक प्रमुख कथा द्रौपदी और पांडवों की है। महाभारत काल में जब पांडवों पर कष्टों का पहाड़ टूट पड़ा और वे अपने राज्य से निष्कासित हुए, तब द्रौपदी ने भगवान सूर्य की उपासना की और उन्हें अर्घ्य देकर छठ व्रत का पालन किया। इस व्रत के प्रभाव से पांडवों को राज्य पुनः प्राप्ति में सफलता मिली। इसके अलावा, मान्यता है कि त्रेता युग में माता सीता ने भी भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर संतान प्राप्ति की कामना की थी।

छठ पूजा की परंपराएं और विधि-विधानः

छठ पर्व का आयोजन चार दिनों तक चलता है, जिसमें प्रत्येक दिन विशेष अनुष्ठान और नियमों का पालन किया जाता हैः

पहला दिनः (नहाय-खायः) व्रतधारी गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान करके शुद्धता का पालन करते हैं और संकल्प लेते हैं। इसके बाद शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं।

दूसरा दिन (खरना): इस दिन व्रतधारी पूरे दिन निर्जल रहते हैं और शाम को गुड़ और चावल से बनी खीर का प्रसाद बनाते हैं। फिर इसे परिवार के साथ ग्रहण करते हैं।

तीसरा दिन (सांध्य अर्घ्य): तीसरे दिन भक्तजन नदी के किनारे संध्या को अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस अवसर पर पूरी श्रद्धा और भक्ति से दीप जलाकर जल में खड़े होकर सूर्य को नमन किया जाता है।

चौथा दिन (प्रातः अर्घ्य): अंतिम दिन, व्रतधारी सूर्योदय के समय नदी किनारे जाकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बाद व्रत का पारण किया जाता है और प्रसाद बांटा जाता है।

सूयोर्पासना और वैज्ञानिक लाभः

छठ पूजा के समय सूर्य की किरणों का शरीर पर सीधा संपर्क होता है, जिससे विटामिन डी मिलता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह माना जाता है कि सूर्य की किरणों में कुछ हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने की क्षमता होती है, जिससे स्वास्थ्य को लाभ मिलता है।

इस पर्व के दौरान उपवास रखने से शारीरिक और मानसिक शुद्धता प्राप्त होती है, क्योंकि व्रत का पालन हमारे मन को स्थिर करता है और हमें आत्मसंयम सिखाता है।

छठ पर्व की महत्ता और समाज पर प्रभावः

छठ पर्व का महत्व केवल आध्यात्मिक नहीं है, बल्कि यह समाज में एकता, सहयोग और भाईचारे को भी बढ़ावा देता है। इस पर्व में हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी सामाजिक, आर्थिक या धार्मिक पृष्ठभूमि से हो, एकसमान श्रद्धा और भक्ति के साथ शामिल होता है।

छठ पूजा का पर्व हमारे भीतर धैर्य, आत्मसंयम और प्रकृति के प्रति आदर भाव को भी जागृत करता है। यह पर्व हमें प्रकृति और सूर्य जैसे शक्तिशाली प्राकृतिक तत्वों के प्रति हमारी निर्भरता का अहसास कराता है।

शुभकामनाएंः

छठ पर्व का यह महापर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आए। भगवान सूर्य की अनुकंपा सभी सनातनी भक्तों पर बनी रहे और विश्व का कल्याण हो।

भारतियों के लिए असुरक्षित होता कनाडा

-राकेश अचल-

भारत में चुनावी राजनीति में लोग एक -दूसरे के छक्के छुड़ाने में लगे हैं उधर सात समंदर पार कनाडा भारतीयों के लिए दूसरा पाकिस्तान बनता नजर आ रहा है। भारत ने कनाडा के ब्रैम्पटन में एक हिंदू पूजा स्थल पर खालिस्तान समर्थकों की तरफ से हमला करने के घटनाक्रम ने भारत और कनाडा के आपसी रिश्तों को भयंकर झटका दिया है। कनाडा में 18 लाख भारतीय मूल के लोग और 1 लाख एनआरआई मौजूद हैं। ये दुनिया में सबसे बड़े भारतीय प्रवासी समूह में से एक है। कनाडा की पूरी आबादी में ये हिस्सेदारी करीब 3 प्रतिशत है।

भारत और कनाडा के रिश्तों में तनातनी की जड़ में खालिस्तानी तत्व हैं। दोनों देशों के प्रधानमंत्री हैं। भारत और कनाडा के आपसी संबंधों का मौजूदा दौर कई सवालों और चिंताओं को जन्म दे रहा है. हरदीप सिंह निज्जर की हत्या सुर्खियों में है, लेकिन दोनों देशों के ताल्लुक पेचीदगियों से भरे है। अच्छी बात ये है की इस समय भारतियों पर कनाडा में हुए ताजा हमले के मुद्दे पर हम सब एक हैं सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आये हैं उसमें साफ तौर पर दिखता है कि हिंदू मंदिर के सामने पहले खालिस्तान समर्थकों की टोली गाड़ियों से आती है और खालिस्तानी झंडों के साथ वहां एकत्रित लोगों के साथ मारपीट करती है। वहां की पुलिस की बीच-बचाव करती दिखती है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भी इस हमले मैंने से ही इंकार कर दिया है, जबकि स्थानीय पुलिस ने इस मामले में दो-तीन लोगों की गिरफ्तारी की बात कही गई है।

पूजाघरों में इस तरह की घटनाएं सिहरन पैदा करतीं हैं । कनाडा में अगले वर्ष आम चुनाव है और कई लोगों भारत के साथ प्रधानमंत्री ट्रुडो की नीतियों को उनकी राजनीतिक महत्वांकाक्षा से जोड़ कर देखते हैं। टूडो की नजर भारत से अलग पृथक देश खालिस्तान बनाने का सपना पालने वाले खालिस्तानी संगठनों से जुड़े वोटरों पर है। ऐसे में भारतीय समुदाय पर या धार्मिक स्थलों पर उनका हमला बढ़ने की आशंका है। भारत और कनाडा के बीच फिलहाल जो कड़वाहट घुली है, उसे दोनों देशों के रिश्तों का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है और ये दौर दोनों देशों के मौजूदा नेतृत्व कि क्षमताओं पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े करता है। ये समझने कि जरूरत है कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो भारत और कनाडा जैसे दो मित्रदेशों के रिश्ते इतने बुरे दौर में पहुंच गए? क्या कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में वाकई भारत सरकार का हाथ है और तीसरा, क्या ट्रूडो का बयान पूरी तरह घरेलू वोटबैंक की राजनीति से प्रेरित है।

भारत-कनाडा रिश्तों का इतिहास खट्टा-मीठा रहा है। ये बनते-बिगड़ते रहे है। अत्तीत में झांककर देखें तो कनाडा-भारत संबंध, कनाडा और भारत गणराज्य के बीच द्विपक्षीय संबंध हैं। माना जाता है कि लोकतंत्र के लिए आपसी प्रतिबद्धता, बहुलवाद और लोगों के बीच परस्पर संबंधों पर आधारित हैं।कांग्रेस के शासनकाल में 2009 तक भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 4.14 बिलियन डालर का था। वर्षों पहले एयर इंडिया फ्लाइट 182 में हुए विस्फोट के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जो कड़वाहट आई थी उसका असर दो दशकों रहा। आपको याद होगा कि 23 जून 1985... वो तारीख जब खालिस्तानियों ने एयर इंडिया की एक विमान को निशाना बनाया। इस विमान हादसे में 329 की हुई थी मौत, मरने वालों में 268 कनाडा के नागरिक थे। यह विमानन इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमला था। खालिस्तानी आतंकियों ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए विमान पर हमला किया था। हमले के 39 साल पूरे होने के बाद भी कनाडा पुलिस हादसे की जांच नहीं कर पाई थी।

इस हमले से पहले भी भारत द्वारा 1974 में हुए परमाणु परीक्षण ने दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों में तल्खी पैदा हुई थी। कनाडा ने तब भारत पर कोलंबो योजना की शर्तों का उल्लंघन का आरोप लगया था, हालाँकि 1990 के दशक के अंत में जाँ श्रेतियाँ और रोमियो लब्लैंक दोनों ने भारत की, पोखरण-2 परीक्षणों के बाद, संबंधों को एक बार फिर से अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।मुझे याद है कि कनाडा के प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने 2012 में भारत का दौरा किया था। कनाडा और भारत बड़े पैमाने पर व्यापार करते हैं। भारत मुख्य रूप से कनाडा से दाल आयात करता है। उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों के लिए कनाडा एक पसंदीदा स्थान है।इस बीच कनाडा में सिख आतंकवादियों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों में हुए इजाफे के दौरान कनाडा सरकार द्वारा अपेक्षित रोकथाम करने कथित कमी ने दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर दिया है

हाल के दशक में कनाडा ने नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान भारत में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन की निंदा कर तनाव के नए बीज बोये । भारत ने इसके जवाब में कनाडा को झिड़की दी और साफ शब्दों में कहा कि कनाडा को अपने काम से काम रखना चाहिए और भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। पिछले साल 2023 में, जी-20 बैठक के बाद, कनाडा की ट्रूडो सरकार ने भारत पर एक कनाडाई सिख कार्यकर्ता, हरदीप सिंह निज्जर, जो खालिस्तान आंदोलन का हिस्सा था, की कनाडा में हत्या करने का आरोप लगाया। तब से अब तक रिश्तों में कड़वाहट इतनी बढ़ी कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को देश निकला तक दे दिया। अब स्थिति ये है कि कनाडा ने तमाम हदें लांघते हुए भारत के गृहमंत्री तक पर गंभीर आरोप लगा दिए है। मुमकिन है कि इन आरोपों को लेकर २५ नबंवर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में गहमागहमी रहे।

कनाडा और भारत के रिश्तों को समझने के लिए हमें बहुत पीछे जाना पडेगा, इतने पीछे जहाँ कि भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू खड़े नजर आने लगें । नेहरू को सदैव गालियां देने वालों को शायद ये पता नहीं होगा कि भारत और कनाडा के रिश्तों की नीव में नेहरू ही हैं मोदी नहीं।इतिहास बताता है कि आजादी के बाद से लेकर 1960 के दशक में कनाडा-भारत संबंधों को भारतीय प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू और दो वर्षों के दौरान सेवा करने वाले दो कनाडाई प्रधानमंत्रियों लुई सेंट लॉरेंट और लेस्टर बी पियर्सन के व्यक्तिगत संबंधों के कारण बढ़ावा मिला था। ये रिश्ते आज के पुतिन मोदी संबंधों जैसे कहे जा सकते है। इनकी तुलना नेतन्याहू और मोदी के निजी संबंधों से भी की जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र और राष्ट्रमंडल में कोरियाई युद्ध और स्वेज संकट जैसे विविध मुद्दों पर, भारत और कनाडा के बीच रुचि और प्रतिबद्धता का एक अनूठा उदाहरण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

कोर्ट ने बेकरी मालिक को सुनाई पूरा दिन खड़े रहने की सजा, 30 हजार का जुमार्ना भी ठोका : जानें पूरा मामला

चंडीगढ़ (विकास सुखीजा)। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने मंगलवार को एक बेकरी के मालिक को बिना खाद्य लाइसेंस के केक और पेस्ट्री बेचने का दोषी ठहराया। कोर्ट ने बेकरी मालिक अनवर आलम को पूरे दिन कोर्ट में खड़ा रहने की सजा सुनाई और उन पर 30,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। यह फैसला खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण के लिए गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

यह मामला 12 अक्टूबर 2021 का है, जब चंडीगढ़ के स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मक्खनमाजरा स्थित अनवर बेकरी का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में पता चला कि अनवर आलम बिना किसी लाइसेंस के केक और पेस्ट्री बेच रहे थे, साथ ही बेकरी में खाद्य सुरक्षा से संबंधित अन्य कानूनी नियमों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। इसके बाद, स्वास्थ्य विभाग ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट के तहत बेकरी मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए इसे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा मानते हुए अनवर आलम को दोषी ठहराया। कोर्ट ने इस फैसले में कहा कि बिना लाइसेंस के खाद्य सामग्री बेचना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह आम जनता की सेहत के लिए भी जोखिम पैदा करता है। कोर्ट ने आगे यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा से संबंधित कानूनों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले, अगस्त 2023 में चंडीगढ़ की एक अन्य बेकरी के मालिक को भी इसी प्रकार की सजा सुनाई गई थी, जब उन्होंने बिना लाइसेंस के खाद्य सामग्री बेची थी।

पंजाबः हिंदू नेताओं पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में 4 गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने शिव सेना समेत कई हिंदू संगठनों के नेताओं के घरों पर पेट्रोल बम से हमला करने के चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया साइट एक्स पर यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक के अनुसार लुधियाना पुलिस तथा काउंटर इंटेलिजेंस द्वारा की गई कार्रवाई के तहत पेट्रोल बम से हमला करने के पीछे बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी हरजीत सिंह उर्फ लाडी व साबी के गुर्गों का हाथ है। लाडी विदेश में बैठ कर यहां घटनाओं को अंजाम दिलवा रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी से शिव सेना नेताओं पर अक्टूबर में हुए हमलों तथा पिछले सप्ताह लुधियाना में हरकीरत सिंह खुराना के आवास पर हुए हमले की गुत्थी सुलझ गई है। आरोपितों की मोटरसाइकिल व मोबाइल फोन जब्त कर उनकी पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस गिरोह का सरगना हरजीत सिंह लाडी नंगल में हुए विकास प्रभाकर हत्याकांड का आरोपित है तथा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उसपर दस लाख का इनाम घोषित कर रखा है।

नूह बुलडोजर कार्यवाहीः उच्च न्यायालय ने याचिका का निबटारा किया

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा के गुड़गांव और नूह में पिछले साल सांप्रदायिक हिंसा के बाद नूह में की गयी बुलडोजर कार्यवाही पर स्वतः स्फूर्त संज्ञान याचिका का मंगलवार को निबटारा कर दिया। अदालत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने सितंबर में पारित एक अंतरिम आदेश में देश भर में बुलडोजर कार्यवाही पर रोक लगा दी है, जिसके बाद याचिका पर सुनवाई जारी रखना उचित नहीं है। अगस्त 2023 में गुड़गांव और नूह में पिछले साल सांप्रदायिक हिंसा के बाद नूह में बड़े पैमाने पर बुलडोजर से एक समुदाय विशेष के घर और दुकानें ध्वस्त किये गये थे। अदालत ने मीडिया में आई खबरों का संज्ञान लिया था। अदालत ने कहा था कि क्या कानून एवं व्यवस्था के नाम पर एक समुदाय विशेष की इमारतों को ढहाया जा रहा है और एथ्निक क्लीनसिंग की कोशिश राज्य कर रहा है? सरकार की तरफ से जिला प्रशासन ने कहा था कि तोड़क कार्यवाही कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुये ही की गयी है।

मंडियों में अब तक 4857405 टन धान खरीद

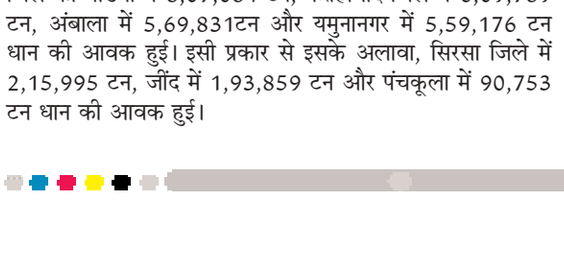

चंडीगढ़। हरियाणा की मंडियों में अब तक 49 लाख 79 हजार 172 टन धान की आवक हुई है, जिसमें से 48लाख 57 हजार 405 टन की हुई खरीद है। प्रदेश सरकार किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुये उनके खातों में फसल खरीद का पैसा सीधे भेज रही है। अब तक धान और बाजरा किसानों को 11 हजार 522 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है, जिसमें धान किसानों को 10510.79 करोड़ रुपये और बाजरा किसानों को 1011.31 करोड़ रुपये का भुगतान शामिल है। सरकार द्वारा की गयी व्यवस्थाओं को लेकर किसान संतुष्ट है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि इस खरीद सीजन के दौरान मंडियों में धान और बाजरे की खरीद सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल बेचने में कोई परेशानी न आये तथा उन्हें मंडियों में प्रवेश के लिये अनावश्यक इंतजार न करना पड़े, इसके लिये विभाग ने ऑनलाइन गेट पास की सुविधा उपलब्ध करवाई है। सरकार सामान्य धान के लिये 2,300 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान के लिये 2,320 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है। सभी वरिष्ठ अधिकारी पूरी खरीद प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में सर्वाधिक 9,90,294 टन धान की आवक कुरुक्षेत्र जिले की मंडियों में हुई। इसी प्रकार करनाल जिले की मंडियों में 8,25,493 टन, कैथल जिले की मंडियों में 8,07,084 टन, फतेहाबाद जिले में 6,09,789 टन, अंबाला में 5,69,831टन और यमुनानगर में 5,59,176 टन धान की आवक हुई। इसी प्रकार से इसके अलावा, सिरसा जिले में 2,15,995 टन, जींद में 1,93,859 टन और पंचकूला में 90,753 टन धान की आवक हुई।

भाजपा सरकार जानबूझ कर खाद की किल्लत पैदा कर रही: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि हरियाणा की भाजपा सरकार जानबूझकर खाद की किल्लत पैदा कर रही है। श्री हुड्डा ने यहां जारी बयान में कहा कि हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में किसानों को लगभग 2.8 लाख टन डीएपी की जरूरत होती है, लेकिन इस बार अब तक किसानों को सिर्फ 1.20 लाख टन डीएपी खाद ही मिल पायी है। सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि वह जानबूझकर खाद की किल्लत पैदा कर रही है। नैनो डीएपी की बिक्री बढ़ाने के लिये परंपरागत डीएपी की किल्लत खड़ी की जा रही है। श्री हुड्डा ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने किसानों को खाद और मंडी की कतारों में खड़ा कर रखा है। हर फसली सीजन में खाद्य केंद्रों पर किसानों को लंबी-लंबी कतारों में कई-कई घंटे, कई-कई दिन इंतजार करना पड़ता है, लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पाती। पिछले 10 साल से किसानों के साथ यही गैर जिम्मेदाराना रवैया रहा है ।

उन्होंने आरोप लगया कि सरकार द्वारा लगातार झूठे दावे किये जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि खाद की कोई कमी नहीं है, उसके पास उचित मात्रा में खाद है, जबकि किसान एक-एक बैग खाद के लिये तरस रहे हैं। भारी भीड़ और लंबी कतारों में फंसे किसान धक्का-मुक्की, हाथापाई और पुलिसिया लाठीचार्ज के शिकार हो रहे हैं। सरकार को बताना चाहिये कि अगर उसके पास उचित मात्रा में खाद है तो वह किसानों को क्यों नहीं मिल पा रहा? उन्होंने कहा कि सरकार की इस अनदेखी के चलते अब किसानों का सब्र जवाब देने लगा है। मजबूरन उन्हें सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। भाजपा के पास अपनी जिम्मेदारी से बचने का कोई बहाना नहीं है, क्योंकि यह भाजपा सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने कहा कि नयी सरकार को भी अपने हनीमून पीरियड से बाहर निकाल कर किसानों की समस्याओं की तरफ ध्यान देना चाहिये। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा को अब अपने चुनावी वादों पर जवाब देना होगा और बताना होगा वादे के मुताबिक बीजेपी किसानों को धान का 3100 रुपये क्यों नहीं दे पाई? आखिर किसानों को न्यूनता समर्थन मूल्य से कम दरों पर अपनी फसल क्यों बेचनी पड़ी? इतने साल से सत्ता में होते हुये भी भाजपा खाद वितरण की प्रक्रिया को सुचारु क्यों नहीं कर पाई? क्यों हर बार किसानों को जरूरत के वक्त खाद के लिए तरसाया जाता है? सरकार की नीतियों के चलते हर बार किसानों को हो रहे घाटे की भरपाई कौन करेगा?

फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिये करवाई जा रही है मिट्टी की मुफ्त जांच : खुडियां

चंडीगढ़। मिट्टी की जांच करवाकर कम लागत में अधिक उत्पादन हासिल करने और खादों की आवश्यकता अनुसार उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने मिट्टी के एक लाख से अधिक नमूने लिये और संबंधित किसानों को मुफ्त टेस्ट रिपोर्टें सौंपी हैं। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां ने मंगलवार को बताया कि सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के दौरान कम से कम 2.50 लाख मिट्टी के नमूनों की जांच करने का लक्ष्य रखा है। विभाग ने अब तक 1,16,117 नमूनों के सफलतापूर्वक टेस्ट किये हैं। उल्लेखनीय है कि सूबे भर में 58 मिट्टी जांच प्रयोगशालायें हैं।

किसानों को फसलों की बुवाई से पहले मिट्टी की जांच करवाने की अपील करते हुये गुरमीत सिंह खुडियां ने कहा कि मिट्टी में मौजूद उपजाऊ तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाशियम और अन्य सूक्ष्म तत्वों का पता लगाने के लिये मिट्टी की जांच करवाना आवश्यक है क्योंकि यह किसानों को फसलों का अधिक उत्पादन लेने और खादों की आवश्यकता अनुसार उपयोग करने के योग्य बनाती है। नियमित जांच के माध्यम से मिट्टी की सेहत की निगरानी करने, इसमें मौजूद तत्वों की पहचान के अलावा मिट्टी की प्रकार अम्लीय या क्षारीय का पता करके बुवाई के लिये उचित फसलों का चयन करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मिट्टी में मौजूद उपजाऊ तत्वों के बारे में जानकर किसान कम खाद का उपयोग करके अपनी लागत और वातावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकते हैं। इस दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक जसवंत सिंह ने बताया कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना द्वारा सुझाये गये डीएपी के विकल्प स्त्रोतों का किसान उपयोग कर सकते हैं, जो गेहूं की फसल के लिये डीएपी जितने ही लाभदायक हैं। उन्होंने बताया कि डीएपी के एक थैले की जगह किसान 75 किलोग्राम एन.पी.के. (12:32:16) प्रति एकड़, या 150 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट (एस.एस.पी.) और 20 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़, या 50 किलोग्राम ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टी.एस.पी.) और 20 किलो यूरिया प्रति एकड़, या 90 किलोग्राम एन.पी.के. (10:26:26) की प्रति एकड़ के हिसाब से उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने किसानों को मिट्टी के भौतिक गुणों को सुधारने के लिए जैविक और देसी खादों का उपयोग करने की भी अपील की।

नारनौल में महिला आयोग की अध्यक्ष ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

नारनौल। घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर बेहतरीन प्लेटफार्म है। यहां पर प्रशिक्षित महिला कर्मचारी 24 घंटे महिलाओं की सहायता के लिए मौजूद रहती हैं। इसके अलावा महिलाएं घर से भी परामर्श लेने के लिए 181 नंबर पर भी डायल कर सकती हैं। यह बात हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने मंगलवार को नारनौल लघु सचिवालय के पुराने भवन में कमरा नंबर 7 में स्थित वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान कहीं। इस मौके पर उन्होंने वन स्टॉप सेंटर में आई शिकायतों की समीक्षा की। कई मामलों में खुद उनके मोबाइल नंबर पर फोन करके पीड़िताओं के साथ बातचीत भी की। भाटिया ने कहा कि हरियाणा सरकार की पहल पर सखी वन स्टॉप सेंटर बहुत ही अच्छी पहल की गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा व उनके उत्थान के लिए हरियाणा सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यहां पर महिलाओं को न केवल अस्थाई आश्रय की सुविधा दी जाती है, बल्कि कानूनी सहायता और आपातकालीन सहायता भी दी जाती हैं। इसके साथ-साथ पुलिस सहायता व उन्हें परामर्श भी दिया जाता है। पीड़ित महिलाओं को यहां पर स्वास्थ्य सेवा भी दी जाती है। इस दौरान हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनु भाटिया ने लघु सचिवालय के पार्क में पौधारोपण भी किया। इस मौके पर डीएसपी हरदीप सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव, जिला संरक्षण एवं बाल विवाह निशेध अधिकारी सरिता शर्मा व वन स्टॉप सेंटर की एडमिनिस्ट्रेटर वंदना यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

जींद बना हरियाणा राज्य वाटरपोलो चैंपियन, सीनियर व जूनियर वर्ग में पहला स्थान

झज्जर। बहादुरगढ़ के एचएल सिटी में हुई स्पर्धा में हरियाणा राज्य वाटरपोलो चैम्पियशिप का खिताब जींद जिला को हासिल हुआ। अपना पहला मैच हारने के बाद जींद की टीम ने शानदार वापसी की। सीनियर मैन्स कैटगरी में जींद ने पहला स्थान हासिल किया।सिरसा ने दूसरा और यमुनानगर ने तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं वूमन्स कैटगरी में यमुनानगर ने पहला और जींद ने दूसरा स्थान हासिल किया है। हिसार की टीम तीसरे स्थान पर रही है। जूनियर ब्वॉयज वर्ग में जींद ने पहला और सिरसा ने दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं पलवल की टीम तीसरे स्थान पर रही है। जूनियर गर्ल्स कैटगरी में सिरसा ने पहला और जींद ने दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं यमुनानगर की टीम तीसरे स्थान पर रही है। दो दिनों तक चलने वाली हरियाणा राज्य वाटरपोलो चैम्पियनशिप का आगाज और समापन चैम्पियन्स एक्वेटिक एकेडमी के स्वीमिंग पूल पर हुआ। जहां विजेताओं को जी डी गोयनका स्कूल की निदेशिका शैलजा जून और भारतीय तैराकी संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने पुरूस्कृत किया। वहीं महिला वर्ग की टीमों को अर्न्तराष्ट्रीय पहलवान महेन्द्र खत्री ने पुरूस्कार देकर सम्मानित किया। अनिल खत्री ने बताया कि हरियाणा के बेटे और बेटियां हर खेल में उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में तैराकी प्रतिभा का विकास देश में सबसे ज्यादा हुआ है। हरियाणा में ऑल वैदर पूल बनने से सालभर तैराकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा सांसद धर्मबीर सिंह के हरियाणा तैराकी संघ के अध्यक्ष बनने के बाद से हरियाणा में तैराकी और वाटरपोलो का स्तर काफी बेहतर हो गया है। वाटरपोलो की मैन्स और वूमन्स टीमों ने अपने जोन में बेहतर प्रदर्शन कर नेशनल में हिस्सेदारी भी की है।

सरकार दलितों के उत्थान के लिए प्रतिबद्धः रविंद्र बलियाला

झज्जर। बीएसएनएल हरियाणा परिमंडल के एससी एसटी एंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में मंगलवार को बहादुरगढ़ स्थित महेश्वरी सदन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ. रविंद्र बलियाला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस कार्यक्रम का आयोजन सेवा बीएसएनएल रोहतक की जिला कार्यकारिणी द्वारा किया गया। आयोग के चेयरमैन डॉ. रविंद्र बलियाला ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान आयोग के उपाध्यक्ष बिजेंद्र बडगुर्जर भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आयोग अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान को लेकर प्रतिबद्ध है। डॉ. रविंद्र बलियाला ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अनेक योजनाएं चलाकर इस वर्ग के चहुंमुखी विकास को कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डा भीमराव अंबेडकर ने शिक्षित बनें, संगठित रहें, संघर्ष करें का नारा दिया था, जिसे हमें अपने जीवन में धारण करते हुए निष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समाज में फैली बुराइयों को दूर करते हुए महिलाओं को समानता का अधिकार दिलाया। चेयरपर्सन ने कहा कि देशभर में बीएसएनएल की सेवाएं सुदुर व दुर्गम इलाकों में भी सुगमता के साथ मिल रही हैं। इस अवसर पर बीएसएनएल के मुख्य प्रबंधक सुनील कुमार, महाप्रबंधक एसके चोपड़ा, डीजीएम सुरेश कुमार, पीजीएम गोबिंद सिंघ, महासचिव एनडी राम, सचिव विजयपाल, बिजेंद्र सिंह व सतीश नंबरदार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नारनौल में बाल प्रतियोगिताओं का आगाज, 48 स्कूलों के 650 छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

प्रतियोगिताओं में महेन्द्रगढ, गुरूग्राम व रेवाड़ी जिले के स्कूलों की टीम हुई शामिल

नारनौल। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की ओर से मंगलवार को बाल भवन में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों के लिए 3 दिवसीय मण्डलीय स्तरीय बाल महोत्सव प्रतियोगिताए-2024 का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा व जिला बाल संरक्षण अधिकारी सन्दीप सिंह मौजूद रहे। प्रतियोगिताओं में महेन्द्रगढ, गुरूग्राम व रेवाड़ी जिले के लगभग 48 स्कूलों की टीम के 650 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि बाल कल्याण परिषद एक ऐसी संस्था है जो बच्चों को उनकी आयु रूचि एवं योग्यता के अनुसार उनको विविध कलाओं के प्रदर्शन के लिए मंच उपलब्ध करवाती है। उन्होंने बच्चों को अपने अध्यापकों व अभिभावकों द्वारा बताए गए सद्मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोई बच्चा अपराध की तरफ न बढ़े व बच्चों को अपनी असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए बल्कि असफलता से सिख लेते हुए निरन्तर सफलता प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि आज कि प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे तथा जिला स्तर पर आयोजित की गई पोस्टर मेंकिंग, स्केचिंग आन द स्पोट, कार्ड मेकिंग, दीया/कैंडल डैकोरेशन, रंगोली, क्ले मोडलिंग, थाली पुजन/कलश डैकोरेशन, डिक्लेमेशन कान्टेस्ट, फन गेम्स, फैन्सी ड्रैस, बैस्ट ड्रामेबाज, सुलेख प्रतियोगिताओं के प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे सीधा आगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को जिला स्तरीय बाल दिवस समारोह 14 नवम्बर को उपायुक्त द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

नशे की समस्या पर जालंधर पंजाब में वार्ता, कार्यशाला आयोजित

जालंधर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आज जालंधर में नशे की समस्या पर वातार्लाप और मीडिया कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें नशीले पदार्थों की लत के खतरे से निपटने के विभिन्न आयामों पर सरकार और चौथे स्तंभ के बीच संवाद और विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

मीडिया को संबोधित करते हुये जिला उपायुक्त डॉ हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि नशा पूरे समाज को प्रभावित करता है और यह किसी क्षेत्र या राज्य तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन मशीनरी के बाद रक्षा की तीसरी पंक्ति नागरिक समाज है, जिसे रक्षा की पहली दो पंक्तियों के लिये बहुत मजबूत और सहायक होना चाहिये। उन्होंने कहा कि रोकथाम सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। रोकथाम की शुरूआत स्कूल से ही होनी चाहिये, जब बच्चे 5-6 साल के होते हैं। उन्होंने कहा, ह्ल अगर हम ड्रग्स की मांग में कटौती करते हैं, तो आपूर्ति अपने खुद ही एक उचित सीमा तक हल हो जायेगी। उन्होंने गुरदासपुर में सेवा करते समय लिये गये एक निर्णय के बारे में बताया कि जब ड्रग सामग्री पकड़ी जाती है, तो अधिकारी अब मात्रा का उल्लेख नहीं करेंगे और इसके बजाय यह सजा होगी जिसे मीडिया को दिये गये बयानों में उजागर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विचार यह है कि संचार ड्रग्स के उपयोग को रोकने के रूप में काम करना चाहिये, न कि उन लोगों के लिये प्रोत्साहन के रूप में जो जल्दी पैसा कमाने की संभावना को देखते हुये इसमें शामिल होने के लिये प्रेरित महसूस कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) (ग्रामीण), जालंधर हरकमलप्रीत सिंह खख ने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से जुड़े कलंक को खत्म करे। एसएसपी ने कहा कि यदि परिवार स्वयं अपने बच्चों की देखभाल नहीं करता है और इस मुद्दे पर ध्यान नहीं देता है, तो उनमें नशे की लत लगने का खतरा अधिक होता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की भूमिका के बारे में बोलते हुये, डीआईजी, बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर, जालंधर, ए. के. विद्यार्थी ने बताया कि प्रौद्योगिकी और संचार में प्रगति के मद्देनजर तस्करों के तौर-तरीके कैसे बदल गये हैं। वर्ष 2021 से पहले, पाकिस्तान से तस्कर अंतरराष्ट्रीय सीमा या बाड़ रेखा के करीब आते थे और सीमा के हमारे तरफ से भी कोई इसे प्राप्त करने के लिये सीमा के करीब आता था। इसलिये यह एक जोखिम भरा प्रयास था। हालांकि, 2021 के बाद, ड्रोन दृश्य में आ गये, जिसने खेल को पूरी तरह से बदल दिया। अब पाकिस्तान के तस्करों को सीमा के करीब आने की जरूरत नहीं है। लोकेशन सेवाओं और मैसेजिंग सेवाओं जैसी अन्य संचार तकनीकों ने भी तस्करों के काम करने के तरीके को बदल दिया है। डी आईजी ने कहा कि हालांकि, बीएसएफ, भारत सरकार, पंजाब पुलिस सभी इस मामले पर बेहतरीन तालमेल और समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। डीआईजी ने कहा कि देखे गये ड्रोन को गिराने की दर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमें नशा करने वालों के साथ उनकी व्यक्तिगतता का सम्मान करते हुये बातचीत करनी चाहिये और उन्हें व्यस्त रखना चाहिये। यही वह चीज है जो उन्हें नशा पुनर्वास की राह पर वापस लाने में सक्षम बनाएगी। उन्होंने कहा कि अनुशासन का अभ्यास करना भी महत्वपूर्ण है।

एम्स बठिंडा के मनोचिकित्सा विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ जितेंद्र अनेजा ने युवाओं को प्रभावित करने वाली नयी लतों जैसे जुआ विकार, गेमिंग विकार और इंटरनेट की लत विकार पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के सामने अलग-अलग चुनौतियां हैं, और सिर्फ नशे से संबंधित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक मांग, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार हर समय उपलब्धता की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि जहां तकनीक कुछ चीजों को आसान बनाती है, वहीं युवाओं के लिये सामाजिक दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि आज का युवा वर्ग एक-दूसरे से अधिक जुड़ा हुआ है, लेकिन उनमें अलग-थलग पड़ जाने का डर अधिक है।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर की एसोसिएट डीन (छात्र कल्याण) डॉ. जसप्रीत कौर राजपूत ने कहा कि छात्रों और युवाओं को यह सिखाने के लिये कौशल की आवश्यकता है कि वे क्या कर सकते हैं और नशीली दवाओं के उपयोग से कैसे बचें। अगर उन्हें सही समय पर नशे के बारे में पता चल जाये, तो इससे मदद मिल सकती है। हालांकि, फिल्मों में अक्सर ड्रग्स के उपयोग को ग्लैमराइज किया जाता है, जिससे युवाओं को लगता है कि ड्रग्स का उपयोग करना अच्छा है। एक बार जब वे जागरूक हो जाते हैं, तो हमें युवाओं को वैकल्पिक गतिविधियां प्रदान करके और सकारात्मक मुकाबला कौशल विकसित करके उन्हें इससे दूर रहने का तरीका सिखाना होगा। बच्चों को विनम्रता से नहीं कहने के लिये पर्याप्त बहादुर होना सिखाया जाना चाहिये। पेशेवर परामर्श मदद कर सकता है। प्रोफेसर ने कहा कि माता-पिता के बाद, शिक्षक ही पालक माता-पिता की भूमिका निभाते हैं। रेड क्रॉस नशा छुड़ाओ केंद्र, संगरूर के पूर्व परियोजना निदेशक, मोहन शर्मा ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और हस्तक्षेप के कारणों पर अपने अनुभव और सीख साझा की।

एक नजर

कंपनी के सुपरवाइजर समेत छह लोग छड़ चोरी के आरोप में गिरफ्तार

धमतरी। शालीमार कंपनी के सुपरवाइजर समेत छह लोगों को पुलिस ने छड़ चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बेचे छड़ व नकदी रुपये को जब्त कर सभी के खिलाफ कार्रवाई की है। कुरूद पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमित सिंह पिता स्वर्गीय प्रभुनाथ उम्र 40 वर्ष शालीमार कंपनी कैम्प अभनपुर मेलवाडीह जिला रायपुर ने 30 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 अक्टूबर को साइड उमरदा के पास रखे शालीमार कंपनी के वेस्टेज छड़ करीबन तीन-चार टन को कंपनी के सुपरवाइजर सुनील कुमार कुमार प्रजापति के नेतृत्व में हाइवा में लोडकर अभनपुर कैम्प ले जाना था, लेकिन छड़ को लेकर वे शालीमार कंपनी कैम्प अभनपुर नहीं पहुंचे।प्रार्थी के द्वारा हाइवा वाहन के चालक एवं सुपरवाइजर को पूछताछ करने पर कंपनी के डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर विकास कुमार पांडे एवं साइड इंजीनियर राहुल तिवारी के कहने पर कंपनी के हाइड्रा वाहन चालक बाबादेव दानी उर्फ पिन्टू के साथ मिलकर चरमुड़िया के सिद्वी गणेश राइस मिल ले जाना बताया।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ जुर्म दर्ज करके आरोपित सुनील कुमार प्रजापति उम्र 34 वर्ष, बाबादेव दानी उर्फ पिन्टू उम्र 34 वर्ष, विकास कुमार पांडे उम्र 36 वर्ष, राहुल तिवारी उम्र 31 वर्ष हाल पता शालीमार कैम्प बारना से कड़ाई से पूछताछ करने पर कुरूद के कबाड़ी के पास 10 हजार रुपये में बेचना बताया। पुलिस ने आरोपितों के पास से नकदी 10 हजार रुपये जब्त किया। वहीं वेस्टेज छड़ खरीद करने वाले आरोपित संतोष कुमार ध्रुव उर्फ भोलू निवासी कुरूद को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर वेस्टेज सरिया को आरोपितों से 80 हजार रुपये में खरीदना स्वीकार किया और नकद 10,000 रुपये देना स्वीकार किया। वेस्टेज सरिया को पुराना आईटीआई के पीछे छिपाकर रखना बताया। गवाहों के समक्ष पुलिस ने तीन क्विंटल छड़ बरामद कर छह आरोपितों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपितों में सुनील कुमार प्रजापति 34 वर्ष निवासी बेटहाडाड थाना बरगवा तहसील देवसर जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश, सुनील प्रजापति उम्र 44 वर्ष निवासी भंवरमाल थाना रामनुजगंज जिला बलरामपुर छग, बाबा देवदानी उर्फ पिन्टू 34 वर्ष निवासी बगदेही थाना कुरूद जिला धमतरी, विकास कुमार पांडे 36 वर्ष निवासी पांडिया छतारा थाना उगली जिला सिवनी मध्यप्रदेश, राहुल तिवारी 31 वर्ष निवासी रामपुर हरगिर थाना पवारा जिला जौनपुर उत्तरप्रदेश और संतोष कुमार ध्रुव उर्फ भोलू 48 वर्ष सरोजनी चौक कुरूद,थाना कुरूद,जिला धमतरी निवासी है।

भारत के साथ दीर्घकालिक विद्युत व्यापार समझौते को नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी

काठमांडू। नेपाल की तत्कालीन प्रचंड सरकार द्वारा भारत के साथ किए गए दीर्घकालिक विद्युत व्यापार समझौते को नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी मिल गयी है। इस समझौते को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे देशहित का समझौता बताया है। चार जनवरी 2024 को भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के नेपाल दौरे के दौरान 10 वर्ष में 10 हजार मेगावाट विद्युत व्यापार समझौता हुआ था। इस समझौते को राष्ट्रघाती बताते हुए तत्कालीन विपक्षी दल सीपीएन (यूएमएल) के समर्थक सूर्यनाथ उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए इस समझौते को खारिज करने की मांग की थी। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली जो कि उस समय विपक्षी दल के नेता थे उन्होंने अपनी पार्टी सीपीएन(यूएमएल) की केंद्रीय समिति में इस समझौते को राष्ट्रघाती बताते हुए इसे खारिज किए जाने का मुद्दा उठाया था। सुप्रीम कोर्ट ने करीब डेढ़ वर्षों तक सुनवाई होने के बाद मंगलवार को इस पर फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह राउत, न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल तथा न्यायाधीश महेश शर्मा पौडेल की संयुक्त पीठ ने इस समझौते को रद्द करने की मांग वाली याचिका को ही खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सरकार का पक्ष सुनते हुए नेपाल बार एसोसिएशन और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का एमिकस क्यूरी बनाते हुए उनसे भी इस समझौते पर राय मांगी थी। सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही इस समझौते को संसद के दो तिहाई बहुमत से पारित करवाने की मांग भी खारिज हो गई है।

श्रीलंका की पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा ने सुरक्षा कटौती पर गंभीर चिंता जताई

कोलंबो। श्रीलंका की पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा ने अपने सुरक्षा दस्ते में शामिल अधिकारियों और जवानों की संख्या में कटौती किये जाने पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि सुरक्षा बेड़े में की गई कटौती से उन्हें कोई भी निशाना बना सकता है। उन्होंने इस चिंता में अपने पति विजया कुमारतुंगा की हत्या का भी जिक्र किया है। श्रीलंका के अखबार डेली मिरर के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा ने अपनी चिंता से सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के सचिव रवि सेनेविरत्ने को पत्र लिखकर अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि उनके सुरक्षा अधिकारियों की संख्या 50 से घटाकर केवल 30 कर दी गई है। पूर्व राष्ट्रपति के अनुसार उनके सुरक्षा प्रमुख और सुरक्षा प्रभाग के निदेशक एसएसपी चंद्रकुमार ने विशेष सुरक्षा प्रभाग के प्रभारी सीनियर डीआईजी अजित हेसिरी को सूचित किया था कि उनकी सुरक्षा के लिए कम से कम 50 अधिकारी आवश्यक हैं। चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा ने कहा कि वह सबसे अधिक जोखिम वाले पूर्व राष्ट्रपतियों में से एक हैं। उन पर एक बार हमला भी हो चुका है। लिट्टे ने 2006 और 2014 में उन्हें निशाना बनाने की घोषणा की थी। उन्होंने दावा किया कि पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के सुरक्षा बेड़े में 243, पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की सुरक्षा में 109 और गोटबाया राजपक्षे के सुरक्षा दस्ते में 200 अधिकारी और कर्मचारी हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का मतदान न्यू हैम्पशायर में पहले मतपत्रों के साथ शुरू हुआ

वाशिंगटन। न्यू हैम्पशायर के डिक्सविले नॉच में मतदाता मंगलवार को मतदान के लिए निकले, जो 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान दिन की आधिकारिक शुरूआत का प्रतीक है।

पूर्वोत्तर अमेरिका के छोटे से शहर के छह पंजीकृत मतदाताओं ने दशकों पहले की परंपरा का पालन करते हुए आधी रात को अपना मतदान किया। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प शहर में 3-3 वोटों से बराबरी पर हैं।

हिंसा एवं अराजकता की आशंकाओं के कारण कड़ी सुरक्षा के बीच, पूरे देश में अधिकांश मतदान केंद्र मंगलवार सुबह खुले और शाम तक खुले रहेंगे।

द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारी चुनाव-संबंधित साइटों को मजबूत करने के लिए विस्तृत उपाय कर रहे हैं, जिसमें एक प्रमुख मतगणना मुख्यालय की सुरक्षा के लिए छत पर स्नाइपर्स, चुनाव कार्यकर्ताओं के लिए पैनिक बटन और निगरानी करने वाले ड्रोन शामिल हैं।

पूरे देश के लाखों मतदाताओं ने पहले ही अपने मतपत्र डाला है जिसमें मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत रूप से मतदान करना या मेल द्वारा मतदान करना शामिल हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय की इलेक्शन लैब के आंकड़ों के

अनुसार, सोमवार रात तक, 8.2 करोड़ से ज्यादा मतदाता पहले ही अपने मतपत्र डाल चुके थे। इस चुनाव को व्यापक रूप से अमेरिकी इतिहास में सबसे विभाजनकारी में से एक माना जाता है। हैरिस और ट्रंप ने बार-बार चेतावनी दिया है कि अगर कोई दूसरा चुना जाता है तो देश को संभावित विनाशकारी परिणाम भुगतने होंगे। अर्थव्यवस्था, आव्रजन और गर्भपात के अधिकारों जैसे प्रमुख मुद्दों पर मतदाताओं को बहुत अलग-अलग विचार है।

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन द्वारा किए गए एक वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, 77 प्रतिशत अमेरिकी वयस्कों ने कहा कि राष्ट्र का भविष्य उनके जीवन में तनाव का एक महत्वपूर्ण स्रोत था। इसके अतिरिक्त, 74 प्रतिशत ने कहा कि वे चिंतित है कि चुनाव परिणाम हिंसा का कारण बन सकते हैं।

डिक्सविले नॉच में मतदान करने के लिए पंजीकृत छह मतदाताओं में से एक एनमेरी पिंटल ने कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि जो भी यह राष्ट्रपति चुनाव जीतेगा वह इससे निपटेगा और जो नहीं जीतेगा वह इससे मजबूती से निपटेगा।

छोटे शहर के एक अन्य मतदाता स्कॉट मैक्सवेल ने कहा कि ह्महमें एकता की जरूरत है। हमें आम मूद्दों पर एक साथ आने की आवश्यकता है, और अपने मतभेदों को दूर करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

नेपाल : पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ ठगी के अलावा संगठित अपराध और आय से अधिक संपत्ति मामले में भी मुकदमा

काठमांडू। सहकारी ठगी मामले में पुलिस हिरासत में रहे पूर्व उप प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ संगठित अपराध और आय से अधिक संपत्ति मामले में भी मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला अदालत कास्की ने रवि लामिछाने की पुलिस हिरासत 10 दिनों के लिए बढ़ा दी है। पिछले 20 दिनों से पुलिस हिरासत में रहे पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने की पुलिस हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद मंगलवार को जिला अदालत में पेश किया गया था। सरकारी वकील ने अदालत में बताया कि सहकारी बैंक ठगी मामले में रवि से पूछताछ पूरी हो गई है लेकिन अपराध की प्रकृति ठगी से बढ़कर होने के कारण 10 दिन की पुलिस रिमांड और दिया जाए। जिला न्यायाधीश चंद्रकांत पौडेल के समक्ष सरकारी वकील ने पूरक आरोप पत्र दाखिल करते हुए रवि लामिछाने के खिलाफ सहकारी ठगी के अलावा संगठित अपराध और आय से अधिक संपत्ति मामले में भी दोषी बताते हुए पूछताछ के लिए 10 दिन की पुलिस रिमांड की मांग की थी। न्यायाधीश पौडेल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 10 दिनों की पुलिस रिमांड की मंजूरी दे दी। रवि के अलावा उनके गोरखा मीडिया में व्यापारिक साझेदार रहे तीन अन्य व्यक्ति की भी पुलिस रिमांड बढ़ा दी गई है।

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर किसानों को मिलेंगी बड़ी सौगातें

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के किसानों को कई बड़ी सौगातें देने जा रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति और लाभ हस्तांतरण के बारे में जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं सिर्फ योजनाएं नहीं, बल्कि आमजन के सम्पूर्ण सशक्तीकरण की ओर बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों से बराबर सम्पर्क रखते हुए विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ और जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में विकसित राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी प्रथम वर्षगांठ पर किसानों को बड़ी सौगातें देने की प्रभावी तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत 5500 फार्मपौण्ड के लिए किसानों के खातों में सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी है। इसी प्रकार 2 हजार किलोमीटर पाइपलाइन, 5 हजार किसानों को तारबंदी के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नहरी क्षेत्र में 500 डिग्गियों, एक हजार किसानों को कृषि उपकरण सहायता और 2 हजार वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों के लिए अनुदान सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना के अंतर्गत 3 हजार किसानों को गोवंश से जैविक खाद उत्पादन के लिए सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि नमो ड्रोन दीदी योजना में 50 क्लस्टर्स विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त भी किसानों को जारी की जाएगी। शर्मा ने कहा कि सरकार कुसुम योजना के माध्यम से सोलर पम्प की स्थापना के लिए 15 हजार किसानों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ड्रिप इरिगेशन ही सिंचाई हेतु एक दीर्घकालिक समाधान है। सरकार द्वारा 15 हजार किसानों को ड्रिप इरिगेशन के लिए वित्तीय सहायता डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

एकल पट्टा प्रकरण: धारीवाल और अधिकारियों को राहत देने वाला हाईकोर्ट का आदेश रद्द

जयपुर। प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में पूर्व मंत्री शांति धारीवाल की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के उन आदेशों को रद्द कर दिया है, जिसके तहत तत्कालीन यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ दर्ज एफआईआर और अदालती कार्रवाई को निरस्त करने के साथ ही पूर्व आईएएस जीएस संधू सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा वापस लेने को हरी झंडी दी गई थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने यह आदेश अशोक पाठक की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने हाईकोर्ट को कहा है कि वह प्रकरण की पुनः सुनवाई कर छह माह में उचित आदेश पारित करे।

सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बताया कि गत अप्रैल माह में राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश शपथ पत्र में प्रकरण में कोई आपराधिक मामला नहीं बनने की बात कही थी, लेकिन इस दौरान उनसे सलाह नहीं ली गई। वहीं अब नया शपथ पत्र पेश कर हाईकोर्ट के आदेशों को रद्द करने की गुहार की गई थी।

एएजी शर्मा ने बताया कि मामले में एसीबी ने तीन क्लोजर रिपोर्ट अदालत में पेश की थी, वे धारीवाल सहित अन्य अधिकारियों से प्रभावित थी। इन रिपोर्ट में सभी तथ्यों को शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में एसीबी कोर्ट ने दो क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और तीसरी पर कोई निर्णय नहीं हुआ था। इस दौरान मामला हाईकोर्ट चला गया। हाईकोर्ट ने गत जनवरी माह में पूर्व आईएएस जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी के खिलाफ मुकदमा वापस लेने को सही माना और धारीवाल के खिलाफ प्रकरण खारिज कर दिया। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ आरटीआई कार्यकर्ता अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की थी। जिसमें कहा था कि शिकायतकर्ता से राजीनामे के आधार पर केस को रद्द नहीं किया जा सकता। मामले के अनुसार साल 2014 में रामशरण सिंह की ओर से गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी को एकल पट्टा जारी करने में धांधली का आरोप लगाते हुए एसीबी में शिकायत दी गई थी। एसीबी ने यूडीएच के तत्कालीन सचिव जीएस संधू, जेडीए जोन-10 के तत्कालीन उपायुक्त ओंकारमल सैनी और निष्काम दिवाकर सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हाईकोर्ट ने 15 नवंबर, 2022 को आदेश जारी कर एसीबी में दर्ज एफआईआर और एसीबी कोर्ट में चल रही कार्रवाई को शांति धारीवाल की हद तक रद्द कर दिया था।

प्रमोद बोडो ने कोकराझार में डॉ. भूपेन हजारिका की प्रतिमा का किया अनावरण

कोकराझार (असम)। बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो ने आज कोकराझार में सुधाकंठ कानन में ब्रह्मपुत्र के महान गायक एवं भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण किया, जो इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक हस्ती की पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया था। इस अवसर पर उनकी स्मृति में एक स्मारिका 'भूपेंद्र वैभव' का भी विमोचन किया गया।

अपने संबोधन में प्रमोद बोडो ने कहा कि यह प्रतिमा केवल डॉ. भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि नहीं है, बल्कि यह एकता, सामूहिक विकास और सामाजिक समरसता की स्थायी भावना का प्रतीक है। असमिया संगीत, संस्कृति और सामाजिक एकीकरण में डॉ. भूपेन हजारिका के योगदान को याद

करते हुए, बोडो ने बीटीसी सरकार के 'विविधता में एकता' को बढ़ावा देने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बोडोलैंड के सभी समुदायों की विशिष्ट पहचान को संरक्षित करने और उनके सक्रिय भागीदारी के माध्यम से क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बात की। इसी दृष्टिकोण के तहत, बोडो ने बोडोलैंड के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए कई विकासात्मक पहलों की घोषणा की। प्रमुख घोषणाओं में तमुलपुर में प्रसिद्ध सांस्कृतिक आइकॉन कला गुरु विष्णु प्रसाद राभा की प्रतिमा का निर्माण और बाक्सा में डॉ. भूपेन हजारिका भवन की स्थापना शामिल है, जिसमें 10 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। इसके अलावा, बोडो ने डॉ. भूपेन हजारिका के 200 से अधिक गीतों का बोडो भाषा में अनुवाद कराने के लिए समर्थन की घोषणा की, जो परियोजना कोकराझार में पूरी की जाएगी। असम के कपड़ा मंत्री और कोकराझार के गार्जियन मंत्री यूजी ब्रह्म ने भी सभा को संबोधित किया और डॉ. भूपेन हजारिका की अमिट विरासत की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के लिए बीटीसी की प्रतिबद्धता और बोडोलैंड के विविध समुदायों के बीच सामंजस्य और सहयोग को बढ़ावा देने पर बात की। असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व डीजीपी कुलधर सैकिया ने इस दृष्टि को साकार करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस प्रतिमा को मानवता का एक शक्तिशाली प्रतीक बताया और डॉ. हजारिका के वैश्विक प्रभाव की याद दिलाई, जो भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं से परे है। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें सांसद जयंत बसुमतारी, विधायक लॉरेंस इस्लारी, कोकराझार डीसी मसंदा पार्टिन, बोडो साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरथ नाजारी और प्रमुख कलाकार कमल चंद्र कटकी सहित अन्य शामिल थे, जिन्होंने डॉ. भूपेन हजारिका की स्थायी विरासत का जश्न मनाया।

अपनी विरासत को सहेजते हुए छग को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें : राज्यपाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ एक युवा राज्य है और युवा अवस्था में ही इस राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन किया है। राज्योत्सव के मौके पर अपनी विरासत को सहेजने और छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें। नागरिकगणों से यह अपील राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन आज मंगलवार को मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की। इस मौके पर अपने संबोधन में श्री डेका ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का दिन है।

हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को 24 वर्ष पूरे हो चुके हैं और यह हम सबके लिए ऐतिहासिक क्षण है। इन वर्षों में हमने एक मजबूत आधार बनाया है और अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य निर्माण का स्वप्न देखने वाले और इसके लिए संघर्ष करने वाले पुरखों को भी नमन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा जनकल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। छत्तीसगढ़ में कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। जनजातियों, महिलाओं एवं युवाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए भी निरंतर पहल की जा रही है।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले 23 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए एक ठोस धरातल निर्मित हुआ है। इस दौर में राज्य की सांस्कृतिक रूप से भी एक अलग पहचान बनी है। वर्तमान में भी सांस्कृतिक समृद्धि के लिए चहुंमुखी प्रयास किये जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधन पर्याप्त हैं, चाहे वन हो, खनिज हो या मानव संसाधन हो, सभी का उचित दोहन किया जाना अभी बाकी है। संसाधनों के दोहन के साथ ही हमें इस पर भी गहन चिंतन करना होगा कि विकास का पैमाना क्या हो। विकास की सतत प्रक्रिया में प्रकृति के साथ संतुलन बना रहे, यह भी ध्यान रखना होगा। हम सबको आज संकल्प लेना होगा कि छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर ले जाने के लिए मिलजुल कर प्रयास करेंगे। राज्य की उन्नति के लिए शांति जरूरी है, विगत कुछ वर्षों से नक्सल हिंसा से छत्तीसगढ़ का कुछ हिस्सा प्रभावित रहा है। इस हिंसा को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगातार साझा प्रयास किये जा रहे हैं। आशा है कि जल्द ही इस हिंसा से राज्य को मुक्ति मिलेगी और छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की दौड़ में आगे बढ़ेगा। राज्यपाल ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस राज्य को अग्रणी राज्य बनाने के लिए अधिक से अधिक योगदान दें साथ ही आज एक संकल्प लें कि अपने प्रदेश की, शहर की सार्वजनिक संपत्तियों, सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करेंगे, उसे संभालेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिन लोगों ने संयुक्त मध्यप्रदेश के समय छत्तीसगढ़ में जन्म लिया और बड़े हुए वे लोग तब और अब के फर्क को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। उन्हें याद होगा कि किस तरह छत्तीसगढ़ में बार-बार अकाल पड़ता था। किसानों को रोजी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता था। सौभाग्य से जब अटल जी प्रधानमंत्री बने तो छत्तीसगढ़ की पीड़ा को समझा और अलग राज्य का निर्माण किया। 24 साल पूरे हो गये हैं। छत्तीसगढ़ विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कार्यक्रम में लोक कलाकारों को अधिकतम जगह दी है। इसके साथ ही छालीवुड और बालीवुड के कलाकारों को भी जगह दी है। मैं सभी कलाकारों का अभिनंदन करता हूँ। हमारी कला हमारे विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति इस मामले में बहुत समृद्ध है हमारे यहां हर विधा के कलाकार हैं।

सरकार ने 'भारत' ब्रांड के तहत गेहूं के आटे, चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने उपभोक्ताओं को ऊंची कीमतों से राहत देने के लिए रियायती दर पर 'भारत' ब्रांड के तहत गेहूं के आटे और चावल की खुदरा बिक्री के दूसरे चरण की मंगलवार को शुरूआत की।

सहकारी समितियों भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और केन्द्रीय भंडार तथा ई-कॉमर्स मंच के जरिये गेहूं का आटा 30 रुपये प्रति किलोग्राम और चावल 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से पांच तथा 10

किलोग्राम के पैकेट में बेचा जाएगा।

खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इन सहकारी समितियों की 'मोबाइल वैन' को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा, 'यह उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए एक अस्थायी हस्तक्षेप है।'

सरकार ने मूल्य स्थिरीकरण कोष के अंतर्गत दूसरे चरण में खुदरा हस्तक्षेप के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल आवंटित किया है।

जोशी ने कहा, 'यह तब तक जारी रहेगा जब तक आवंटित भंडार समाप्त नहीं हो जाता। यदि और अधिक की आवश्यकता होगी तो हमारे पास पर्याप्त भंडार है और हम पुनः आवंटन करेंगे।'

नए मूल्य निर्धारण ढांचे के तहत गेहूं का आटा पांच तथा 10 किलोग्राम के पैक में 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध होगा, जबकि चावल 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जाएगा। पहले चरण की दरों क्रमशः 27.5 रुपये तथा 29 रुपये प्रति किलोग्राम से इसमें मामूली वृद्धि की गई है। पहले चरण में चावल की कम बिक्री पर जोशी ने कहा कि सरकार का मकसद कारोबार करना नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत देना और बाजार में कीमतों को नियंत्रित करना है।'

मंत्री ने कहा कि यदि मांग की गई तो सरकार छोटे आकार के पैकट लाने पर विचार करेगी।

जोशी ने चावल के अधिशेष भंडार के बावजूद कीमतों में स्थिरता को समझने के लिए एक अध्ययन का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमतें 'काफी हद तक नियंत्रण में' हैं, केवल सामान्य गुणवत्ता वाली किस्मों में मामूली उतार-चढ़ाव है।

पहले चरण में अक्टूबर, 2023 से 30 जून, 2024 तक 15.20 लाख टन गेहूं का आटा और 14.58 लाख टन चावल का वितरण किया गया था।

जोशी ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर निरंतर हस्तक्षेप के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध रहेगा।

इस अवसर पर खाद्य राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा और खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा भी उपस्थित रहे।

भारत में बैंक जमा वृद्धि पिछले 30 महीनों में पहली बार क्रेडिट ऑफटेक से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर 2023 की तुलना में बैंक जमा 18 अक्टूबर तक 8.6 फीसद बढ़कर 218.1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सालाना आधार पर पिछले 30 महीनों में पहली बार जमा वृद्धि ने क्रेडिट ऑफ टेक को पीछे छोड़ दिया है।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वृद्धि का कारण शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक (एससीबी) की सावधि जमा दरों में बढ़ोतरी रहा है। कुल मिलाकर, पिछले नौ महीनों में जमा राशियों में 17.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'वित्त वर्ष 2025 में जमा राशि प्रमुख बनी हुई है, क्योंकि बैंकों ने अपनी देयता फ्रैंचाइजी को मजबूत करने के प्रयास बढ़ा दिए हैं। बैंक अधिक लागत पर जमा प्रमाणपत्रों के माध्यम से भी धन जुटा रहे हैं।'

सितंबर 2023 से क्रेडिट डिपॉजिट (सीडी) अनुपात 80 प्रतिशत के आसपास रहा था। 18 अक्टूबर को समाप्त पखवाड़े के लिए सीडी अनुपात में मामूली वृद्धि देखी गई और यह 79.0 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि दिसंबर 2023 में यह 79.5 प्रतिशत था।

सीमा शुल्क अधिकारी वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों की जांच एक साल में पूरी करें : सीबीआईसी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सीमा शुल्क अधिकारियों से निर्यात/आयात धोखाधड़ी के मामलों में पत्र/समन जारी करते समय चल रही जांच की विशिष्ट प्रकृति का खुलासा करने और एक साल के भीतर जांच पूरी करने को कहा है।

सीबीआईसी ने एक निर्देश में कहा, 'अधिकारियों को वस्तुओं के आयात या निर्यात में कर चोरी की जांच के दौरान एक 'संतुलित' दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए ताकि कारोबार सुगमता में व्यवधान से बचा जा सके। इन्हें आमतौर पर वाणिज्यिक आसूचना/धोखाधड़ी (सीआई) मामले कहा जाता है।

सीबीआईसी ने कहा, ह्यह्यजांच शुरू करने से पहले यह जरूरी है कि सभी सूचनाओं पर गौर किया जाए तथा आयातक/निर्यातक के साथ संपर्क को कम करने के लिए उपलब्ध आंकड़ों की दोबारा जांच की जाए।'

आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आयुक्त किसी भी खुफिया जानकारी, जांच और उसकों विकसित करने तथा अनुमोदित करने के लिए जिम्मेदार होता है।

सीबीआईसी ने एक नवंबर को जारी निर्देश में कहा, 'किसी भी वाणिज्यिक आसूचना/धोखाधड़ी के मामले की जांच जल्द से जल्द निष्कर्ष पर पहुंचनी चाहिए, जो सामान्यतः एक वर्ष से अधिक नहीं होती है।'

सीबीआईसी के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि दिशानिर्देश सीआई धोखाधड़ी मामलों की जांच के दौरान न्यूनतम व्यवधान के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हैं।

अग्रवाल ने सीबीआईसी अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा, 'ये उपाय पारदर्शिता बनाए रखने, अनावश्यक देरी को कम करने और अधिक व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाने के लिए तैयार किए गए हैं।'

जांच करने के प्रारंभिक निर्णय के बाद, सीमा शुल्क अधिकारी निर्यातक/ आयातक से दस्तावेज मांग सकते हैं अधिकतर पत्र लिखकर।

इसमें कहा गया, सीआई मामलों में सूचना/दस्तावेज मांगते समय, पत्र/समन में शुरू की जा रही जांच की विशिष्ट प्रकृति का खुलासा किया जाना चाहिए तथा अस्पष्ट (या सामान्य) अभिव्यक्तियों से बचा जाना चाहिए। इसमें कहा गया, 'जहां भी अनुमति हो, अधिकारी समन किए गए व्यक्ति को अधिकृत एजेंट के माध्यम से उपस्थित होने का विकल्प बताता है।'

सीबीआईसी ने कहा कि सीमा शुल्क आयुक्त, किसी जारी जांच में 'उचित शिकायत' होने पर आयातक/निर्यातक या उसके प्रतिनिधि से मुलाकात करने पर विचार कर सकते हैं।

सीबीडीटी ने कर अधिकारियों को करदाता का देय ब्याज माफ करने या कम करने की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने कर अधिकारियों को निर्दिष्ट शर्तों के अधीन करदाता के देय ब्याज को माफ करने या कम करने की अनुमति दे दी है।

आयकर अधिनियम की धारा 220 (2ए) के तहत यदि कोई करदाता किसी मांग नोटिस में निर्दिष्ट कर राशि का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसे भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए एक प्रतिशत प्रति माह की दर से ब्याज का भुगतान करना होगा।

यह अधिनियम प्रधान मुख्य आयुक्त (पीआरसीसीआईटी) या मुख्य आयुक्त (सीसीआईटी) या प्रधान आयुक्त (पीआरसीआईटी) या आयुक्त रैंक के अधिकारियों को देय ब्याज राशि को कम करने या माफ करने का अधिकार भी देता है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने चार नवंबर को जारी एक परिपत्र के जरिये ब्याज की मौद्रिक सीमा निर्दिष्ट की है जिसे कर अधिकारी माफ कर सकते हैं या कम कर सकते हैं।

इसके अनुसार, पीआरसीआईटी रैंक का अधिकारी

1.5 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया ब्याज को कम करने या माफ करने का फैसला कर सकता है। 50 लाख रुपये से 1.5 करोड़ रुपये तक के बकाया ब्याज के लिए सीसीआईटी रैंक का अधिकारी छूट/कटौती का फैसला करेगा, जबकि पीआरसीआईटी या आयकर आयुक्त 50 लाख रुपये तक के बकाया ब्याज पर फैसला कर सकते हैं।

वहीं धारा 220(2ए) के तहत देय ब्याज में कटौती या छूट तीन निर्दिष्ट शर्तों के पूरा होने पर मिलेगी। ये शर्तें हैं, ऐसी राशि के भुगतान से करदाता को वास्तविक कठिनाई हुई है या होगी; ब्याज भुगतान में चूक करदाता के नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण हुई थी; करदाता ने कर निर्धारण से संबंधित जांच में या उससे देय किसी राशि की वसूली की कार्यवाही में सहयोग किया है।

नांगिया एंड कंपनी एलएलपी साझेदार सचिन गर्ग ने कहा, 'सीबीडीटी के इस कदम से धारा 220 के तहत ब्याज में छूट या कमी के लिए करदाता द्वारा किए गए आवेदनों का शीघ्र निपटान करने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह ध्यान देने योग्य है कि अधिनियम की धारा 220 के तहत ब्याज में ऐसी कमी या छूट की मांग करने के लिए जिन निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करना आवश्यक है, उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।'

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ साझेदार रजत मोहन ने कहा कि इस कदम से ब्याज राहत देने में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

श्रीलंका की नई सरकार ने आईएमएफ राहत पैकेज के लिए प्रमुख आर्थिक सुधार को पलटा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में नई नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने मंगलवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली संयंत्रों, पारेषण और वितरण प्रक्रियाओं का निजीकरण नहीं करने की घोषणा की। सरकार ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के राहत पैकेज कार्यक्रम के तहत किसी प्रमुख आर्थिक सुधार को पलटने की घोषणा की है। सरकार ने तत्कालीन राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की सरकार द्वारा इस वर्ष जून में स्वीकृत विद्युत अधिनियम को रद्द कर दिया और सरकारी विद्युत इकाई सीलोन विद्युत बोर्ड (सीईबी) में बड़े सुधारों की घोषणा की। सीईबी श्रम संघ के नेता 14 नवंबर को होने वाले संसदीय चुनाव में एनपीपी के उम्मीदवार हैं।

सीईबी ने सोमवार को बयान में कहा कि इकाई के निजीकरण कार्यक्रम को समाप्त कर दिया जाएगा और सीईबी सुधार अधिनियम 2024 में संशोधन करने का संकल्प लिया गया है। इसमें कहा गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली संयंत्रों, पारेषण और वितरण प्रक्रियाओं का निजीकरण नहीं किया जाएगा। सीईबी सुधार अधिनियम 2024 ने बिजली उत्पादन में निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा का मार्ग प्रशस्त किया है। इस कदम का उद्देश्य सार्वजनिक वित्त पर बोझ कम करना और 2030 तक अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी को 70 प्रतिशत तक बढ़ाना है। सीईबी सुधारों का उद्देश्य राजकोषीय घाटे को कम करना था, जो 2023 में तय किए गए करीब तीन अरब डॉलर के कार्यक्रम में श्रीलंका द्वारा आईएमएफ के लिए की गई एक प्रमुख प्रतिबद्धता थी।

जोशी का सौर परियोजनाओं की दक्षता बढ़ाने, भंडारण समाधान विकसित करने का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सौर परियोजनाओं की दक्षता बढ़ाने, लागत कम करने और ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करने पर मंगलवार को जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के एक सम्मेलन में जोशी ने हितधारकों से 'स्मार्ट' प्रौद्योगिकियों के साथ जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और कहा कि सौर उद्योग का विकास तेजी से होगा।

जोशी 120 देशों के इस समूह के अध्यक्ष भी हैं।

मंत्री ने कहा, 'मैं आपको पांच कारण बताता हूं कि इस तरह के मंच क्यों महत्वपूर्ण हैं। ऐसा

इसलिए है क्योंकि इससे व्यवसाय के सर्वश्रेष्ठ लोग बढ़ती दक्षता, लागत में कमी, ऊर्जा भंडारण समाधान, 'स्मार्ट' प्रौद्योगिकियों के साथ जुड़ाव, आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन पर चर्चा के लिए एकसाथ आते हैं।'

यह सत्र अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की 7वीं महासभा के साथ आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

जोशी ने इस क्षेत्र में भारत द्वारा की प्रगति का हवाला देते हुए कहा कि सौर उद्योग का विकास सौर प्रणालियों के विनिर्माण, स्थापना तथा रखरखाव में रोजगार सृजित कर आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देता है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (एमएनआरई) ने कहा, 'मैं आपको भारत की क्रांतिकारी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उदाहरण देता हूं। इस योजना से विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यक्ष तौर पर करीब 17 लाख नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है।'

भारत 3.25 लाख से अधिक युवाओं को छतों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने का प्रशिक्षण भी देगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में स्थापना तथा रखरखाव शामिल होगा, जिससे युवा सौर उद्योग में अपना करियर बना सकेंगे और अपने समुदायों में उद्यमशीलता को बढ़ावा दे सकेंगे।

मंत्री ने साथ ही कहा, 'सौर ऊर्जा के भविष्य पर चर्चा करते समय हमें 'स्मार्ट' दृष्टिकोण को ध्यान में रखना होगा। हमें न केवल दक्षता को अधिकतम करना होगा, बल्कि अधिक टिकाऊ ऊर्जा परिवेश बनाने में भी योगदान देना होगा।'

दक्षता बढ़ाने के बारे में जोशी ने कहा कि पारंपरिक सौर पैनल सूर्य के प्रकाश का करीब 15-20 प्रतिशत हिस्सा बिजली में परिवर्तित करते हैं, लेकिन द्विमुखी पैनल (दोनों तरफ सौर सेल वाले) जैसे नवाचार इसकी क्षमता को और अधिक बढ़ा रहे हैं।

जोशी ने प्रतिनिधियों को बताया, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सौर ऊर्जा शुल्क में करीब 76 प्रतिशत की कटौती की है। ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए शुल्क वित्त वर्ष 2010-11 के 10.95 रुपये से घटाकर वित्त वर्ष 2023-24 में 2.60 रुपये कर दिया गया है।'

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मौसम और दिन में रोशनी के समय के आधार पर सौर ऊर्जा का उत्पादन रुक-रुक कर हो सकता है। इसलिए नई भंडारण प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा भंडारण, बिजली प्रणालियों को निरंतर सौर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने की कुंजी है। यह लचीलापन हासिल करने, ग्रिड विश्वसनीयता और बिजली की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एक समाधान प्रदान करता है।

एक नजर

भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 694 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को अमेरिकी चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच बढ़त के साथ बंद हुआ। कारोबार के अंत में एफएमसीजी और मीडिया को छोड़कर सभी सेक्टर में खरीदारी देखने को मिली। सुबह के कारोबार में बाजार सीमित दायरे में खुला था। दोपहर डेढ़ बजे के बाद बाजार में तेजी शुरू हुई। बीएसई का सेंसेक्स 694.39 अंक या 0.88 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। वहीं, दूसरी ओर एनएसई का निफ्टी 217.95 अंक या 0.91 प्रतिशत चढ़ने के बाद 24,213.30 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 992 अंक या 1.94 प्रतिशत चढ़ने के बाद 52,207.25 पर आ गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स कारोबार के अंत में 330.90 अंक या 0.59 प्रतिशत चढ़ने के बाद 56,115.45 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.80 अंक या 0.43 प्रतिशत चढ़ने के बाद 18,503.45 पर बंद हुआ। निफ्टी के ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, मेटल और रियलिटी सेक्टर में खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स पैक में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स टॉप गेनर्स रहे। वहीं, आईटीसी, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एलएंडटी और सन फार्मा टॉप लूजर्स रहे। बाजार का रुझान सकारात्मक रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,476 शेयर्स हरे, 1,473 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे। वहीं, 109 शेयर में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं रहा। बाजार के जानकारों ने कहा, 'निफ्टी को लगातार दूसरे दिन ऐतिहासिक स्विंग लो के आसपास समर्थन मिला है। टेक्निकल फ्रंट पर, दैनिक चार्ट पर पियर्सिंग लाइन कैंडलस्टिक पैटर्न दिखाई दिया है, जो संभावित तेजी के उलटफेर का संकेत देता है। इसके अतिरिक्त, दैनिक आरएसआई पर सकारात्मक विचलन ऊपर की ओर बढ़ने के मामले को और मजबूत करता है।'

साउथवेस्ट एयरलाइंस ने इंडिगो के सह-संस्थापक राकेश गंगवाल को चेयरमैन नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति कारोबारी और इंडिगो के सह-संस्थापक राकेश गंगवाल को अमेरिकी विमानन कंपनी साउथवेस्ट एयरलाइंस का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इस साल जुलाई में साउथवेस्ट के बोर्ड में शामिल हुए गंगवाल ने हाल ही में एयरलाइन के 10.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर के शेयर भी खरीदे हैं। साउथवेस्ट द्वारा एयरलाइन के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक इलियट इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के साथ मुद्दों को सुलझाने के एक सप्ताह बाद बोर्ड के चेयरमैन के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। साउथवेस्ट ने सोमवार को निदेशक मंडल के स्वतंत्र चेयरमैन के रूप में गंगवाल की नियुक्ति की घोषणा की। गंगवाल ने बयान में कहा, 'हम साउथवेस्ट कई सफलताओं और शानदार अतीत को आगे बढ़ाते हुए बदलाव के अगले दौर की शुरूआत कर रहे हैं। नवगठित बोर्ड के रूप में हमारी महत्वपूर्ण प्राथमिकता एयरलाइन को बेहतर वित्तीय प्रदर्शन के रास्ते पर वापस लाने के लिए काम करना है।'

डीजीटीआर ने सात देशों से आने वाले 'पीवीसी रेजिन' पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर ने घरेलू उत्पादकों को संरक्षण देने के मकसद से चीन, अमेरिका और दक्षिण कोरिया सहित सात देशों से 'पीवीसी रेजिन' के आयात पर 339 डॉलर प्रति टन तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीवीसी सस्पेंशन रेजिन' को भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया जिसके परिणामस्वरूप डंपिंग हुई है। निदेशालय की अधिसूचना में कहा गया है कि इन देशों चीन, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, ताइवान, थाईलैंड और अमेरिका से आयात के कारण घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हुआ है। इसमें कहा गया, 'तदनुसार प्राधिकरण आयात पर अस्थायी डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करता है।' अनुशंसित शुल्क 25 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से लेकर 339 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के बीच है। शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेता है। डीजीटीआर ने डीसीएम श्रीराम और डीसीडब्ल्यू लिमिटेड सहित घरेलू कंपनियों से मिले आवेदनों के बाद जांच की थी। इन 'रेजिन' का इस्तेमाल आमतौर पर विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है, जिनमें पाइप व फिटिंग, फिल्म और शीट, बोतलें, तार और केबल शामिल हैं। डंपिंग रोधी जांच विभिन्न देशों द्वारा यह पता लगाने के लिए की जाती है कि सस्ते आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योगों को नुकसान तो नहीं पहुंचा है। जवाबी कार्रवाई के तौर पर वे जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बहुपक्षीय व्यवस्था के तहत ये शुल्क लगाते हैं। इस शुल्क का मकसद निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को सुनिश्चित करना तथा विदेशी उत्पादकों व निर्यातकों के मुकाबले घरेलू उत्पादकों को समान अवसर उपलब्ध कराना है। ह्लभारत ने चीन सहित विभिन्न देशों से सस्ते आयात से निपटने के लिए पहले ही कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगा रखा है।

सारेगामा इंडिया का शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में 6.2 प्रतिशत घटा

कोलकाता, एजेंसी। संगीत लेबल कंपनी सारेगामा इंडिया लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 6.2 प्रतिशत गिरकर 44.95 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस दौरान कंपनी की आमदनी 40.5 प्रतिशत बढ़ी है। आरपी संजीव गोयनका समूह की कंपनी सारेगामा इंडिया का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 47.99 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बयान में कहा कि उसकी आमदनी चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 241.83 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 172.35 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन लागत दोगुना से अधिक होकर 87.12 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 40.60 करोड़ रुपये थी। उसका कुल खर्च सितंबर तिमाही में 195 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 119.95 करोड़ रुपये था।

एनटीपीसी, आरवीयूएनएल ने किया समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। एनटीपीसी ने राजस्थान में छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट के संयुक्त स्वामित्व तथा परिचालन के लिए राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एनटीपीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, दोनों संस्थाओं के बीच संयुक्त उद्यम समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर किए गए। आरवीयूएनएल का राजस्थान के छाबड़ा में 2,320 मेगावाट का संयंत्र है। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से 50:50 भागीदारी वाली संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने पर सहमति व्यक्त की है, जो उक्त विद्युत संयंत्र का स्वामित्व तथा संचालन करेगी तथा इसकी क्षमता विस्तार के अवसर भी तलाशेगी। समझौते के अनुसार, दोनों संस्थाओं को निदेशकों की नियुक्ति का समान अधिकार है। हालांकि, प्रबंधन नियंत्रण एनटीपीसी के पास ही रहेगा। कंपनी सूचना के अनुसार, एनटीपीसी को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त करने का अधिकार है।

हर बच्चा अलग होता है, खास होता है और बेहद प्यारा होता है। अपने बच्चे की परवरिश के दौरान यह जरूर याद रखें। अपने बच्चे को अपनी तरह से जीने के लिए तैयार करें, ना कि किसी दूसरे के बच्चे की तरह। इससे वह भी खुश रहेगा और आप भी।

आपका बच्चा है सबसे खास

शिवानी बचपन में खासी जिद्दी थी। खाना खाने के नाम पर बिस्तर के नीचे घुस जाती। मां और दादी को खूब चिरौरी करके उसे खाना खिलाना पड़ता। अगर उसका स्कूल यूनिफॉर्म जरा सा भी मैला होता, तो वह स्कूल ही जाने से इनकार कर देती। चोटियों की रिबन एक लेवल पर बंधी होनी चाहिए, शूज के लेस अगर उन्नीस-बीस भी बंधे होते, तो वह खड़े-खड़े रोने लगती। शिवानी ने बाद के दिनों में अपनी जिद पर काबू पा लिया। खासकर जब उसकी बेटी रूही हुई, तो उसे लगा कि वह भी उसी की तरह जिद्दी होगी। पर नहीं। रूही जिद्दी नहीं थी, पर अपनी मां की तरह चुप नहीं बैठती थी। तरह-तरह की कहानियां बनाने का गजब का शौक था रूही को। एक दिन अपनी टीचर से कह आई कि मेरी मां रात को परी लोक चली जाती है और सुबह लौट कर आती है। उसने टीचर से यह भी कहा कि उसके घर में एक राक्षस रहता है। टीचर ने शिवानी को बुलवाया और जब उसे रूही की कहानी के बारे में बताया, तो शिवानी चौंक गई। स्कूल के बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर सी.के. चंद्रा ने बताया कि हर बच्चा अलग होता है। यह जरूरी नहीं कि वह अपने पेरेंट्स की तरह हो। इसलिए हर बच्चे की परवरिश अलग तरह से होनी चाहिए। पेरेंटिंग का वैसे भी कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं होता। अगर बच्चा जिद्दी है, एग्रेसिव है, शर्मीला है या खाने से जी चुराता है, उसे समझाने के लिए आप एक तरह का रवैया नहीं अपना सकते। जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बच्चे को वह जैसा है, वैसा ही अपनाएं। उसके मूल स्वभाव को बदलने की कोशिश ना करें। नौ साल की रंजिनी अच्छा गाती थी, पर दूसरों के सामने गाते समय वह हकलाने लगती थी। रंजिनी की मम्मी पायल चाहती थी कि उसकी बेटी संगीत के रियलिटी शो का हिस्सा बने। रंजिनी स्टेज पर पहुंच कर हकलाने लगी और जज ने उसका मजाक बना दिया। इस घटना का रंजिनी पर इतना बुरा असर पड़ा कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई। वह अब किसी से भी बिना हकलाए बोल नहीं पाती। डॉक्टर मधुमती कहती हैं, 'पेरेंट्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करते हैं। यह गलत है। बच्चों से उस बात की अपेक्षा करिए, जो उनकी पहुंच के अंदर हो। किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव उन्हें या तो विद्रोही बना देता है या दब्बू।'

आपका बच्चा कैसे है खास?

जब पहली बार अपने मुंह से वह मां कहता है, आपकी जिंदगी बदल जाती है। आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कैसा दिखता है, आपके लिए वह संसार का सबसे अनमोल रत्न है। हर बच्चे की जरूरत अलग होती है। आपका बेटा दिन में सिर्फ दो बार दूध पीता है, बेटी चार बार पीती है। बेटा साइंस में कमजोर है और बेटी को भाषा संबंधी दिक्कतें ज्यादा होती हैं। उनकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से आपको उनके भविष्य की तैयारी करनी होगी। दस साल तक के बच्चे लगभग हर बात के लिए पेरेंट्स पर निर्भर करते हैं और सबसे ज्यादा विश्वास अपने माता-पिता पर ही करते हैं।

बच्चों के साथ ये कभी ना करें

बच्चों की छोटी से छोटी समस्या की अनदेखी ना करें। हो सकता है वह आपको अपने से जुड़ी कोई बड़ी बात बताना चाह रहा हो। आपका बच्चा आपकी जिंदगी में रोशनी का काम करता है। पर आप उसका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए ना करें। आपका सपना आपका है, बच्चे का नहीं। अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाए, तो बच्चे को इसके लिए फोर्स ना करें। वह अगर बनना चाहता है, उसकी दिलचस्पी है, तो उसे आगे बढमने में मदद करें। अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों से राजनीति ना करवाएं। बच्चे को घर में दूसरे रिश्तेदारों के खिलाफ ना भडम्काएं। वे इससे कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं और अपना संतुलन खो देते हैं। बच्चे की सीमा को जानें। उस पर सीमा से आगे बढ़ने का दबाव ना डालें। अगर आपके बच्चे को कोई तन या मन से जुड़ी समस्या है, तो उसे स्वीकार करें। बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं और मां-पिता की बेचारगी भांप लेते हैं।

पांच बातें जरूर रखें याद

अगर आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है, तो निश्चित ही वह ट्यूशन जाने से भी बचेगा। सबसे पहले यह जानने की कोशिश कीजिए कि उसे पढ़ना क्यों नहीं पसंद? कहीं वह डिस्लेक्सिक या स्लो लर्नर तो नहीं? अगर नहीं, तो वह जब पढ़ने बैठे तो उसके साथ बैठें और उसे आसान शब्दों में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है इसकी तैयारी आपको पहले से करनी पड़े। शर्मीले बच्चों को उनकी खोल से निकालने के लिए उन्हें अपने साथ किसी क्लब में या बच्चों के ग्रुप में खेलने ले जाएं। शर्मीले बच्चे धीरे रिएक्ट करते हैं। लेकिन अपना काम बखूबी करते हैं। उनको स्पेस दें और उनके काम की तारीफ करें। आप जितना समय उनके साथ बिताएंगी, वे दूसरों के साथ उतनी जल्दी सहज होते जाएंगे। हाइपर एक्टिव बच्चे को हर वक्त किसी काम में लगाएं। उनको एक दिन पहले ही दूसरे दिन के काम के बारे में बता दें। कभी बागवानी, तो कभी क्राफ्ट, कभी पेंटिंग तो कभी खेल-कूद। इन बच्चों को अगर चुपचाप घर बैठने को कहेंगी, तो ये तोड़-फोड़ मचाना शुरू कर देंगे। इनकी एनर्जी सही जगह पर लगाएं। वैसे हाइपर बच्चे जल्दी ही किसी काम से बोर भी हो जाते हैं, पर जो भी काम करते हैं, दिल से करते हैं। झूठ बोलने वाले या ज्यादा गपबाजी करने वाले बच्चे अपनी दुनिया के शहंशाह होते हैं। इनकी बातों पर बहुत ध्यान ना दें, ना ही गंभीरता से लें। अगर आप रस लेकर उनकी बातें सुनेंगी, उनकी बातों को चटखारे लेकर दूसरों को बताएंगी, तो उनकी यह आदत बढ़ती जाएगी। बात-बात पर रोने वाले या घबरा जाने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है। घर का माहौल अगर स्वस्थ नहीं है, कोई बीमार है, झगड़ा ज्यादा होता है या पैसे की तंगी है, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। बच्चे पर इनका असर ना पड़ने दें। बच्चे को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उसकी स्कूल की फीस कितनी है, उसे घर और स्कूल में पढ़ाई का माहौल चाहिए। वह ऐसे लोगों के बीच रहना चाहता है, जहां वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो।

आपकी शादी को खास बनाती हैं ये सामग्री

भारतीय शादी से जुड़े रीति-रिवाजों की तुलना किसी अन्य देश के रीति-रिवाजों से नहीं की जा सकती। हर दिन इस्तेमाल में आने वाली आम चीजें, शादी की रीति-रिवाजों में खास हो जाती हैं। पान, सुपारी और हल्दी जैसी चीजें कैसे बनाती हैं आपकी शादी को खास।

खूबसूरत त्वचा के लिए हल्दी

शादी से जुड़ी सबसे आम रस्म है हल्दी लगाना। शादी से एक दिन पहले दूल्हा और दुल्हन को शादीशुदा महिलाएं हल्दी लगाती हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी की इस विधि में दुल्हन पीले रंग का कपड़ा पहनती है। हल्दी के कार्यक्रम के बाद दूल्हा और दुल्हन को एक-दूसरे से मिलने की इजाजत नहीं होती है। हल्दी, बेसन और तेल को मिलाकर इस दिन के लिए उबटन बनाया जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होता है, वहीं बेसन त्वचा को साफ करके उसमें चमक लाता है और तेल त्वचा को जरूरी नमी प्रदान करके उसकी खूबसूरती बढ़ाता है। कई बार इस उबटन में चंदन और केसर भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की खूबसूरती और बढ़ सके।

समृद्धि का प्रतीक है चावल

भारतीय खानपान में चावल का प्रमुखता से इस्तेमाल होता है और चावल के इसी गुण के कारण उसे शुद्ध और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शुद्धता के इस प्रतीक का इस्तेमाल हमारे यहां के समारोह और रीति-रिवाजों में बहुलता से किया जाता है। हिंदू विवाह के दौरान नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए उनके ऊपर चावल छिड़का जाता है। ऐसी मान्यता है कि चावल नकारात्मक चीजों को दूर भगाता है, इसलिए विवाह के दौरान प्रज्वलित अग्नि में दूल्हे के द्वारा चावल भी डाला जाता है। घर की देवी को भी चावल अर्पित किया जाता है। शादी के बाद विदाई के वक्त दुल्हन अपने हाथों में चावल भरकर उसे अपने सिर के पीछे की ओर फेंकती है, वहीं अपने ससुराल पहुंचकर वह चावल से भरे बरतन को अपने पैरों से गिराकर घर में प्रवेश करती है। इन दोनों रिवाजों के माध्यम से दुल्हन यह प्रार्थना करती है कि उसके मायके और साथ ही साथ उसके ससुराल में समृद्धि हमेशा बनी रहे।

पान-सुपारी भी हैं खास

हर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ-साथ शादी से जुड़े विभिन्न विधि-विधानों का अहम हिस्सा है पान और सुपारी। कई धार्मिक रीति-रिवाजों में तो सुपारी को देवी का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं, पान का पत्ता ताजगी और समृद्धि का प्रतीक है। कई हिंदू विवाह में पान के पत्ते को दूल्हा और दुल्हन के सिर पर लगाया जाता है। दूल्हे के परिवार का स्वागत भी पान के पत्ते से किया जाता है और अमूमन शादी की हर विधि में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। वहीं, पान का पत्ता और नारियल सभी मेहमानों को धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भी दिया जाता है।

शुद्ध नदियों का प्रतीक पानी

शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। पानी शुद्ध नदियों का प्रतीक है। इसे जिंदगी और जीवन चक्र का आधार माना जाता है। सभी धर्म और समुदाय में सफाई करने के लिए, सेहत को बेहतर बनाने के लिए, अच्छे भविष्य और समृद्धि के लिए शादी के रीति-रिवाजों में पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

इनका भी होता है इस्तेमाल

- आम, केला, नीम और तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल भी शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में किया जाता है। ये सभी पत्ते शुद्धता के प्रतीक हैं।
- जब दुल्हन गृह-प्रवेश करती है, उस समय गुड़ खिलाकर उसका स्वागत किया जाता है। शादी के बाद के विभिन्न रिवाजों में दही का इस्तेमाल भी होता है।
- घी को पवित्र माना जाता है और शादी के अमूमन सभी रिवाजों में घी का इस्तेमाल दीप जलाने के लिए किया जाता है।
- कई समुदायों में दुल्हन के पैर धोने के लिए दूध और नारियल पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

गर्भवती मां की सबसे बड़ी चिंता

भारत में लगभग 87 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि गर्भधारण और बच्चे के जन्म के बाद वो कैसी दिखेंगी। 600 महिलाओं पर किए गए सर्वे के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कभी-कभी बहुत बुरा लगता है, क्योंकि आसपास के सभी लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान होने वाले बच्चे पर होता है, जबकि शारीरिक बदलाव और दर्द के दौर से वो गुजर रही होती है। वहीं, 93 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उन्हें लगता है कि उनके पति चाहते हैं कि बच्चे के जन्म के बाद उनका फिगर पहले जैसा हो जाए। 90 प्रतिशत महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले स्ट्रेच मार्क्स होते हैं।

बस 5 मिनट और आप तैयार

वक्त कम है। ढेर सारा काम है। पर खूबसूरत तो दिखना ही है ना! सिर्फ पांच मिनट में कैसे तैयार हों, ताकि वक्त की कमी आपकी खूबसूरती को निखारने की राह में न आए।

- पांच मिनट के भीतर आप तैयार हो सकती हैं, बशर्ते आपकी आईब्रो सही शेप में हो, आपकी त्वचा भीतर से खूबसूरत हो, आपने वैक्सिंग करवा रखी हो और आपमें किसी भी लुक को अपना बनाने का आत्मविश्वास हो। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए संतुलित और पोषक खाना खाएं और ढेर सारा पानी पिएं। वहीं अपने वॉर्डरोब में मिक्स-एंड-मैच करने वाले कपड़े रखें, ताकि कहीं बाहर जाने से पहले कपड़े तलाशने में आपको वक्त जाया न करना पड़े।
- मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा पर प्राइमर लगाएं। प्राइमर त्वचा को नमी और पोषण देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है। प्राइमर को आप फाउंडेशन भी कह सकती हैं। मेकअप करने के लिए ग्लो अप प्राइमर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा की रंगत एक जैसी दिखेगी और साथ ही उसमें चमक भी आएगी। ग्लो अप प्राइमर एक्ने और अन्य दाग-धब्बों के निशान को भी छुपा देता है। आंखों के लिए नियॉन रंग के आईलाइनर का इस्तेमाल करें। सी ग्रीन, ऑरेंज और एप्पल ग्रीन रंग के आईलाइनर आजकल चलन में हैं। इसके साथ आंखों में काजल, बड़ी बिंदी और लिपस्टिक आपके पूरे लुक को कई गुना बेहतर बना देंगे।
- एक सामान्य-सी ड्रेस को एक्सेसरीज की मदद से आप बेहद खास ड्रेस में तब्दील कर सकती हैं। ए लाइन सलवार-सूट पूरी तरह से आउट ऑफ फैशन हो चुके हैं। अनारकली सूट या मिक्स एंड मैच सलवार-सूट और उसके साथ एक साधारण-सी चोटी से आपको बहुत खूबसूरत लुक मिलेगा। अगर मौका कोई खास है और आप साड़ी पहनने की सोच रही हैं तो उसके साथ कमरबंध भी पहन सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी साड़ी को बंगाली स्टाइल में पहनकर उसके साथ चाबी के छल्ले को एक्सेसरीज के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।
- आपके पूरे लुक का एक अहम हिस्सा है, हेयर स्टाइल। पर, जरूरी नहीं है कि जो हेयरस्टाइल आपकी मम्मी पर बहुत अच्छा लग रहा है, आप पर भी अच्छा लगे। इसलिए अपनी पर्सनैलिटी और लुक को ध्यान में रखते हुए ही अपना हेयरस्टाइल चुनें। फिश टेल चोटी, ढीली पोनीटेल, फ्रेंच जूड़ा और लो जूड़ा भी आप बना सकती हैं। इसके साथ गजरा या अन्य फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करना न भूलें।
- जंक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का चलन अब कम हो रहा है। सोने की ज्वेलरी फिर से चलन में है। अगर आपकी ड्रेस से मैच करती कुंदन ज्वेलरी आपके पास है, तो आप उसे भी पहन सकती हैं।

फिर चोटिल हुए ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार

12 महीने बाद हुई थी वापसी

रियाद, एजेंसी। चोटिल होने के कारण 12 महीने तक बाहर रहने के बाद हाल में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी करने वाले ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार अपने दूसरे मैच में ही फिर से चोटिल हो गए। नेमार एएफसी चैंपियंस लीग एलीट वर्ग के इस मैच में सऊदी अरब के अपने क्लब अल हिलाल की तरफ से 58वें मिनट में मैदान पर उतरे लेकिन खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी एरिया में गेंद पर कब्जा करने के लिए पांव फैलाने से उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया।

नेमार के पास हालांकि इस चोट से उबरने का पर्याप्त समय है क्योंकि अल हिलाल को अपना अगला मैच 25 नवंबर को खेलना है। अल हिलाल ने इस मैच में ईरान के क्लब एस्टेघलाल को 3-0 से हराया। चार बार के एशियाई चैंपियन अल हिलाल की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने हैट्रिक बनाई। उसने ग्रुप चरण में अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं।

महिला नहीं, पुरुष हैं इमाने खेलीफ?

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान खेलीफ को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे। पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकेंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं।

पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाज अल्जीरिया की इमाने खेलीफ एक बार फिर विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। ओलंपिक के दौरान खेलीफ लैंगिक मामले को लेकर काफी चर्चा में रही थीं, लेकिन उन्होंने इन सबके बीच शानदार प्रदर्शन किया था और पहला स्थान हासिल करने में सफल रही थीं। हालांकि, एक बार फिर वह चर्चा में आ गई हैं और उसकी वजह है एक मेडिकल रिपोर्ट जिसमें चौंका देने वाली जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खेलीफ के अंदर पुरुषों वाले कई अंग हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस मेडिकल रिपोर्ट में पाया गया है कि खेलीफ के पास आंतरिक अंडकोष और एक्सवाई गुणसूत्र (पुरुष गुणसूत्र) हैं, जो फाइव अल्फा रिडक्टेस अपर्याप्तता नामक डिसऑर्डर की तरफ इशारा करते हैं। पेरिस ओलंपिक के दौरान भी खेलीफ के खिलाफ खेलने वाली कुछ महिला मुक्केबाजों ने इशारों में इस बात के संकेत दिए थे। हालांकि, उस वक्त ओलंपिक समिति ने खेलीफ के खेलने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था। खेलीफ ने चीन की यांग लियू को मुकाबले में 5-0 से हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

विवाद पर खेलीफ ने तोड़ी थी चुप्पी

खेलीफ ने ओलंपिक के दौरान लगातार लैंगिक विवाद को लेकर चुप्पी तोड़ी थी और कहा था, मैं किसी भी महिला की तरह एक महिला ही हूं। मैं एक महिला के रूप में पैदा हुई हूं और मैंने एक महिला के रूप में जीवन जिया है, लेकिन मेरी सफलता के कुछ लोग दुश्मन हैं और वे लोग मेरी सफलता को पचा नहीं सकते।

विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित किया गया था

दरअसल, विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान खेलीफ को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे।

पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकेंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अल्जीरिया की खेलीफ और ताइवान की लिन यू-टिंग पर बयान जारी करते हुए बताया था कि दोनों खेलने के लिए योग्यता रखती हैं।

7 दिन में दिया तीसरा इशारा

बृजभूषण सिंह के आरोपों का जवाब देने के लिए रेसलिंग में वापसी करेंगी विनेश फोगाट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट विधायक बन चुकी हैं। कभी रेसलिंग के मैट पर जलवा दिखाने वाली विनेश बीते महीने प्रचार करती नजर आईं। लोगों से वोट मांगती नजर आईं। जनता के प्यार ने उन्हें विधायक बनाकर विधानसभा में भेजा। विनेश अब इस रोल में भी खुद को साबित करने की कोशिश में लगी हैं।

विनेश भले ही विधायक बन गई हैं लेकिन उनके अंदर का खिलाड़ी मरा नहीं है। विनेश ने बीते सात दिन में तीन बार इशारा दिया है जिससे लगता है कि यह विधायक फिर से रेसलर बन सकती है। विनेश फोगाट ने शेयर की तस्वीर

विनेश ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक की अपनी तस्वीर शेयर की है। वह इस तस्वीर में बहुत जोश में नजर आ रही हैं। विनेश ने तस्वीर शेयर करके कैप्शन में लिखा, 'मान लिया तू है आज थक गया, मान लिया तू है आज घायल परिंदा, पर हौसला तुझमें अब भी बाकी है, लक्ष्य के लिए अब भी तू है जिंदा।' उन्होंने इस तस्वीर में सिंगर सिद्धू मूसेवाला का गाना भी लगाया।

कमेंट में फैंस ने जताई वापसी की उम्मीद: इस वीडियो के कमेंट में फैंस यह सवाल कर रहे हैं कि क्या विनेश वापसी करेंगी। वहीं कुछ ने कमेंट करके यह भी लिखा कि विनेश ओलंपिक मेडल जीतकर ही दम लेंगी। यह पहला मौका नहीं है जब विनेश ने अपनी रेसलिंग में वापसी को लेकर ऐसा बयान दिया है।

विनेश फोगाट ने शेयर किया था कुश्ती का वीडियो: विनेश ने 29 अक्टूबर 2024 की दोपहर अपनी कुश्ती वाला एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में विनेश कनाडा की पहलवान के खिलाफ रेसलिंग करती हुई नजर आ रही थी। कैप्शन में विनेश फोगाट ने वसीम बरेलवी का एक शेर लिखा था। इस शेर से भी यह समझ आ रहा था कि वह वापसी की ओर इशारा कर रही हैं।

विनेश फोगाट ने जर्सी में ली थी शपथ: वहीं इससे पहले जब विनेश बतौर विधायक शपथ लेने पहुंची तो भी पेरिस ओलंपिक की जर्सी में पहुंची थी। पूरे प्रचार में केवल सूट में नजर आने वाली विनेश विधायक बनते ही पुराने अवतार में नजर आई। उन्होंने शपथ लेने से पहले यह भी कहा कि वह खिलाड़ी हैं और खिलाड़ी ही रहेंगी। वहीं शपथ लेने के बाद भी खिलाड़ियों के लिए नारा लगाया।

क्यों वापसी कर सकती हैं विनेश फोगाट: विनेश की वापसी के कई कारण है। इसमें प्रमुख हैं बृजभूषण सिंह। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष ने विनेश के डिस्क्वालिफाई होने के बाद उनपर काफी गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि विनेश चीटिंग करके जीती है।

अगर ये दोनों यहां आंदोलन नहीं करती तो ओलंपिक 2024 में भारत के खाते में 5 और मेडल पक्के थे। बृजभूषण ने कहा था विनेश का डिस्क्वालिफाई होना उन्हें भगवान की ओर से मिली सजा है। इसके अलावा एक और कारण है जिसकी वजह से विनेश वापसी कर सकती है। यह वजह है ओलंपिक मेडल। साक्षी मलिक ने एक इंटरव्यू में बताया था कि विनेश ने कहा था कि साक्षी और बजरंग के पास ओलंपिक मेडल है और वह भी मेडल जीतना चाहती हैं।

सुनील गावस्कर की दो टूक

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा कप्तानी न करें, खिलाड़ी के तौर पर जाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर का मानना है कि अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा एक से अधिक टेस्ट मैच मिस करते हैं तो पूरी सीरीज में उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए। बतौर खिलाड़ी दौरे पर होना चाहिए। गावस्कर ने दो टूक भारतीय क्रिकेट टीम के प्रबंधन से स्पष्टता की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय कप्तान का पहला मैच खेलना महत्वपूर्ण है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों के चलते ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले टेस्ट मैच से चूक सकते हैं। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह उपकप्तान थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट मैच के बाद रोहित शर्मा से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अभी इसे लेकर कुछ नहीं कह सकते।

कप्तान को पहला टेस्ट खेलना जरूरी

सुनील गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक पर कहा, देखिए कप्तान को पहला टेस्ट खेलना जरूरी होता है।

अगर इंजर्ड हो गया तो बात अलग है, पर जब आपका जो लीडर है पहले ही बैटल में अवेलेबल नहीं है तो फिर डिप्टी लीडर पर जो प्रेसर बनता है वो अलग सा प्रेसर होता है। उसको फिर जिम्मेदारी लेना कप्तानी की वो आसान नहीं होगा।

भाई आपको जो करना है रेस्ट करना रेस्ट कर लो: सुनील गावस्कर ने कहा, मुझे पता नहीं हम भी पढ़ते आए हैं कि पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे रोहित शर्मा। शायद आप कह रह हैं कि दूसरे में भी नहीं खेलेंगे। तो अगर ऐसी बात है तो मैं यह कहता हूं अभी-अभी भारतीय सेलेक्शन कमिटी को ये बोलना चाहिए. अजीत अगरकर को ये बोलना चाहिए भाई आपको जो करना है रेस्ट करना रेस्ट कर लो, जो भी आपकी पर्सनल रीजन है। सुनील गावस्कर ने कहा, अगर आप 2/3 मिस कर रहे हैं तो आप इस टूर के लिए प्लेयर के नाते जाइए। दूसरे टेस्ट-तीसरे टेस्ट आपको जब चाहिए जाइए। पर हम इस टूर का कप्तान बदलकर जो वाइस कैप्टन है उसको हम कप्तान बनाएंगे क्योंकि क्लैरिटी होनी चाहिए। कप्तानी की जम्मेवारी है।

ऐतिहासिक सफलता के पीछे न्यूजीलैंड की अनुकूलन क्षमता: एजाज पटेल

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने भारत को 3-0 से ऐतिहासिक रूप से हराया, जिसमें टीम ने विभिन्न प्रकार की चुनौतियों पर विजय प्राप्त की। उनमें से सबसे बड़ी बाधा पिचों की प्रकृति थी, जिसमें बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में टीमों के लिए अलग-अलग परिस्थितियां थीं।

पहले टेस्ट के लिए पिच में मौसम की बड़ी भूमिका थी और न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत को हराने के लिए तेज़ गति के अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर लाभ उठाया, जिसने अनिवार्य रूप से खेल को अपने पक्ष में कर लिया। पुणे का विकेट, हालांकि स्पिन के लिए सहायक था, धीमा था और धीमे गेंदबाजों को इसे फिर से समायोजित करने की आवश्यकता थी। फिर से, मेहमान टीम ने परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझा और मिशेल सेंटनर की अगुआई में उनके स्पिनरों ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की पहली सीरीज जीत की नींव रखी। फिर मुंबई आया और इस बार एजाज पटेल ने परिचित परिस्थितियों में गेंदबाजी की, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड को ऋषभ पंत की चुनौती से पार पाने में मदद की और भारत में वाइटवॉश (न्यूनतम 3 टेस्ट) हासिल करने वाली पहली टीम बन गई।

मीडिया से बात करते हुए, एजाज ने न्यूजीलैंड के सामने आने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौती का सामना करने के लिए उनकी तैयारियों पर प्रकाश डाला। तीन अलग-अलग सतहें और तीन अलग-अलग मैच रहे हैं, और मुझे लगता है कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि एशिया जाने की चुनौतियों में से एक यह है कि परिस्थितियां हर समय बदलती रहती हैं और आपको अनुकूल होना पड़ता है और मैच के भीतर भी परिस्थितियां बहुत तेज़ी से बदलती हैं। मेरा मतलब है कि इस मुंबई टेस्ट में भी मैं गेंदबाजी कर रहा था...मुझे लगता है कि पहली पारी में और मुझे लगा कि मैं वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूँ, लेकिन विकेट वास्तव में टर्न नहीं कर रहा था और फिर मैं लंच के बाद वापस आया और अचानक सब कुछ होने लगा। एजाज ,

जिन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड ने उपमहाद्वीप में विभिन्न पिचों का सामना करने के लिए अपने घर पर अच्छी तैयारी की थी,ने कहा, तो मुझे लगता है कि जब आप उपमहाद्वीप में आते हैं तो यह उस कौशल सेट और उस सीमा के बारे में होता है, चाहे वह 90 के दशक में गेंदबाजी करना हो या 80 के दशक में गेंदबाजी करना हो और शुरू से ही उन सीमाओं में अनुकूलन करने में सक्षम होना। यह सतह को जल्दी से पढ़ने के बारे में भी है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि परिस्थितियां निरंतर (दर) से बदलती हैं। कभी-कभी सुबह की परिस्थितियां मध्य सत्र की परिस्थितियों से बहुत अलग हो सकती हैं और इसलिए एक स्पिनर के रूप में यह जानना ज़रूरी है कि इसका अधिकतम लाभ कैसे उठाया जाए .

अपनी गति कैसे बदली जाए, गेंद को आकार में रखते हुए कैसे ऊपर-नीचे किया जाए। उन्होंने कहा, अगर मैं आपसे ईमानदारी से कहूँ, तो हमारे घर पर सर्दी बहुत अच्छी रही, जहां हमने टर्निंग विकेटों पर तैयारी की और हमने सुनिश्चित किया कि हमारे पास अलग-अलग सतहें हों, जिन पर हमने अभ्यास किया और कोशिश की, इसलिए मुझे लगता है कि हम अलग-अलग सतहों पर गेंदबाजी करने के लिए भी तैयार थे।

शाकिब अल हसन मुसीबत में फंसे

लंदन, एजेंसी। काउंटी चैंपियनशिप में सरी के लिए खेलने के दौरान अंपायर्स ने शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को लेकर दी गई रिपोर्ट के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बंगलादेश के ऑलराउंडर शाकिब से अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा है। शाकिब को खेलने से नहीं रोका गया है लेकिन यह पता चला है कि शाकिब के एक्शन की जांच कराने के लिए बातचीत चल रही है।

यह जांच अगले कुछ सप्ताह में हो सकती हैं। शाकिब के दो दशक लंबे करियर में यह पहली बार है जब उनका गेंदबाजी एक्शन किसी तरह की जांच का विषय बना है। इस दौरान शाकिब ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 447 मैचों में 712 विकेट लिए हैं, जिसमें 71 टेस्ट में 246 विकेट शामिल हैं। सितंबर में टॉन्टन में सोमरसेट के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 37 वर्षीय शाकिब ने 9 विकेट चटकाए थे। 2010-11 के बाद शाकिब पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे थे।

बरेली में राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता बुधवार से, देशभर के 809 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बरेली(उप्र.), एजेंसी। बरेली में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित होने वाली अंडर-17 वर्ग की राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए देशभर के खिलाड़ी बरेली आने लगे हैं।

सोमवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ ही तमिलनाडु, गुजरात, तेलंगाना सहित कई अन्य राज्यों के खिलाड़ी शहर पहुंचे। इन्हें ठहराने के लिए अलग-अलग होटलों में कमरे बुक कराए गए हैं। जिले को पहली बार राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। छह से 10 नवंबर तक राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में होने वाली प्रतियोगिता के आयोजन में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए जिम्मेदार जुटे हुए हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, खाने-पीने, मैदान तक आने-जाने, अभ्यास की व्यवस्था सहित अन्य चीजों की जिम्मेदारी अलग-अलग लोगों को दी गई है। खिलाड़ियों को ठहराने के लिए कई होटलों में 400 कमरे बुक किए गए हैं। पांच दिवसीय प्रतियोगिता के लिए अभी तक 809 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

बालिका वर्ग में 33 व बालक में 35 टीमें भाग लेंगी। मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद ने बताया कि मैदान में पांच कोर्ट बनाए गए है। राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबाल प्रतियोगिता में पहली बार टाइम आउट बजर का इस्तेमाल किया जाएगा। मैदान में बने पांचों कोर्ट में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए इसका उपयोग होगा।

एशियाई हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट की ट्रॉफी पहुंची नालंदा

नालंदा(बिहार), एजेंसी। गत चैंपियन के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए ट्रॉफी को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा। एशियाई हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट (महिला) की ट्रॉफी का सोमवार को यहां के विश्व धरोहर स्थल नालंदा महाविहार में पहुंचने पर धूमधाम से स्वागत किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमियों के साथ स्कूली बच्चे भी मौजूद थे। हॉकी इंडिया और बिहार सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर के बीच नव विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। गत चैंपियन के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए ट्रॉफी को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरन ने कहा, 'ट्रॉफी को पहले पंजाब, हरियाणा, ओडिशा और झारखंड ले जाया गया था। उसके बाद, इसे बिहार के लगभग सभी जिलों में ले जाया गया और यह 10 नवंबर को राजगीर पहुंचेगी।

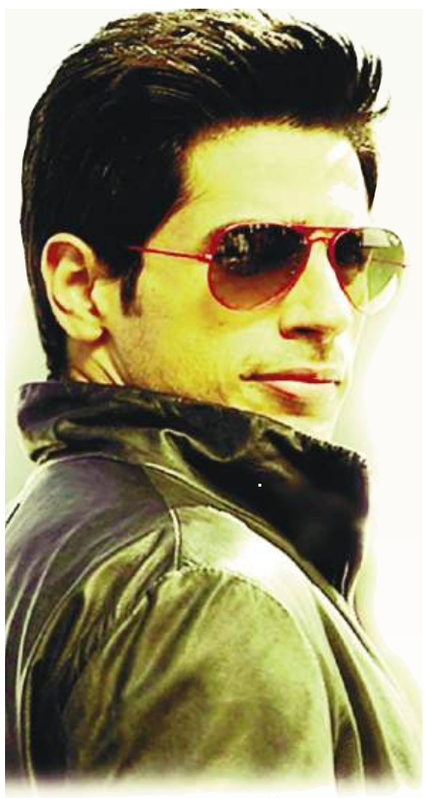

परम सुंदरी में बिजनेस टाइकून का किरदार निभाएंगे सिद्धार्थ, जान्हवी की भूमिका का भी खुलासा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की जोड़ी ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। खबर है कि दोनों कलाकार पहली बार किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धार्थ और जान्हवी एक क्रॉस-कल्चरल लव स्टोरी परम सुंदरी में स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित यह फिल्म कथित तौर पर दिसंबर में फ्लोर पर जाएगी। फिल्म शुरू होने से पहले सिद्धार्थ और जान्हवी के किरदारों के बारे में जानकारी सामने आई है।

फिल्म में सिद्धार्थ और जान्हवी का किरदार रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म विपरीत आकर्षण की एक क्लासिक कहानी है। सिद्धार्थ का किरदार दिल्ली से है, जबकि जान्हवी का किरदार केरल से है। बताया गया है कि तुषार जलोटा निर्देशित इस फिल्म में सिद्धार्थ एक अमीर बिजनेस टाइकून की भूमिका निभाएंगे। जान्हवी के किरदार के बारे में बताया बताया गया कि जान्हवी एक आधुनिक कलाकार की भूमिका निभा रही हैं, जिसके विचार और मूल्य मजबूत हैं। उनका किरदार केरल की एक दक्षिण भारतीय महिला का है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे दोनों अलग-अलग व्यक्तित्व होने के बावजूद प्यार में पड़ जाते हैं। उनकी फिल्म का पहला शेड्यूल सिद्धार्थ के साथ दिल्ली में शुरू होगा। इसके बाद केरल में कुछ समय बिताया जाएग और बाद में बाकी शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में होगी। स्टूडियो में दो बड़े सेट बनाए जाएंगे। एक सेट विशाल घर का होगा, जबकि दूसरा पारंपरिक केरल के घरों के अंदरूनी हिस्सों को दर्शाएगा।

परम सुंदरी के बारे में आगे बताया गया कि अगर चीजें योजना के अनुसार होती हैं तो फिल्मांकन फरवरी 2025 तक पूरा हो जाएगा।

वरुण धवन की आने वाली फिल्म की अभिनेत्री हुई तय

वरुण धवन के करियर की गाड़ी बहुत ही शानदार चल रही है। वह हर तरह की फिल्मों का हिस्सा बन रहे हैं, अपना एक्टिंग टैलेंट दर्शकों के सामने लगा रहे हैं। जल्द ही वरुण अपने पिता के साथ रोमांटिक कॉमेडी फिल्म भी करने वाले हैं। इस फिल्म का नाम है जवानी तो इश्क होना है रखा गया है। अब तक इस फिल्म के लिए हीरोइन की तलाश की जा रही थी, अब खबर मिली है कि फिल्म में वरुण के अपोजिट हीरोइन का नाम तय कर लिया गया है।

पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करेंगे वरुण

फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में वरुण के साथ जिस हीरोइन को लिया गया है, उनका नाम पूजा हेगड़े है। पूजा बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने सलमान खान से लेकर ऋतिक रोशन जैसे कलाकारों के साथ पर्दे पर इश्क फरमाया है। पूजा हेगड़े, ऋतिक रोशन के साथ फिल्म मोहनजोदड़ो में नजर आईं, साथ ही उन्होंने सलमान खान के साथ फिल्म किसी का भाई किसी की जान में बतौर हीरोइन काम किया। अब वह वरुण के साथ है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह वरुण के साथ रोमांस करेंगी। पूजा हेगड़े भी वरुण धवन के साथ फिल्म करने को लेकर खुश हैं। उनका कहना है कि वह लंबे समय से अलग किस्म के रोल तलाश रही हैं।

मौजूदा काम खत्म कर करेंगे वरुण शूटिंग

अभी तो वरुण धवन अपनी एक फिल्म बेबी जॉन को लेकर व्यस्त हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, इसमें वरुण का अलग ही अंदाज नजर आएगा। जब वह इस फिल्म के

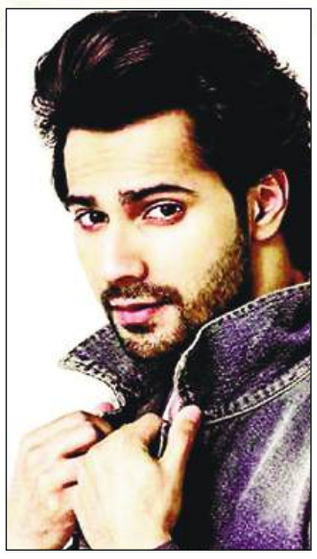

प्रमोशन को पूरा कर लेंगे, तब ही अपने पिता डेविड धवन की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

अगले साल आएंगी कुछ और फिल्में भी

वरुण धवन है जवानी तो इश्क होना है के अलावा एक और फिल्म में भी अगले साल नजर आ सकते हैं। जिसमें उनके साथ जाहन्वी कपूर होंगी। इस फिल्म का नाम सन्नी संस्कारी की तुलसी कुमारी है। जाहन्वी और वरुण की जोड़ी पर्दे पर अच्छी नजर आती है, वे पहले भी फिल्म बवाल (2023) में साथ नजर आ चुके हैं।

श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाएंगे विक्रांत मैसी!

हिंदी फिल्मों में जब से विक्रांत मैसी ने कदम रखा है अलग किस्म के किरदार किए हैं। वह बतौर कलाकार अपने किरदारों के साथ खूब प्रयोग करते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर किरदार को पर्दे पर जीवंत कर देते हैं। यही कारण है कि उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करती हैं। साथ ही बतौर कलाकार भी उन्हें खूब तारीफें मिलती हैं। जल्द ही वह एक अलग तरह की भूमिका करते हुए नजर आएंगे। अपनी आने वाली फिल्म में वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभाएंगे।

फिल्म में दिखाई जाएगी श्री श्री रविशंकर की जीवन यात्रा

श्री श्री रविशंकर की बायोपिक में उनकी जीवन यात्रा को दिखाया जाएगा, उनके मानवतावादी कामों की झलक मिलेगी। उनके शांति और प्रेम को संदेश को फिल्म के जरिए देश और दुनिया को दिखाया जाएगा। इसी यात्रा को विक्रांत मैसी बखूबी दिखाने की पूरी कोशिश करना चाहते हैं।

न्याय करेंगे गुरु जी की भूमिका के साथ

साल 2023 में रिलीज हुई विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल को खूब सराहा गया। वहीं इसी साल रिलीज हुई विक्रांत की फिल्म सेक्टर 36 भी बहुत चर्चित रही। यह फिल्म नोएडा के निठारी कांड से प्रेरित रही। जिस तरह से विक्रांत ने इन फिल्मों में अपने किरदार निभाए हैं, उससे यह तो उम्मीद की जा सकती है कि वह श्री श्री रविशंकर की बायोपिक के साथ भी पूरा न्याय करेंगे।

नयनतारा की डॉक्यू फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा

अभिनेत्री नयनतारा इन दिनों अपनी डॉक्यू फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका नाम नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल है। इस फिल्म में अभिनेत्री के निजी जिंदगी से जुड़े अनसुने पहलुओं को दिखाया जाएगा। अब इस डॉक्यू फिल्म पर नई जानकारी सामने आई है। नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल नवंबर में नेटफ्लिक्स पर आएगी। स्ट्रीमिंग पार्टनर ने डॉक्यू-फिल्म का पोस्टर जारी किया और इसके रिलीज की तारीख से पर्दा भी उठाया। शुरुआत में डॉक्यूमेंट्री फिल्म नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल एक शादी की फिल्म के रूप में शुरू हुई थी। फिर बाद में यह उनके शानदार करियर और उनके पारिवारिक जीवन के बारे में एक डॉक्यू-फिल्म में बदल गई। डॉक्यूमेंट्री में सरोगेसी के जरिए अभिनेत्री के मां बनने और उससे जुड़े विवाद को भी दिखाया गया है। नेटफ्लिक्स ने नयनतारा की फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए खुलासा किया कि यह डॉक्यू फिल्म 18 नवंबर को रिलीज होगी। इस दिन नयनतारा का जन्मदिन भी है। ऐसे में नयनतारा की फिल्म उनके जन्मदिन पर प्रशंसकों के लिए एक तोहफा होगा। 30 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स इंडिया साउथ ने एक्स पर डॉक्यूमेंट्री की रिलीज की तारीख की घोषणा की। डॉक्यूमेंट्री का रन-टाइम एक घंटा 21 मिनट है। पोस्टर को साझा करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, एक स्टार ऑन-स्क्रीन और एक स्टार इन लाइफ। 18 नवंबर को नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल देखें, केवल नेटफ्लिक्स पर। दो साल पहले नेटफ्लिक्स पर नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल का टीजर रिलीज किया गया था। टीजर में नयनतारा और विग्नेश शिवन को अपने रिश्ते और अपनी शादी की तैयारियों के बारे में बात करते हुए देखा गया था। उन्होंने प्रशंसकों द्वारा उन्हें दिए गए टैग और अपने करियर विकल्पों के बारे में भी बात की।

नयनतारा की आगामी फिल्में

नयनतारा को उनके प्रशंसक लेडी सुपरस्टार के नाम से जानते हैं। वह दो तमिल फिल्मों, टेस्ट और मन्नंगट्टी सिंस 1960 की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। वह वर्तमान में अभिनेता कविन के साथ एक अनाम फिल्म और निविन पॉली के साथ डियर स्टूडेंट्स की शूटिंग कर रही हैं।

कंगुवा अभिनेता सूर्या ने की बॉबी देओल की तारीफ

साउथ अभिनेता सूर्या अपनी फिल्म कंगुवा के प्रमोशन में बिजी हैं। सूर्या ने हाल ही में फिल्म कंगुवा के प्रमोशन के दौरान अपनी फिल्म और पसंदीदा सितारों को लेकर बात की। फिल्म कंगुवा के ऑडियो लॉन्च के दौरान सूर्या ने सभी को इस समारोह में आने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने, अन रथथमुम एन रथथमुम वेरु वेरा लाइन का इस्तेमाल किया। कंगुवा फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी और अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आने वाले हैं। लॉन्च इवेंट में सूर्या ने दोनों बॉलीवुड सितारों के लिए भी कुछ बातें कही हैं।

फिल्म का संगीत है बहुत ही खास

अभिनेता सूर्या के लिए फिल्म का संगीत बहुत ही खास है। सूर्या ने इस समारोह में कहा कि देवी श्री प्रसाद यानी डिएसपी भाई का मेरे फिल्म करियर में खास योगदान है। हमने कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। उन्होंने कंगुवा में काम करने की बात सोची थी और फिल्म की हकीकत ने मुझे इस कल्पना को सच होते देखा है। इस फिल्म का संगीत बहुत ही खास है।

बॉबी देओल से भी कही ये बात

सूर्या ने बॉबी देओल से कहा, आप मेरे भाई की तरह हैं। आपका स्टारडम बहुत बड़ा है। जब वह सेट पर आते थे, तो ऐसा लगता था जैसे कोई सितारा जमीन पर उतर आया हो। सूर्या ने कहा कि कंगुवा बॉबी के प्रोजेक्ट में आने के बाद एक अखिल भारतीय फिल्म बन गई।

सिंहासन के लिए भिड़ेंगे अली फजल-आदित्य रॉय कपूर

राज एंड डीके की आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज रक्त ब्रह्माण्ड अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इस सीरीज के कलाकारों को लेकर समय-समय पर तमाम रिपोर्ट्स सामने आ चुकी हैं। वहीं, ताजा रिपोर्ट की मानें तो आदित्य रॉय कपूर और अली फजल इस सीरीज में एक रोमांचक प्रतिद्वंद्विता को जीवंत करने के लिए तैयार हैं, जहां वे सिंहासन के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले विरोधी राजकुमारों की भूमिका निभाएंगे।

क्या होगी रक्त ब्रह्माण्ड की कहानी?

तुम्बाड फेम राही अनिल बर्वे द्वारा निर्देशित यह सीरीज फंतासी और एक्शन के एक मनोरंजक मिश्रण का वादा करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पुरस्कार विजेता लेखक जी.ए. कुलकर्णी की प्रसिद्ध मराठी लघु कहानी विधुशाक पर आधारित है। रक्त ब्रह्माण्ड एक पौराणिक दुनिया में प्रवेश करती है जहां दो शाही भाई सत्ता की तलाश में आपस में भिड़ते हैं। राजा के रूप में अपने स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले प्रत्येक राजकुमार को विस्तृत परीक्षणों की एक सीरीज के माध्यम से अपनी ताकत और बुद्धि साबित करनी होगी।

राही अनिल बर्वे ने बनाई योजना

लघुकथा के रूप में कहानी की उत्पत्ति ने एक गहन, एकल-स्थान कथा प्रदान की और निर्देशक बर्वे ने इस दुनिया को और अधिक विस्तारित करने की क्षमता देखी। प्रारंभ में एक फीचर फिल्म पर विचार करते हुए, उन्होंने आखिरकार निर्णय लिया कि कहानी की गहराई को सीरीज प्रारूप में सबसे अच्छा प्रदर्शित किया जा सकेगा।

राज एंड डीके होंगे निर्माता

जब राज एंड डीके और पटकथा लेखक सीता आर. मेनन शामिल हुए तो यह सीरीज नेटफ्लिक्स भारत की पहली भव्य फंतासी सीरीज में विकसित हुई। इसमें छह एक्शन से भरपूर एपिसोड थे जो देखने में आकर्षक और भावनात्मक रूप से जुड़ाव के अनुभव का का वादा करते हैं। मूल कहानी एक शाही दरबारी विदूषक के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिसे एक भाई ने अपने भाई-बहन को मात देने की दौड़ में मुख्य सलाहकार के रूप में चुना था। सीरीज रूपांतरण में, दर्शक इस किरदार को साजिश और अप्रत्याशितता की परतें जोड़ते हुए देखने की उम्मीद कर सकते हैं। दो मुख्य किरदारों के रूप में आदित्य रॉय कपूर और अली फजल के अलावा सामंथा रुथ प्रभु और वामिका गब्बी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अभिनय ही नहीं, लेखन में भी आगे हैं टिस्का

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा अपना जन्मदिन मना रही हैं। कई चर्चित टीवी शो के अलावा टिस्का ने कई बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। फिल्म तारे जमीन पर में टिस्का ने ईशान की मां का रोल निभाया। टिस्का ने अलग-अलग भाषाओं की 45 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है, ओटीटी सीरीज में भी वे नजर आ चुकी हैं। अंग्रेजी साहित्य से ग्रेजुएट टिस्का ने थिएटर में काफी काम किया है, वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ लेखक भी हैं। उनकी लिखी किताब एक्टिंग स्मार्ट बेस्ट सेलर है। अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने एयर इंडिया में पायलट संजय चोपड़ा के साथ शादी रचाई।